Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories, Safety Equipment, Power Tools, Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda, Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 22 जून, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-173

अब भारत के भ्रष्टाचारियों का 'कर-स्वर्ग' नहीं रहा स्विस बैंक

भारत में हुई सख्ती तो स्विस बैंकों से निकलने लगे पैसे

साल भर में 70 प्रतिशत कम हुआ स्विस बैंकों में रखा भारतीयों का धन

नई दिल्ली/ज्यूरिख, 21 जून (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार करने जमा किए गए काले धन के खिलाफ भारत सरकार द्वारा की जा रही सख्त कार्रवाई का नतीजा यह निकला है कि स्विस बैंकों के खातेदार भारतीय ग्राहक धड़ाधड़ अपने पैसे निकाल रहे हैं और अन्यत्र ले जा रहे हैं। नतीजतन स्विस बैंकों में जमा भारतीयों का धन कम हो रहा है। काले धन को लेकर देश में समय-समय पर हंगामा और आंदोलन होता रहा है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से काले धन का मुद्दा चर्चा में नहीं है। इस दौरान आई एक रिपोर्ट ने सबको हैरान कर दिया है। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद स्विस बैंकों में जमा होने वाले भारतीयों के काले धन पर तगड़ा प्रहार हुआ है। एक रिपोर्ट के अनुसार स्थानीय शाखाओं और अन्य वित्तीय संस्थानों के माध्यम से स्विस बैंकों में

शुभ-लाभ सरोकार

भारतीय व्यक्तियों और कंपनियों द्वारा जमा धन, 2023 में 70 प्रतिशत की तेज गिरावट के साथ चार साल के निचले स्तर 1.04 अरब स्विस फ्रैंक (9,771 करोड़ रुपए) पर आ गया है। मोदी सरकार की ब्लैक मनी के खिलाफ तैयार सख्त नीतियों को इस गिरावट की वजह माना जा रहा है।

स्विट्जरलैंड के केंद्रीय बैंक की ओर से जारी वार्षिक आंकड़ों के अनुसार, स्विस बैंकों में भारतीय ग्राहकों के कुल धन में लगातार दूसरे वर्ष गिरावट आई है। ▶10 पर

पहले स्विस बैंकों में जमकर बरसता था भारतीयों का धन

नई दिल्ली/ज्यूरिख, 21 जून (एजेंसियां)। टैक्स हैवन के नाम से मशहूर स्विट्जरलैंड में भारतीयों ने वर्ष 2020-2021 में जमकर पैसा जमा किया था। भारत के ब्रांच और अन्य फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन के माध्यम से 2021 में भारत के नागरिकों और फर्मों ने 3.83 बिलियन स्विस फ्रैंक (30,500 करोड़ रुपए) जमा किए थे। यह 14 साल के अपने रिकॉर्ड स्तर पर था।

स्विस बैंकों में भारतीय कस्टमर्स ने 2020 के अंत तक कुल 2.55 बिलियन स्विस फ्रैंक (20,700 करोड़ रुपए) जमा कराए थे। वह लगातार दूसरा मौका था, जब स्विस बैंक ने वृद्धि दर्ज की थी। स्विस बैंकों में जमा भारतीयों के कुल 3,831.91 मिलियन स्विस फ्रैंक (सीएचएफ) को कुल देनदारियां या भारतीय कस्टमर्स को देय राशि के रूप में दर्ज किया जाता है। इसमें कस्टमर डिपॉजिट के रूप में सीएचएफ 602.03 मिलियन (2020 में सीएचएफ 504 मिलियन से ऊपर), अन्य बैंकों में सीएचएफ 1,225 मिलियन (सीएचएफ 383 मिलियन से ऊपर), और ट्रस्टों के ▶10 पर

श्रीनगर में पीएम मोदी के नेतृत्व में मना 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

पूरी दुनिया से योग सीखने भारत आ रहे हैं लोग: मोदी

- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, जम्मू कश्मीर योग-साधना की भूमि
- राष्ट्रपति समेत केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों ने किया योग

श्रीनगर, 21 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर श्रीनगर में योग-ध्यान किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीनगर स्थित शेर-ए-कश्मीर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र (एसकेआईसीसी) में योग-ध्यान का नेतृत्व किया।

इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, जम्मू कश्मीर योग-साधना की भूमि है। योग से उत्पादकता और सहनशक्ति बढ़ती है। योग से नए अवसर पैदा हुए हैं। योग केवल विद्या नहीं बल्कि विज्ञान है। योग से एकाग्रता बढ़ती है। योग पर अब शोध हो रहे हैं। योग पर्यटन का नया माध्यम बन गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू समेत देश के अलग-अलग हिस्सों में मुख्यमंत्रियों, केंद्रीय मंत्रियों, सैन्य बलों और नागरिकों ने योगाभ्यास किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योग दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, मुझे कश्मीर आने का सौभाग्य मिला है। हमें योग से जो शक्ति मिलती है, मैं श्रीनगर में उसे महसूस कर रहा हूं। मैं देश के सभी लोगों और दुनिया के कोने-कोने में योग करने वालों को कश्मीर की धरती से योग दिवस की बधाई देता हूं। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 10 वर्ष की ऐतिहासिक यात्रा पूरी कर चुका है। दस साल पहले मैंने संयुक्त राष्ट्र में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा था। भारत के प्रस्ताव को 177 देशों ने समर्थन दिया था, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। 2015 में दिल्ली के कर्तव्य पथ पर 35,000 लोगों ने एक साथ योग किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, इस साल भारत में फ्रांस की 101 साल की महिला योग शिक्षिका चार्लोट चोपिन को पद्मश्री से सम्मानित किया गया। वह कभी भारत नहीं आईं लेकिन उन्होंने पूरा जीवन योग को लेकर जागरूकता फैलाने में लगा दिया। आज देश-दुनिया की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी और संस्थानों में योग पर रिसर्च हो रही है। योग पर रिसर्च पेपर पब्लिश हो रहे हैं।गौरतलब है कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस योग के अनेक ▶10 पर

पेपर लीक बवाल के बीच योगी सरकार का नायाब फैसला

एक करोड़ जुर्माना, जेल की सजा और रौंदेगा बुल्डोजर

- पेपर लीक करने वाले, सॉल्वर गैंग के सदस्य और अभ्यर्थी दायरे में
- योगी सरकार शीघ्र ला रही है नया सख्त कानून, देश को दी नजीर

लखनऊ, 21 जून (एजेंसियां)। मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी में गड़बड़ियों को लेकर चल रहे बवाल के बीच यूपी की योगी सरकार एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। राज्य सरकार ने ऐलान किया है कि किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में गड़बड़ी को रोकने के लिए एक सख्त कानून बनाया जा रहा है। इस कानून के दायरे में पेपर लीक कराने वाले और सॉल्वर गैंग के लोग होंगे। इसमें उनकी गतिविधियों को भी शामिल किया गया है। कानून के तहत ऐसे लोगों के खिलाफ एक करोड़ या इससे ज्यादा का भारी जुर्माना लगाने और जेल भेजने की कार्रवाई तो होगी ही, उनके घरों पर बुलडोजर भी चलेगा। कानून में इसको लेकर प्रावधान बनाए जा रहे हैं।

यूपी सरकार परीक्षाओं में गड़बड़ी और धांधली को रोकने के लिए एक नीति की भी घोषणा की है। सरकार ऐसी व्यवस्था करने जा रही है कि हर पाली में 2 या उससे अधिक पेपर सेट जरूर रहे। सभी की प्रिंटिंग कराने की जिम्मेदारी अलग-अलग एजेंसी को सौंपी जाएगी। पेपर कोडिंग को लेकर नई तैयारी की गई है। सभी क्वेश्चन पेपर में गोपनीय कोड होगा। सभी पेजों पर गोपनीय सुरक्षा चिन्ह होंगे। यानी यूनिक बारकोड, क्यूआर कोड, यूनिक सीरियल नंबर रहेंगे। इनको लाने-ले जाने वाले बॉक्स टेंपर प्रूफ मल्टी लेयर पैकेजिंग होगी।

प्रश्न पत्रों को तैयार करने के लिए काफी समय दिया जाएगा। यानी पेपरों में किसी भी तरह की खामी रोकने के लिए जरूरी ▶10 पर

हाईकोर्ट ने केजरीवाल की जमानत पर रोक लगाई

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत पर दिल्ली हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। इससे पहले राउज एवेन्यू कोर्ट ने उनकी बेल को मंजूरी दी थी, जिसके बाद प्रवर्तन निदेशालय इस फैसले को चुनौती देने हाईकोर्ट पहुंचा और वहां बेल पर रोक लगी।

मामले की सुनवाई जस्टिस सुधीर जैन और जस्टिस रविंद्र डुडेजा की बेंच ने की। इस दौरान ईडी की ओर से एएसजी राजू पेश हुए। उन्होंने कोर्ट को बताया कि उन्हें मामले में दलीलें रखने का मौका नहीं मिला। ▶10 पर

जम्मू कश्मीर में पीएम मोदी ने दिए चुनाव के संकेत

चुनाव आयोग ने मतदाता सूची दुरुस्त करने का निर्देश दिया

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज हो गई है। भारतीय चुनाव आयोग ने शुक्रवार को जम्मू कश्मीर सहित चार राज्यों में मतदाता सूचियों को अपडेट करने का निर्देश जारी किया है। आयोग ने जम्मू कश्मीर के साथ ही हरियाणा, झारखंड, महाराष्ट्र की वोटर लिस्ट को अपडेट करने के लिए कहा है। चुनाव आयोग का यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे जम्मू कश्मीर दौरे के बीच सामने आया है। गुरुवार को श्रीनगर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन के दौरान प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारी की बात कही थी। पीएम मोदी ने जम्मू कश्मीर को जल्द ही राज्य का दर्जा दिए जाने के भी स्पष्ट संकेत दिए थे।

हरियाणा, झारखंड और महाराष्ट्र में भी होने हैं विधानसभा चुनाव

एक जुलाई 2024 को या उससे पहले 18 वर्ष पूरे करने वाले युवा वोटर लिस्ट में अपना नाम जुड़वा सकेंगे। वोटर लिस्ट में शामिल होने के लिए एक जुलाई 2024 अर्हता तिथि रखी गई है। हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों के लिए, मतदाता सूची को एक जनवरी को अर्हता तिथि के रूप में अपडेट किया गया था। अर्हता तिथि किसी राज्य या देश में किसी निश्चित तिथि पर मतदाताओं की संख्या स्थापित करने में मदद करती है। वोटर लिस्ट अपडेट की प्रक्रिया 25 जुलाई से शुरू होगी और 20 अगस्त को समाप्त होगी। ऐसे में साफ है कि जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव 20 अगस्त के बाद ही होंगे। मतदाता सूची के अपडेट होने के बाद चुनाव आयोग ▶10 पर

बाकी राज्यों में ५०% से अधिक आरक्षण की अनुमति नहीं

फिर तमिलनाडु में कैसे मिलता है 69% आरक्षण?

पटना हाईकोर्ट के फैसले से देश में उठे लाजिमी सवाल

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)। पटना हाईकोर्ट ने बिहार सरकार के राज्य में आरक्षण सीमा को 50 प्रतिशत से बढ़ा कर 65 प्रतिशत करने के फैसले पर रोक लगा दी है। पटना हाईकोर्ट ने आरक्षण सीमा को 50 प्रतिशत पर ही रखने का फैसला दिया है। बिहार ने आरक्षण सीमा को 50 प्रतिशत से 65 प्रतिशत करने का यह निर्णय 2023 में लिया था। इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। जहां बिहार के 65 प्रतिशत आरक्षण को कोर्ट ने समाप्त कर दिया। वहीं तमिलनाडु में पिछले तीन दशकों से लगातार 69 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है और यह कोर्ट के फैसले से भी प्रभावित नहीं होता है।

बिहार ही नहीं इससे पहले महाराष्ट्र और हरियाणा के भी आरक्षण सीमा को 50 प्रतिशत से अधिक करने के निर्णयों को कानूनी रूप से चुनौती मिल चुकी है। इनमें से किसी भी राज्य को आरक्षण सीमा को 50 प्रतिशत से अधिक नहीं करने दिया गया है। इसके पीछे सुप्रीम कोर्ट का एक निर्णय है जो सरकारों को यह करने से रोकता है। यह निर्णय सुप्रीम कोर्ट ने 1992 में दिया था और इसे अब इंदिरा साहनी मामले के नाम से जाना जाता है। जबकि तमिलनाडु के मामले में यह इंदिरा साहनी मामला लागू नहीं हो रहा।

ऐसा तमिलनाडु में आरक्षण को लेकर बनाए गए कानूनों और कोर्ट के निर्णयों के कारण है। तमिलनाडु में वर्ष 1971 तक कुल 41 प्रतिशत आरक्षण लागू था। लेकिन जब 1969 में डीएमके के पूर्व मुखिया एम करुणानिधि पहली बार राज्य के मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने आरक्षण का ढांचा बदलने का ▶10 पर

पुतिन और किम जोंग के बीच सुरक्षा समझौते से घबराया अमेरिका, कहा- इससे पूरा कोरियाई प्रायद्वीप अस्थिर होगा

वॉशिंगटन, 21 जून (एजेंसियां)।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग उन के बीच हुए सुरक्षा समझौते ने अमेरिका को परेशान कर दिया है। अमेरिका ने इस पर गहरी चिंता जाहिर की और कहा कि इससे पूरा कोरियाई प्रायद्वीप अस्थिर हो जाएगा। गौरतलब है कि पुतिन ने हाल ही में उत्तर कोरिया का दौरा किया। इस दौरे पर दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक सुरक्षा समझौता हुआ है, जिसके तहत एक देश पर हमले की स्थिति दूसरा देश तुरंत सैन्य और अन्य मदद देगा।

पुतिन की धमकी से चिंतित हुआ अमेरिका

रूसी राष्ट्रपति वियतनाम के दौरे पर पहुंचे, वहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने ये भी कहा कि रूस, उत्तर कोरिया को हथियारों की सप्लाई भी करेगा। पुतिन ने धमकी देते हुए कहा कि जिस तरह पश्चिमी देश यूक्रेन को हथियारों की सप्लाई कर रहे हैं, उसके जवाब में वह भी उत्तर कोरिया को हथियारों की सप्लाई करेंगे। इस पर अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि यह धमकी बेहद चिंताजनक है। इससे पूरा कोरियाई प्रायद्वीप अस्थिर हो जाएगा। यह इस बात पर भी निर्भर करेगा कि किस तरह के हथियारों की सप्लाई हो रही है। साथ ही यह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव का भी उल्लंघन है, जिसका खुद रूस ने समर्थन किया था।

पुतिन ने दक्षिण कोरिया को भी चेताया

हाल ही में दक्षिण कोरिया ने अपने एक बयान में कहा था कि वह अपने प्रतिबंध में छूट देकर यूक्रेन को हथियारों की सप्लाई करने पर विचार कर रहा है। इस पर पुतिन ने दक्षिण कोरिया को धमकी दी थी। उल्लेखनीय है कि दक्षिण कोरिया की लंबे समय से नीति रही है कि युद्धग्रस्त देशों को वह हथियारों की सप्लाई नहीं करता है, लेकिन अमेरिका और अन्य सहयोगी देशों का उस पर दबाव पड़ रहा था कि वह यूक्रेन को हथियारों की सप्लाई करे। जिसके बाद दक्षिण कोरिया ने भी कह दिया कि वह प्रतिबंध हटाने पर विचार कर रहा है, जिससे पुतिन ने भी दक्षिण कोरिया को धमकी दे डाली।

न्यूज़ ब्रीफ

यूक्रेन का समर्थन करना शिक्षक को पड़ा भारी, रूस ने देशद्रोह का दोषी ठहराकर 20 साल के लिए भेजा जेल

मॉस्को। एक अधिकारी ने बताया कि 27 वर्षीय डेनियल क्लियुका को पांच साल जेल में और 15 साल सख्त शासन वाली दंड कॉलोनी में बिताने होंगे। रूस की एक सैन्य अदालत ने एक शिक्षक को 20 साल जेल की सजा सुनाई है। उन्हें यूक्रेन को पैसे भेजने के लिए देशद्रोह के आरोप में सजा दी गई है। गौरतलब है, मॉस्को ने फरवरी 2022 में अपने पश्चिमी समर्थक पड़ोसी कीव के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू किया था। इसके बाद से यूक्रेन के प्रति हमदर्दी या कथित समर्थन करने वालों पर बड़े पैमाने पर कार्रवाई की है। इसके चलते हजारों लोगों को जेल में डाला गया या जुर्माना लगाया गया है। ऐसे काटेंगे सजा एक अधिकारी ने बिना नाम उजागर किए बताया कि 27 वर्षीय डेनियल क्लियुका को पांच साल जेल में और 15 साल सख्त शासन वाली दंड कॉलोनी में बिताने होंगे। यह फैसला सुनाया गया था। शिक्षक पर देशद्रोह और आतंकवादी गतिविधियों के प्रति समर्थन देने का आरोप लगा था। यह लगा आरोप रूसी मीडिया का कहना है कि क्लियुका ने कथित तौर पर यूक्रेनी फंड जिंदा वापस आओ के लिए 20 हजार से एक लाख रूबल के बीच भेजे। बता दें यह फंड यूक्रेन की सेना के लिए धन एकत्र करता है। अभियोग के अनुसार, क्लियुका ने यूक्रेन की अजोव रेजिमेंट को पैसे भेजने की भी योजना बनाई, जिसे रूस ने आतंकवादी संगठन के रूप में वर्गीकृत किया है। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि क्लियुका को ट्रायल के दौरान दोषी ठहराया गया। उसे फरवरी 2023 में मॉस्को के दक्षिण में लिपेत्स्क क्षेत्र में गिरफ्तार किया गया था। साथ काम करने वालों ने फंसाया एक टेलीग्राम समूह के अनुसार, क्लियुका ने कहा कि उन्होंने क्रेमलिन समर्थक अखबार में दिखाए गए कुछ लोगों के मूंह पर सींग, दाढ़ी और मूंछें बनाने के बाद गिरफ्तार किया गया था। दरअसल, रूस द्वारा यूक्रेन पर हमला शुरू किए जाने के बाद क्लियुका के स्कूल के सहकर्मचारियों ने अखबार पर चित्रों को देखा और उनकी शिकायत कर दी थी, जिसके बाद उन्हें बर्खास्त कर दिया गया।

इजराइल की मुश्किलें बढ़ीं, हमास के बाद अब लेबनान से हिजबुल्ला ने दागे दर्जनों रॉकेट

यरूशलम, 21 जून (एजेंसियां)।

हमास और इजराइल बीते आठ महीने से जंग लड़ रहे हैं। इजराइल द्वारा हमास को खत्म करने का संकल्प गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा है। गाजा में पैदा हुई मानवीय परिस्थितियों को लेकर दुनिया भर के लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। वहीं, इजराइल की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। वह इस समय अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। पहले आतंकी संगठन हमास ने हमले किए। वहीं, अब लेबनान के आंतकी समूह हिजबुल्ला ने भी हमला कर दिया है। हिजबुल्ला का कहना है कि उसने दक्षिण लेबनान में एक घातक हमले के जवाब में उत्तरी इजराइल में दर्जनों रॉकेट दागे। यह हमला समूह के नेता के उग्र भाषण के एक दिन बाद हुआ था। क्षेत्रीय युद्ध की आशंका तब बढ़ गई जब हिजबुल्ला प्रमुख हसन नसरल्लाह ने चेतावनी दी कि उनके समूह के खिलाफ युद्ध की स्थिति में इजराइल का कोई भी स्थान नहीं छोड़ा जाएगा। उसने पड़ोसी द्वीप राष्ट्र साइप्रस को भी धमकी दी कि यदि उसने अपने हवाई अड्डों को इजराइल के लिए खोल दिया तो वे इसके खिलाफ कार्रवाई करेंगे।

हिजबुल्ला ने कहा कि इजराइल के दुश्मन ने दीर किफा गांव में जो हत्या की है, उसके जवाब में लड़ाकों ने एक इजराइली बैरक को दर्जनों कत्युशा रॉकेट से निशाना बनाया।

लेबनान की आधिकारिक राष्ट्रीय समाचार एजेंसी ने दक्षिण लेबनान के डेर किफा क्षेत्र में एक वाहन पर दुश्मन के ड्रोन हमले में एक व्यक्ति के मारे जाने की सूचना दी है। हिजबुल्ला ने एलान किया कि उसका एक लड़ाका मारा गया है।

हिजबुल्ला के एक सदस्य को मार गिराया

इजराइली सेना ने कहा कि एक हवाई हमले ने डेर किफा क्षेत्र में हिजबुल्ला के एक सदस्य को मार गिराया। सेना ने कहा कि मारा गया शख्स इजराइल के खिलाफ आतंकवादी हमलों की योजना बनाने, उसे अंजाम देने और दक्षिण लेबनान के जौइया क्षेत्र में हिजबुल्ला जमीनी बलों की कमान को संभालने के लिए जिम्मेदार था।

सेना ने आगे कहा कि इजराइली लड़ाकू विमानों ने हिजबुल्ला की ओर से छोड़ी गईं मिसाइलों को मार गिराया है। हिजबुल्ला ने इजराइली सैनिकों और ठिकानों पर कई अन्य हमलों की जिम्मेदारी ली, जबकि एनएनए ने दक्षिण लेबनान में इजराइल के हमलों की सूचना दी।

लेबनान-इजराइल खुद को मानते हैं दुश्मन देश

लेबनान और इजराइल दोनों एक-दूसरे को दुश्मन देश मानते हैं। दोनों के बीच हुए संघर्ष के बाद 2006 में एक शांति समझौता हुआ, जिसके बाद से ही शांति बनी रही है। मगर हाल के सालों में लेबनान की तरफ से छोटे-मोटे मिसाइल हमले इजराइल की ओर किए जाते रहे हैं। इजराइल भी इसका जवाब देता रहा है। अधिकतर हमलों के पीछे हिज्बुल्ला का हाथ होता है, जो लेबनान में काफी ज्यादा एक्टिव है। पश्चिमी मुल्कों ने हिजब्बुला को आतंकी संगठन घोषित किया हुआ है।

आठ माह से जारी जंग

हमास ने सात अक्तूबर को इजराइली शहरों पर पांच हजार से ज्यादा रॉकेट दागकर हमले की शुरुआत की थी। इसके बाद हमास के आतंकियों ने इजराइल में घुसकर लोगों को मौत के घाट उतारा। इसके जवाब में इजराइल ने हमास आतंकियों के खिलाफ गाजा में ऑपरेशन शुरू किया था। इस ऑपरेशन में गाजा स्थित हमास के ठिकानों पर जबरदस्त बमबारी की गई है, जिससे अधिकतर गाजा खंडहर में तब्दील हो गया है। अब तक इजराइल और गाजा में कुल मिलाकर 34,622 लोगों की मौत हो चुकी है।

यूएस बोला- भारत-पाकिस्तान की सीधी बातचीत हो, हिंद-प्रशांत में पीएम मोदी के साथ काम को तैयार

वॉशिंगटन, 21 जून (एजेंसियां)।

अमेरिका ने भारत और पाकिस्तान के बीच सीधी बातचीत का समर्थन किया है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर का कहना है कि सीधी चर्चा के लिए गति, दायरा और चरित्र दोनों देशों द्वारा निर्धारित किया जाना चाहिए। वहीं, अमेरिका ने भारत और पाकिस्तान के साथ अपने संबंधों को महत्व देने की प्रतिबद्धता भी दोहराई। इसके अलावा, हिंद-प्रशांत रणनीति पर अमेरिका ने कहा कि भारत न केवल सरकारी स्तर पर बल्कि लोगों से लोगों के स्तर पर भी अमेरिका का करीबी भागीदार बना हुआ है। अमेरिका हिंद-प्रशांत रणनीति पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के साथ काम करना जारी रखेगा। मैथ्यू मिलर ने बृहस्पतिवार को पत्रकार वार्ता की। इस दौरान उनसे पूछा गया कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरा कार्यकाल हासिल करने के लिए बधाई देने पर अमेरिकी की प्रतिक्रिया क्या है तो उन्होंने कहा, हम भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ अपने महत्वपूर्ण संबंधों को महत्व देते हैं और दोनों देशों के बीच सीधी बातचीत का समर्थन करते हैं, लेकिन गति, दायरा और चरित्र दोनों देशों द्वारा निर्धारित किया जाना चाहिए, न कि अमेरिका के द्वारा। बता दें कि 10 जून को पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने पीएम मोदी को लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने पर बधाई दी थी। वहीं, पाक के पूर्व पीएम नवाज शरीफ ने भी पीएम मोदी को बधाई दी और कहा कि हालिया चुनावों में बीजेपी की सफलता पीएम मोदी के नेतृत्व में लोगों के विश्वास को दर्शाती है। जिसके जवाब में पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर दोनों का धन्यवाद किया। पत्रकार वार्ता के दौरान मिलर से पत्रकार ने सवाल किया कि पीएम मोदी के तीसरी बार सत्ता संभालने के बाद भारत-अमेरिका संबंध कहां खड़े हैं इसका जवाब देते हुए मिलर ने कहा, अमेरिका-भारत घनिष्ठ आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध साझा करते हैं। दोनों देश हिंद-प्रशांत रणनीति पर काम करने वाले भागीदार बने रहेंगे। बता दें कि 9 जून को नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। उनके शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन राष्ट्रपति भवन में आयोजित किया गया था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नरेंद्र मोदी को पद की शपथ दिलाई थी।

अमेरिका से स्नातक करने वाले विदेशी छात्रों को मिलेगा ग्रीन कार्ड, ट्रंप का चुनाव से पहले बड़ा वादा

वॉशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सुझाव दिया कि जो विदेशी छात्र अमेरिका से स्नातक की पढ़ाई करते हैं, उन्हें अपने आप अमेरिका में रहने और काम करने के लिए ग्रीन कार्ड मिल जाना चाहिए। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को दुनिया के बेहतरीन दिमाग वाले लोगों को यहां रोकने की जरूरत है। जो लोग यहां रुकना चाहते हैं और उनके पास कोई अच्छी योजना है, जिससे देश को फायदा हो सकता है तो उन्हें यहां रोकना चाहिए। डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा वादा दरअसल एक पॉडकास्ट के दौरान कई उद्यम पूंजीदाताओं के साथ बातचीत के दौरान डोनाल्ड ट्रंप से सवाल किया गया कि हम कैसे दुनियाभर के बेहतरीन दिमाग को अमेरिका ला सकते हैं इसके जवाब में ट्रंप ने कहा कि अगर आप (विदेशी छात्र) किसी कॉलेज से स्नातक की डिग्री हासिल करते हैं तो आपको अपने आप ही इस देश में रहने के लिए ग्रीन कार्ड मिल जाना चाहिए। इसमें जूनियर कॉलेज भी शामिल हैं। ट्रंप ने कहा कि मैं कई ऐसी कहानियां जानता हूं, जहां लोगों ने हमारे देश के शीर्ष कॉलेजों से स्नातक की डिग्री ली और वो हमारे देश में रहने के इच्छुक थे और उनके पास बेहतरीन बिजनेस आइडिया था, लेकिन वे यहां रह नहीं सके।

पूर्व पीएम इमरान खान के राजनीतिक सलाहकार का लाहौर में अपहरण इस्लामाबाद की यात्रा पर थे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के लाहौर में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के राजनीतिक सलाहकार गुलाम शब्बीर के अपहरण की खबर सामने आई है। इस मामले में लाहौर के काहना पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है। गुलाम शब्बीर के बेटे ने दर्ज कराई एफआईआर एफआईआर में बताया गया है कि गुलाम शब्बीर का दो दिन पहले अज्ञात व्यक्तियों द्वारा अपहरण कर लिया गया। आगे बताया गया है कि गुलाम शब्बीर इस्लामाबाद की यात्रा पर थे। गुलाम शब्बीर के बेटे बिलाल ने यह एफआईआर दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि शब्बीर देर रात लाहौर के खयाबन-ए-अमीन स्थित अपने आवास से निकल कर इस्लामाबाद की ओर चले गए थे। पिछले वर्ष से जेल में कैद हैं इमरान खान बता दें कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के संस्थापक इमरान खान पिछले वर्ष से जेल में कैद हैं।

यूक्रेन को मिली बड़ी राहत, अब अमेरिकी हथियारों की मदद से रूस में घुसकर जवाब देगा कीव

वॉशिंगटन डीसी, 21 जून (एजेंसियां)।

रूस-यूक्रेन युद्ध दो साल से ज्यादा समय से जारी हैं। दोनों में से कोई भी देश हथियार डालने के लिए नहीं मान रहा है। इस जंग के चलते रूस और अमेरिका के रिश्तों में भी तनाव आ गया है। वॉशिंगटन लगातार कीव की मदद कर रहा है। अब एक मीडिया रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि बाइडन प्रशासन ने यूक्रेन को रूसी बलों पर कहीं भी अमेरिका द्वारा आपूर्ति किए गए हथियारों का इस्तेमाल कर हमला करने की इजाजत दी है। अमेरिका ने कहा है कि यूक्रेन की सेना सिर्फ खार्किव के पास के क्षेत्र से ही नहीं बल्कि सीमा पार से भी हमला कर सकती है। चुपचाप दी गई थी हरी झंडी एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि यह रुख अमेरिका द्वारा कीव को रूस के अंदर हमला करने के लिए चुपचाप हरी झंडी दिए जाने के कुछ सप्ताह बाद सामने आया है, जो कि खार्किव शहर पर सीमा पार से हुए हमले का जवाब है। हालांकि, उस उस समय अधिकारियों ने यह जोर देकर कहा था कि इस बदलाव का मतलब नीतियों में बदलाव से नहीं है। नीति खार्किव क्षेत्र तक सीमित है। तब से, यूक्रेनी सेना ने कम से कम एक बार रूस में हमला करने के लिए अमेरिकी हथियारों का इस्तेमाल किया है। बेलगोरोड शहर में लक्ष्यों को नष्ट कर दिया है और रूसी हमले को कड़ी टक्कर देने का प्रबंध किया है। दूसरी ओर कहा जा रहा कि यूक्रेन और अन्य यूरोपीय अधिकारियों ने अमेरिका से अपने प्रतिबंधों में ढील देने के लिए कहा था। यूक्रेन के साथ समझौता इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने बताया कि रूस में अमेरिकी हथियारों से हमला करने के बारे में यूक्रेन के साथ समझौता किया गया है। इसका मतलब है कि कीव की सेना रूसी सेना को कहीं भी मार सकती है।

ब्रिटेन में चुनाव से ठीक पहले कंजर्वेटिव पार्टी पर सट्टेबाजी का आरोप, पीएम ऋषि सुनक का बॉडीगार्ड गिरफ्तार

लंदन, 20 जून (एजेंसियां)।

ब्रिटेन में आम चुनाव से पहले प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी को कई आरोपों का सामना करना पड़ रहा है। उनके बॉडीगार्ड को सट्टेबाजी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। बताया गया है कि मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने पहले पीएम सुनक के निजी सुरक्षा विभाग के एक अधिकारी को निलंबित कर दिया और बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। ब्रिटेन का जुआ आयोग चुनाव के समय पर कथित रूप से सट्टेबाजी को लेकर सत्तारूढ़ दल से जुड़े कई व्यक्तियों की जांच कर रहा है। ब्रिटेन में सट्टेबाजी करना कानूनन अपराध नहीं है, लेकिन अंदरूनी जानकारी का फायदा उठाकर सट्टेबाजी करना अवैध बताया गया है।

कंजर्वेटिव पार्टी के सदस्य क्रेग विलियम्स पर सट्टेबाजी के आरोप

पुलिस ने बताया कि यह मामला सामने आने के बाद जांच शुरू की गई और संबंधित अधिकारी को उनके कार्यक्षेत्र से भी निलंबित कर दिया गया। बाद में अधिकारी को 17 जून को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस का कहना है कि आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद आगे की पूछताछ होने तक जमानत दे दी गई। सुनक के करीबी माने जाने वाले क्रेग विलियम्स ने जुलाई में होने वाले चुनाव पर 100 पाउंड का सट्टा लगाया था। 39 वर्षीय विलियम्स, मोंटगोमेरीशायर और ग्लाइंडर से कंजर्वेटिव पार्टी के उम्मीदवार हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस की जांच में वे पूरा सहयोग करेंगे।

एक अन्य उम्मीदवार पर भी हो सकती है कार्रवाई

पुलिस की जांच में यह भी सामने आया है कि कंजर्वेटिव पार्टी के एक अन्य उम्मीदवार को भी आम चुनाव के समय पर कथित तौर पर सट्टेबाजी को लेकर जांच का सामना करना पड़ रहा है। ब्रिस्टल नॉर्थ वेस्ट से पार्टी उम्मीदवार लॉरा सॉन्डर्स पर भी जुआ आयोग कार्रवाई करने पर विचार कर रहा है। उधर विपक्षी लेबर पार्टी ने सुनक पर निशाना साधा है। विपक्ष ने लॉरा सॉन्डर्स को निलंबित करने की मांग की है।

ब्रिटेन के जुआ अधिनियम 2005 की धारा 42 के तहत जुए में धोखाधड़ी करना अपराध है। इस मामले में कंजर्वेटिव पार्टी का कहना है कि जब तक पुलिस की जांच प्रक्रिया समाप्त नहीं हो जाती, तब तक इस पर टिप्पणी करना उचित नहीं होगा।

नेपाली संसद में बोले पीएम प्रचंड- भारत दौरे पर द्विपक्षीय संबंधों और सीमा के मुद्दों पर हुई चर्चा

काठमांडू, 21 जून (एजेंसियां)।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के शपथ ग्रहण समारोह में कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष शामिल हुए थे। इसमें पड़ोसी देश नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड ने भी शिरकत की थी। वहीं अपने भारत दौरे को लेकर देश की संसद को जानकारी देते हुए प्रधानमंत्री प्रचंड ने संसद को बताया कि, उनके भारत दौरे के दौरान भारत के साथ देश के द्विपक्षीय संबंध, पुराने समझौतों को लागू करने और सीमा से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा हुई है।

कृषि क्षेत्र में सहयोग पर गंभीर चर्चा हुई

प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड ने बताया कहा कि उनके दौरे के दौरान, पंचेश्वर बहुउद्देशीय परियोजना, अरुण जलविद्युत परियोजना के कार्यान्वयन और

कृषि क्षेत्र में सहयोग के बारे में गंभीर चर्चा हुई है। बता दें कि प्रधानमंत्री प्रचंड ने अपनी सरकार के हाल ही में 11 देशों के राजदूतों को वापस बुलाने के फैसले का भी बचाव किया, जिसमें भारत और अमेरिका में नेपाली कांग्रेस के कोटे के तहत नियुक्त उसके राजदूत भी शामिल हैं, जबकि तीन महीने पहले उन्होंने पार्टी से अपना गठबंधन समाप्त कर लिया था और पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से हाथ मिला लिया था। संवैधानिक प्रावधान के आधार पर बुलाए राजदूत वहीं सांसदों के सवालों का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री प्रचंड ने कहा कि संवैधानिक प्रावधान के अनुसार राजदूतों को वापस बुलाया गया था और सरकार देश के हित और कूटनीति को मजबूत करने के लिए निष्पक्ष आधार पर राजदूतों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने की नीति को अपनाने के बारे में गंभीर थी। दरअसल इस महीने की शुरुआत में, प्रधानमंत्री प्रचंड की भारत की आधिकारिक यात्रा से ठीक पहले, नेपाल सरकार ने भारत में नेपाली राजदूत शंकर शर्मा समेत 11 राजदूतों को वापस बुला लिया था। जिसकी विपक्ष और मीडिया ने जमकर आलोचना की थी। कार्यकाल पूरा होने से पहले बुलाए जा सकते हैं राजदूत इस फैसले पर प्रधानमंत्री प्रचंड ने कहा, सरकार राष्ट्र के सर्वोत्तम हित में राजनयिक मिशनों और दूतों को संगठित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, राजदूत नियुक्ति निर्देश, 2015 के अनुसार, अगर आवश्यक समझा जाए तो राजदूतों को उनके कार्यकाल पूरा होने से पहले भी वापस बुलाया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि केवल राजनीतिक कोटे के तहत राजदूत नियुक्त किए गए लोगों को ही गठबंधन में बदलाव के तुरंत बाद वापस बुलाया जाता है।

इन देशों से नेपाल ने वापस बुलाए अपने राजदूत

नेपाल सरकार ने दिन देशों से अपने राजदूत वापस बुलाए हैं। उनमें शंकर शर्मा (भारत), श्रीधर खत्री (अमेरिका), ज्ञान चंद्र आचार्य (यूनाइटेड किंगडम) और ज्योति पयाकुरल भंडारी (दक्षिण कोरिया) शामिल हैं। इन्हें नेपाली कांग्रेस को आवंटित कोटे में नियुक्त किया गया था, जब पार्टी अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा ने 2021 में सरकार का नेतृत्व किया था।

दो सिख चरमपंथियों को अदालत से झटका, अब भी नहीं भर सकेंगे हवाई यात्रा, जारी रहेगा नो-फ्लाई सूची में नाम

ओटावा। कनाडा की एक अदालत ने दो सिख चरमपंथियों द्वारा देश की नो-फ्लाई सूची से खुद को हटाने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है। 2018 में दोनों को इस लिस्ट में शामिल किया गया था। उसका कहना है कि इस बात का उचित आधार है कि वे आतंकवाद के अपराध को अंजाम देने के लिए परिवहन सुरक्षा या हवाई यात्रा को खतरा पैदा कर सकते हैं। अदालत ने फेरा मंसूबों पर पानी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, भगत सिंह बराड़ और पर्वकर सिंह दुलाई चाहते थे कि सिक्योर एयर ट्रैवल एक्ट के तहत उन्हें नो-फ्लाइंग लिस्ट से हटा दिया जाए और उन्हें हवाई यात्रा करने की अनुमति मिले। हालांकि कोर्ट ने उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया। अदालत ने कहा कि सरकार के पास इस बात को लेकर संदेह करने के लिए उचित आधार हैं कि दोनों किसी आतंकवादी घटना को अंजाम देने के लिए हवाई यात्रा करेंगे। आपको बता दें कि इस मामले में 13 और 17 जून को सुनवाई हुई। तीन जजों की पीठ ने 19 जून को अपना फैसला सुनाया। कौन है भगत सिंह भगत सिंह बराड़ लखबीर सिंह लोडे का बेटा है। वह इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन का प्रमुख भी है। इस संगठन को कनाडा में प्रतिबंधित किया गया है। चरमपंथी नेता जरनैल सिंह भिंडरावाले के भतीजे लखबीर सिंह लोडे की पिछले साल दिसंबर में पाकिस्तान में मौत हो गई थी। भिंडरावाले की मौत जून 1984 में तब हुई थी, जब भारतीय सेना ने ऑपरेशन ब्लूस्टार के दौरान अमृतसर के स्वर्ण मंदिर को चरमपंथियों की गिरफ्त से आजाद कराया था। भारत में हमले की योजना... बराड़ को 24 अप्रैल 2018 को वैंकूवर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फ्लाइट में चढ़ने से रोका गया था। दुलाई को भी उसी साल 17 मई को उसी हवाई अड्डे पर विमान में चढ़ने से मना कर दिया गया था।

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना भारत की यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचीं

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)।
बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना भारत की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर शुक्रवार शाम यहां पहुंचीं। श्रीमती हसीना की यह एक माह में नई दिल्ली की दूसरी यात्रा है। इस दौरान वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बातचीत करेंगी और दोनों देशों के बीच कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। वह कल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से भी मुलाकात करेंगी। प्रधानमंत्री शनिवार को द्विपक्षीय वार्ता के बाद उनके सम्मान में दोपहर का भोज देंगे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने डिजिटल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री का नई दिल्ली के इंदिरागांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनके आगमन पर स्वागत किया। भारत में बंगलादेश के उच्चायुक्त मोहम्मद मुस्तफिजुर रहमान भी प्रधानमंत्री हसीना का हवाई अड्डे पर स्वागत करने के लिए उपस्थित थे।

मंत्रालय ने कहा, बांग्लादेश भारत का एक प्रमुख साझेदार और भरोसेमंद पड़ोसी है। शेख हसीना की इस यात्रा से इस प्रतिष्ठित द्विपक्षीय साझेदारी को और बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में कई आमंत्रित गणमान्य विदेशी नेताओं के साथ श्रीमती हसीना भी गत नौ जून को दिल्ली आयी थीं। उस यात्रा में भी प्रधानमंत्री मोदी ने उनके साथ अलग से मुलाकात की थी। केंद्र में नयी सरकार के गठन के बाद यह किसी विदेशी शासनाध्यक्ष की भारत की पहली द्विपक्षीय यात्रा है। इस दौरान दोनों पक्ष व्यापार के संबंध में एक नए समझौते पर चर्चा करने के लिए तैयार बताए जा रहे हैं। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री का शनिवार को सुबह राष्ट्रपति भवन प्रांगण में औपचारिक स्वागत किया जाएगा। उसके बाद वह गांधी समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित करने राजघाट जाएंगी।

कल पूर्वाह्न 11.30 बजे प्रधानमंत्री श्री मोदी और श्रीमती हसीना की बैठक होगी। उसके बाद हैदराबाद हाउस में दोनों पक्षों के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता होगी, जिसके बाद समझौतों का आदान-प्रदान किए जाएंगे और दोनों नेता प्रेस वक्तव्य देंगे। श्रीमती हसीना के सम्मान श्री मोदी हैदराबाद हाउस में दोपहर भोज का आयोजन करेंगे। प्रधानमंत्री हसीना कल शाम को राष्ट्रपति मुर्मू और उपराष्ट्रपति धनखड़ से मुलाकात करेंगी। वह उसके बाद वापस ढाका के लिए प्रस्थान करेंगी।

मासूम बच्चे का योग-ध्यान, योग की जागरूकता का प्रमाण

बेंगलुरु, 21 जून (ब्यूरो)। आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर योग दिवस मनाया गया। स्वास्थ्य और शांति के लिए योग का महत्व पूरी दुनिया स्वीकार कर रही है। इसे लेकर भारत समेत पूरे विश्व में जागरूकता फैल रही है। इसी जागरूकता का जीवंत प्रमाण है, मासूम बच्चे का यह योग-ध्यान। दो-ढाई साल के बालक अयांश सिंह का योगाभ्यास देख कर बेंगलुरु के लोग अत्यंत प्रसन्न भी हुए और प्रभावित भी। लोगों ने कहा कि बच्चे का योगाभ्यास देख कर बहुत प्रेरणा मिली।

असम में बाढ़ से बिगड़े हालात

अब तक 36 लोगों की मौत 4 लाख से ज्यादा प्रभावित

गुवाहाटी, 21 जून (एजेंसियां)।
असम में बाढ़ की स्थिति शुक्रवार को भी गंभीर बनी है और प्रमुख नदियों में पानी खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है।

अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि बाढ़ से विभिन्न जिलों के चार लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। बृहस्पतिवार की शाम तक की खबरों के अनुसार, राज्य की कोपिली, बराक और कुशियारा जैसी कुछ प्रमुख नदियां खतरे के निशान से उपर बह रहीं हैं। अधिकारियों ने बताया कि 19 जिलों बालाजी, बक्सा, बारपेटा, बिस्वनाथ, कछार, दरांग, गोलपाड़ा, हैलाकांडी, होजाई, कामरूप, करीमगंज, कोकराझार, लखीमपुर, नागांव, नलबाड़ी, सोनितपुर, दक्षिण सलमारा, तामुलपुर और उदलगुरी में चार लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। राज्य में पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण बाढ़ आई है।

असम के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं और अगले कुछ दिनों में राज्य के कुछ स्थानों पर बादलों की गरज तथा बिजली की चमक के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान है। अधिकारी ने बताया कि करीमगंज में सबसे ज्यादा 2.5 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

इसके बाद बाढ़ प्रभावितों में दरांग और तामुलपुर का स्थान है। इस वर्ष बाढ़, भूस्खलन और तूफान से राज्य में जान गंवाने वालों की संख्या 36 तक पहुंच गई है। विभिन्न जगहों पर 100 से अधिक राहत शिविर लगाए गए हैं, जिनमें 14 हजार से अधिक प्रभावित लोगों ने शरण ली है। अधिकारियों ने बताया कि प्रभावित जिलों में बाढ़ के पानी से कई तटबंधों, सड़कों और पुलों को नुकसान पहुंचा है।

भारत ने दलाई लामा से जुड़े मामले में चीन की आपत्तियों को किया खारिज

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)।
भारत ने तिब्बत के निर्वासित धार्मिक नेता दलाई लामा से अमेरिकी कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात की अनुमति दिए जाने पर चीन की आपत्तियों को शुक्रवार को खारिज कर दिया लेकिन अमेरिकी प्रतिनिधियों के बयानों से खुद को अलग रखा।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां नियमित ब्रीफिंग में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के सांसदों के एक दल के दौरे के बारे में पूछे जाने पर कहा, सात सदस्यीय अमेरिकी कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने 16-20 जून 2024 तक भारत का दौरा किया। द्विदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के अध्यक्ष प्रतिनिधि माइकल मैककॉल ने किया। उन्होंने 18-19 जून को धर्मशाला का दौरा किया। प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात की और विदेश मंत्री एस जयशंकर और सीआईएम से बातचीत की।

दलाई लामा के बारे में भारत की नीति दोहराते हुए श्री जायसवाल ने कहा, परम पावन दलाई लामा पर भारत सरकार की स्थिति स्पष्ट और सुसंगत है। वह एक सम्मानित धार्मिक नेता हैं और भारत के लोग उनका गहरा सम्मान करते हैं। परम पावन को अपनी धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों के संचालन के लिए उचित शिष्टाचार और स्वतंत्रता दी गई है। अमेरिकी कांग्रेस में तिब्बत को लेकर नये कानून बनाये जाने और अमेरिकी प्रतिनिधियों के बयानों के बारे में उन्होंने कहा, जहां तक अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के बयानों का संबंध है, मैं आपको अमेरिकी पक्ष की ओर इशारा करूंगा। इस पर उन्हें ही जवाब देना है।

अधीर रंजन चौधरी ने छोड़ा बंगाल कांग्रेस का अध्यक्ष पद

कोलकाता, 21 जून (एजेंसियां)।
अधीर रंजन चौधरी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने की घोषणा की। शुक्रवार दोपहर कांग्रेस कमेटी की राज्य इकाई की बैठक के बाद चौधरी ने इस्तीफे की घोषणा की। यह बैठक हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनावों में पश्चिम बंगाल में पार्टी के खराब प्रदर्शन की समीक्षा के लिए बुलाई गई थी।

हालांकि, कांग्रेस नेतृत्व की ओर से इस बात की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है कि उनका इस्तीफा स्वीकार किया गया है या नहीं। चौधरी ने कहा, जब से मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं, तब से पार्टी का राज्य अध्यक्ष नहीं था। अब जब पूर्णकालिक अध्यक्ष की नियुक्ति होगी, तो आप सभी को पता चल जाएगा। उन्होंने इस्तीफे की घोषणा कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य और पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री पी चिदंबरम के राज्य सचिवालय नबन्ना में आने और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ बैठक करने के एक दिन बाद की। मुर्शिदाबाद जिले के बहरामपुर निर्वाचन क्षेत्र से पार्टी के पांच बार के लोकसभा सदस्य रहे चौधरी को इस बार तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार और भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सदस्य यूसुफ पठान ने हराया। तृणमूल के साथ कांग्रेस के संबंधों के मुद्दे पर चौधरी के पार्टी आलाकमान के साथ मतभेद काफी समय से सामने आ रहे थे। तृणमूल कांग्रेस के कट्टर विरोधी रुख के लिए जाने जाने वाले चौधरी हमेशा सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले वाम मोर्चे के साथ चुनावी समझौते पर अपने विचारों के बारे में मुखर रहे हैं। दरअसल, खड़गे के साथ उनके मतभेद भी लोकसभा चुनावों के बीच में सामने आए थे। उनके इस्तीफे की घोषणा के बाद, उनके उत्तराधिकारी को लेकर अटकलें शुरू हो गई हैं। राज्य कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि मालदा दक्षिण से पार्टी के एकमात्र लोकसभा सदस्य ईशा खान चौधरी पार्टी के राज्य इकाई के अध्यक्ष पद की दौड़ में सबसे आगे हैं।

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय के नेतृत्व में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

चंडीगढ़, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
प्राचीन भारतीय परंपरा का एक अमूल्य उपहार, योग शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के सबसे भरोसेमंद साधनों में से एक के रूप में उभरा है। योग शब्द संस्कृत मूल युज से लिया गया है जिसका अर्थ है जोड़ना या एकजुट होना, जो मन और शरीर की एकता का प्रतीक है, विचार और क्रिया, संयम और पूर्ति, मानव और प्रकृति के बीच सामंजस्य, स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक समग्र दृष्टिकोण।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2014 में किए आह्वान और अथक प्रयासों के कारण, 21 जून को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया गया। तब से ही हर वर्ष भारत समेत पुरे विश्व में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। उसी कड़ी में हरियाणा राजभवन में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस अवसर राज्यपाल के साथ हरियाणा राजभवन के अधिकारियों व कर्मचारियों ने योग क्रियाएं कर इस दिवस को यादगार बनाया।

योग दिवस के अवस पर राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने बताया कि योग और अध्यात्म का महत्व हमारे ग्रंथों में बताया गया है। जैसे इस शलोक के माध्यम से योग के महत्व को बताया गया है।

धैर्यं यस्य पिता क्षमा च जननी शान्तिश्चिरं गेहिनी

सत्यं सूनुरयं दया च भगिनी भ्राता मनः संयमः।

शय्या भूमितलं दिशोपि वसनं ज्ञानामृतं भोजनं

एते यस्य कुटिम्बिनः वद सखे कस्माद् भयं योगिनः।।

इस श्लोक का अर्थ है, नियमित रूप से योग का अभ्यास करने से व्यक्ति कुछ बहुत अच्छे गुणों को अपना सकता है, जैसे साहस जो पिता की तरह रक्षा करता है, क्षमा जो एक मां के पास होती है और मानसिक शांति जो एक स्थायी दोस्त बन जाती है। योग के नियमित अभ्यास से सत्य हमारा बच्चा, दया हमारी बहन, आत्म-नियंत्रण हमारे भाई, पृथ्वी हमारा बिस्तर बन जाती है और ज्ञान हमारी भूख को शांत करता है।

उन्होंने बताया कि योग को धार्मिक रंग नही देना चाहिए। योग धर्म, जाति से ऊपर है। यह हमारे स्वास्थ्य से जुड़ा है, यह जीवन में बहुत ही महत्व वाली चीज है। स्कूलों, कालेजों में भी नियमित योग का अभ्यास करवाना चाहिए। योग मन और शरीर दोनों को स्वस्थ रखता है। समाज के प्रत्येक वर्ग को इसे अपनाना चाहिए। आज पूरा विश्व योग को अपना चुका है। राज्यपाल ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों से आह्वान किया कि हमें अपने जीवन में योग को दैनिक क्रिया के रूम में शामिल करना चाहिए। इसका प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लाभ हमें जीवन में अवश्य मिलता है। उन्होंने कहा कि आज आधुनिक युग में हम सुख सुविधाओं के पीछे भागते-दौड़ते रहते है, लेकिन इस इस भागदौड़ भरी जिंदगी में भी हमें पहला सुख निरोगी काया की युक्ति को नहीं भूलना चाहिए। हमारा शरीर स्वस्थ होगा तभी हम अन्य भौतिक चीजों का सुख ले पाऐंगे। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव अतुल द्विवेदी, एडीसी मोहन कृष्णा पी, डीएसपी सुरक्षा विकास रंगा समेत तमाम कर्मचारी योग कार्यक्रम में मौजूद रहे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन कारोबार के हिसाब से बहतर हैं लाभ होगा रुकावटें दूर होंगी। आप को अपने तरीकें से ही काम करना चाहिए किसी के दिखावे मे नही आना चाहिए। छात्रों के लिए महनत का समय हैं परिणाम सकारात्मक रहेंगे अनजाने व्यक्ति से निवेश मे सलाहमशवरा करना आपके लिए आर्थिक रूप से समस्या खड़ी कर सकता है। सेवक से बहसबाजी न करें आपकी छवि धूमिल हो सकती है। सूर्य को कनेर के पुष्प से अर्घ्य दें, आय बढेगी शरीर स्वस्थ रहेगा आनंद की अनुभूति होगी।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज कार्यालय मे संयम से व्यवहार करना होगा। सरकारी कागजात को सावधानी से पढकर ही काम करना चाहिए। आज नये स्टाफ को जोखिम देने से हानि होगी। मित्रों का व्यवहार आपको पसंद नहीं आएगा आप टेंशन मे आ जाएंगे। पुराने कर्मचारियों से आप खुश होंगे। किसी भी कार्य को अन्तिम रुप देने से पहले बुजुर्गों का आशीर्वाद लेना चाहिए। अपने खराव प्रदर्शन के लिए किसी दूसरे पर आरोप मत डाले घर–परिवार को भी प्रसन्न रखें माता–पिता का आशीर्वाद मिलेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज कन्स्ट्रक्शन के कारोबार मे निवेश करें लाभदायक रहेगा। कोई नया काम शुरू कर सकते हैं, सफलता प्राप्त होगी। सामाजिक लाभ भी ठीक–ठाक रहेगा। दोस्तों के साथ घूमने का प्लान बनेगा समय बहुत मौज मस्ती मे जायेगा। एक ही लक्ष्य लेकर कार्य करने से बेहतर परिणाम मिलेंगे। कुछ घरेलू मामलों को सुलझाया जा सकता है। किसी भी तरह के नकारात्मक विचार आने से पहले ही कार्य को अन्तिम रुप देदें

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज समय का साथ मिलेगा आप सौभाग्यशाली रहेंगे। भविष्य के संबंध में कोई निर्णय लेना उचित होगा। आप का अथक परिश्रम आप को सफलता की सिढी पर ले जाएगा इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए हर्षोल्लास का समय हैं छात्र पुरस्कृत होंगे। अपने से छोटो को पहले मौका देना आप की पद और प्रतिष्ठा मे बढोत्तरी करेगा। आप को अर्थ का लाभ होगा। मंदिर मे देवमूर्ति को साष्टांग दण्डवत प्रणाम करना चाहिए और लालपुष्प की माला मूर्ति पर अर्पण करेंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज के दिन की शुरुआत धरती को छूकर प्रणाम करके करें। अपने काम की अहमियत को समझना होगा और मजबूती से कदम आगे बढाना होगा। आज सबसे पहले रुके हुए काम पूरे करना चाहिए, जो काफी महत्वपूर्ण है और आप को सरकारी दण्ड से भी बचाएगा। अगर कोई बात उलझ गई हो तो, निःसंकोच बातचीत से ही उसे ठीक करें, तो यह सही होगा। आप को अपना काम बहुत ही समझदारी से करना चाहिए। अपने माता–पिता से किसी को भी बात को गुप्त नही रखना हैं। आप एक अच्छे मित्र के रूप में प्रदर्शित होंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज सबसे पहले अपने घर की जरुरतों को पूरा करें तत्पश्चात अपने व्यवसाय मे निवेश करें वर्तमान सुखमय बितेगा भविष्य के लिए चिंता मुक्त होंगे। विरोधियों से सावधान रहना होगा आप के होते हुए काम बिगाड़ेंगे। आने वाला समय आप का होगा आप को मित्रों का पूरा समर्थक रहेगा। शिक्षा क्षेत्र मे बाधा आ सकती है। आप एक्सपर्ट के साथ संवाद कर सकते हैं। अपने लक्ष्य को सुनिश्चित करें आप के पूर्व का निवेश भविष्य को फायदा देगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज सद्ग्रन्थों का अनुसरण करें दिनचर्या मे बदलाव की जरुरत हैं। कारोबार के हिसाब से समय सकारात्मक हैं अपने स्टाफ पर भरोसा रखना होगा आप को बेफिक्री रहेगी। कामर्स के छात्रों को विशेष सफलता मिलेगी महनत का सही परिणाम आएगा। बिगडे हुए काम आने वाले समय मे बनेंगे बस आप को निरंतर प्रयास करते रहना होगा ऑफिस पर ओवर टाइम होगा। किसी से हाथ पैसा लेना पडेगा परन्तु जल्दी ही आप चुका भी देंगे।
कबूतर को दाना डालें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन आप के लिए सौभाग्यशाली है। आज नया कारोबार चालू करने सही समय हैं। कुछ पुराने कामों मे दिक्कतें जरूर आ सकती हैं उस को अच्छी तरह से समझकर सुलझा लें। आज शिक्षकों को छात्रों पर महनत करनी पडेगी तभी परिणाम अच्छे आंएगे। अपने निवेश का लेखाजोखा आप को ही रखना होगा नये और अपरिचित स्टाफ पर पूरा भरोसा करना नुकसानदेह साबित होगा। आप किसी भी तरह की यात्रा का योग बन रहा हैं गुड का सेवन करके प्रस्थान करें। मित्रो के साथ लम्बी बातचीत हो सकती हैं। आज नंदी महाराज को गुड खिलाए रोगमुक्त रहेंगें।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप बैंकिंग मे कार्यरत है तो आप का पदोन्नति के साथ ट्रासफर हो सकता हैं आप के बैलेंस शिट में सुधार होगा मुनाफे के साथ स्थाई धन बढेगा। धार्मिक माहौल का आनंद मिलेगा बच्चों के स्वभाव मे अच्छे संस्कार का बदलाव देखने को मिलेगा। आज सामाजिक काम व्यस्तता रहेगी आप अपनी चतुराई से घरेलू समस्याओं को हल निकालने मे सक्षम होंगे। कुछ जातक नौकरीपेशे मे ही अपनी जीविका तलाशेंगे और रिस्क लेने से दूर ही रहेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

कपडे का व्यवसाय करने वालो के लिए समय मध्यम हैं न लाभ होगा और न हानि बनेगी। नौकरीपेशे से जुडे हुए हैं तो आप को संयम रखने की बहुत जरूरत हैं आप के भाई और बहन के रिश्तों मे कुछ अनबन हो सकती हैं परन्तु आप को अपने पर नियंत्रण रखना पडेगा और रिश्तों को सुधारते हुए साथ चलना होगा आज स्वास्थ्य दिक्कतें आ सकती हैं कमर के भाग मे कुछ तकलीफ़े बन सकती हैं डीनर के बाद कुछ कदम चलें हाजमा मजबूत होगा और तंदरुस्ती बरकरार रहेगी।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप लिखने का शौक रखते हैं तो आप को नये आफर मिल सकते हैं आप कोई कम्पनी के साथ अनुबंध भी कर सकते हैं आप की प्रतिष्ठा भी बढेगी। परिवार में बनी सुख शान्ति आप को बरकरार रखनी होगी। आप को सबका साथ लेकर चलना होगा। आप के बच्चे परीक्षा मे अच्छे परिणाम लाएंगे आप को गर्व का एहसास होगा। कर्ज लेने से पहले अपनी आय का स्त्रोत भलीभांति देखले और समझले। रोज गाय और कुत्ते को रोटी खिलाए आमदनी का जरीया बढेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज का दिन सफल बनाना है तो गाय को गेहूँ का भूसा खिलाए। छोटी कन्या के चरण छूकर आशीर्वाद ले और कुछ उपचार दें आप कर्ज मुक्त होंगे। घर की साफ सफाई मे दिन गुजरेगा। लैव मैरेज के पूरे चांस बन रहे हैं अपने मन की बात घर वालो को बताने मे आप घबराएंगे नही आत्मविश्वास पूरा जोरों पर हैं। व्यापार मे भी समय साथ रहेगा आप निडर होकर निर्णय लेंगे। रिश्तेदारी मे कोई दावत का निमंत्रण मिलेगा आप पूरे परिवार के साथ शिरकत करेंगे पूरा लुत्फ लेंगे।

शनिवार का पंचांग

विक्रम संवत : 2081
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : पूर्णिमा प्रातः 06:39 तक
नक्षत्र : मूल सायं 05:54 तक
योग : शुक्ल सायं 04:44 तक
करण : बव प्रातः 06:69 तक
चन्द्रराशि : धनु
सूर्योदय : 05:43 , सूर्यास्त 06:53 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:48 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:46 , सूर्यास्त 06:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:36 , सूर्यास्त 06:42 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उड़द खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : ज्येष्ठ पूर्णिमा पुण्य , गण्डमूल सायं 05:54 तक , आषाढ़ मास आरंभ

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

बिजली कटौती से हिरणमगरी के वाशिंदों का भड़का गुस्सा

उदयपुर,21 जून (एजेंसियां)। उदयपुर यानी लेकसिटी के उपनगरीय क्षेत्र हिरणमगरी के सेक्टर्स के वाशिंदों ने भीषण गर्मी में आए दिन बिजली की अघोषित कटौती करने से तंग आ गए। ऐसे में गुरुवार–शुक्रवार की दरम्यानी रात दो बजे अजमेर विद्युत वितरण निगम की जीप को आग लगाकर फूंक दी।

अघोषित बिजली कटौती का सिलसिला हिरणमगरी के डोरे नगर, सेक्टर तीन, चार, पांच और छह में डेढ़ महीने से चल रहा है। दो सप्ताह पहले 45 डिग्री से अधिक तापमान हो जाने पर भी बिजली विभाग ने अघोषित कटौती जारी रखी। इस क्षेत्र के पूर्व पार्षद लवदेव बागड़ी का कहना है कि हिरणमगरी वासियों में बिजली विभाग के प्रति नाराजगी इस बात की है कि दिन भर के थके हारे लोग जब रात को सोने लगते हैं, तभी बिजली बंद हो जाती है।

विद्युत निगम की जीप में लगाई आग

एक बार बिजली गुल हो जाती है तो रात में वापस बहाल नहीं की जाती। क्षेत्र के एक लाख नागरिकों को पूरी रात बगैर बिजली बिताना पड़ रहा है। क्षेत्र के वर्तमान पार्षद हेमंत बोहरा का कहना है कि बिजली विभाग दोहरी मार लगा रहा है। दिन में लाइन मेंटेनेन्स के नाम पर घोषित बिजली कटौती और रात में अघोषित बिजली कटिंग की जा रही है। बोहरा ने बताया कि हिरणमगरी सेक्टर के नागरिक जेईएन, एईएन, अधिशाषी अभियंता और अधीक्षण अभियंता से बिजली की अघोषित कटौती बंद करने की मांग कर चुके हैं।

गुरुवार–शुक्रवार की रात करीब 12 बजे बिजली गुल हो गई। करीब दो घंटे लोगों ने सब्र किया। रात दो बजे तक बिजली बहाल न होने पर युवाओं की टोली ने फोन, मैसेज़, व्हाट्सएप के जरिए अजमेर विद्युत वितरण निगम के सब डिवीजन कार्यालय आक्रोश जताने गए। वहां कोई जिम्मेदार कर्मचारी दिखाई न देने पर कार्यालय परिसर में खड़ी बिजली निगम की जीप को आग लगा दी। आग लगने की सूचना मिलने पर हिरणमगरी पुलिस ने मौके पर भीड़ को तितर–बितर कर आग बुझाने के लिए दमकल बुलाई गई।

रेत से बनाई योग करते पीएम मोदी की प्रतिमा

सैंड आर्टिस्ट ने डेढ़ सौ टन बालू-मिट्टी से 5 दिन में की तैयार

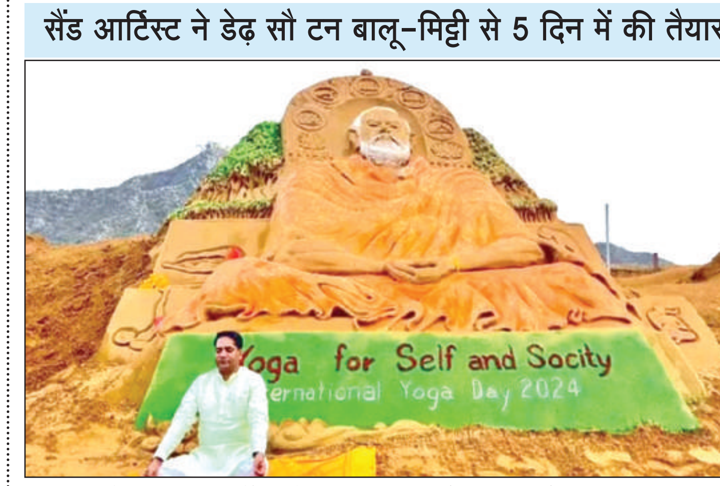

अजमेर,21 जून (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी सैंड आर्ट कला का लोहा मनवा चुके सैंड आर्टिस्ट अजय रावत ने पुष्कर स्थित रेतीले धोरों के बीच नेशनल स्टैंडर्ड पार्क में 21 फुट लंबी और 25 फुट चौड़ी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पद्मासन में बैठे सैंड आर्ट प्रतिमा बनाई। इस दौरान पुष्कर विधायक और कैबिनेट मंत्री सुरेश रावत और पालिका अध्यक्ष कमल पाठक मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। सैंड आर्टिस्ट अजय रावत ने बताया कि प्रतिमा को बनाने में उन्हें पांच दिन लगे।

पुष्कर के निकटवर्ती ग्राम गनाहेड़ा में जन्मे सैंड आर्टिस्ट अजय रावत ने बताया कि आज पूरा विश्व स्वस्थ जीवन शैली के संबंध में भारत की ओर देख रहा है। इसी को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने का संदेश दिया। योग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलवाने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बहुत बड़ी भूमिका रही है। इस वर्ष की थीम योगा फॉर सेल्स एंड सोसाइटी थीम रखी गई है। योग स्वास्थ्य के लिए एक मात्र सक्षम साधन है।

पांच दिन लगे

सैंड आर्टिस्ट अजय ने बताया कि उन्हें इस आर्ट को बनाने में पांच दिन लगे। सैंड आर्ट बनाने में 12 डंपर के जरिए करीब डेढ़ सौ टन बालू मिट्टी के महीन कणों से मूर्ति को आकार दिया।

योग से मनुष्य निरोगी रह सकता है

सैंड आर्ट पार्क पहुंचे कैबिनेट मंत्री सुरेश रावत ने कहा कि योग ही एकमात्र ऐसा साधन है, जिससे मनुष्य निरोगी रह सकता है। ऐसा कहा जाता है कि पहला सुख निरोगी काया इसलिए सभी को प्रतिदिन योग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस सैंड आर्ट प्रतिमा के जरिए आमजन को योग करने की प्रेरणा मिलेगी। कैबिनेट मंत्री रावत ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आमजन योग के कार्यक्रमों में बढ़–चढ़कर भाग लें। इस दौरान उनके साथ पालिका अध्यक्ष कमल पाठक भी मौजूद रहे।

सड़क किनारे मिला 25 साल की युवती का शव

यमुनानगर,21 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के यमुनानगर में खंड बिलासपुर के गांव भिवानीपुर जाने वाली सड़क के समीप 25 वर्षीय युवती का शव खून से लथपथ बरामद हुआ। युवती के सिर पर चोट के निशान तथा चुन्नी से गला घोंटा हुआ था। सूचना मिलने के बाद थाना बिलासपुर पुलिस व सीन ऑफ क्राइम की टीम मौके पर पहुंची और तथ्य जुटाए। युवती की पहचान के लिए पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया। शिनाख्त के लिए पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम हाउस में रखवा दिया है।

दरअसल, कपाल मोचन से गांव भिवानीपुर जाने वाली सड़क के बाएं तरफ खेत गांव मिल्क जलाल बस्सी के हैं बस्सी ने अपने खेत गांव भिवानीपुर के रामचंद्र को ठेके पर दिए हुए है। दोपहर को रामचंद्र खेतों में काम करने के लिए आया था, जब वह सड़क से खेतों की ओर कुछ दूरी पर चला तभी उसकी नजर एक युवती के पड़े शव पर गई। उसने पास जाकर देखा तो युवती के नाक, मुंह होठों पर चोट के निशान तथा कपड़ों पर खून लगा हुआ था।

इधर लोग योग कर रहे, उधर कार्यकर्ता ने व्हाट्सएप ग्रुप में शेयर कर दी अश्लील फिल्में, महिलाएं नाराज

उदयपुर,21 जून (एजेंसियां)। उदयपुर जिले में आज यानी योग दिवस के दिन शुक्रवार सुबह जब अनगिनत लोग योग, प्राणायाम, मेडिटेशन की विधाएं सीख रहे थे। उसी दौरान किसी समाजकंटक ने भारतीय जनता पार्टी मावली मंडल कार्यकर्ता व्हाट्सएप ग्रुप में लड़कियों के नग्न चित्र डालकर सनसनी फैला दी।

स्वीट बेबी नाम से पोर्न फिल्मों की कटिंग्स पोस्ट की गई, जिसमें युवतियों को निर्वस्त्र अवस्था में पेश किया गया। इन नजारों को देखकर भाजपा की महिला कार्यकर्ताएं आपे से बाहर हो गईं। उन्होंने तत्काल ग्रुप एडमिन को फोन कर आपत्तिजनक चित्रों को हटाने और नग्न फोटो ग्रुप में डाउनलोड करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने को कहा।

देबारी निवासी शकुंतला व्यास व बिछड़ी निवासी रागिनी रंजन काबरा ने भाजपा देहात जिलाध्यक्ष चंद्रगुप्त सिंह चौहान और देहात जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष ऋतु अग्रवाल को फोन कर आपत्ति जताई कि एडमिन को कहने के एक घंटे बाद भी अश्लील फ़ोटो डालने वाले के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। एक घंटे बाद भी नग्न चित्र भाजपा ग्रुप से नहीं हटे। भाजपा देहात महासचिव वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने भी इस प्रकार की गैर सामाजिक गतिविधि पर अफसोस जताया।

सोलंकी ने कहा कि ऐसे समाजकंटक के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। मिली जानकारी अनुसार, मावली भाजपा ग्रुप में 38 महिलाएं भी मेंबर हैं। विधायक, सांसद भी इस ग्रुप के मेम्बर्स हैं। आम नागरिकों का मानना है कि भाजपा की बदनामी से बचने के लिए पार्टी के नेता मामले को रफा दफा करने का प्रयास कर रहे हैं।

भजनलाल सरकार की प्री–बजट मीटिंग में नहीं आए किरोड़ीलाल मीणा

वित्त मंत्री दीया भी दिल्ली पहुंचीं

जयपुर,21 जून (एजेंसियां)। कृषि से जुड़े सुझावों को बजट में शामिल करने के लिए शुक्रवार को सीएमओ में प्री–बजट मीटिंग बुलाई गई। कृषि मंत्री के तौर पर किरोड़ीलाल मीणा को इस बैठक में बुलाया गया था। लेकिन किरोड़ीलाल शुक्रवार को सवाई माधोपुर में जिला परिषद की बैठक लेने पहुंच गए। बजट बैठक शुरू होने से कुछ देर पहले ही किरोड़ीलाल मीणा ने व्हाट्सएप पर इस बैठक की तस्वीर साझा कर दी।

किरोड़ीलाल के बजट बैठक में शामिल नहीं होने को लेकर कई सवाल उठने लगे हैं। जानकारी के मुताबिक, किरोड़ीलाल चार जून को ही सीएम भजनलाल शर्मा से मिलकर अपना इस्तीफा दे चुके हैं। लेकिन अब तक इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है।

इधर, प्रदेश की डिप्टी सीएम व वित्त मंत्री दीया कुमारी भी बजट बैठक में शामिल नहीं हुई। जानकारी के अनुसार, दीया कुमारी दिल्ली में हैं और वे सोमवार को जयपुर लौटेंगी

अल्पमत में सरकार नहीं कांग्रेस है : सीएम सैनी

भिवानी,21 जून (एजेंसियां)। भिवानी में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अल्पमत में हरियाणा सरकार नहीं, कांग्रेस है। साथ ही उन्होंने सरकार अल्पमत में होने के कांग्रेस के दावे को भ्रामक बताया और दावा किया कि मोदी के नेतृत्व में भाजपा हरियाणा में तीसरी बार सरकार बनाएगी। वे भिवानी में शुक्रवार को मीडिया से रूबरू हुए।

इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भिवानी में ई–क्षतिपूर्ति पोर्टल व दयालु योजना के लाभार्थियों को सहायता राशि वितरित करते हुए कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उनके साथ वित्त मंत्री जेपी दलाल, सांसद चौधरी धर्मबीर, राज्य मंत्री बिशंभर बाल्मीक और किरण चौधरी साथ में मंच पर मौजूद रही। इस दौरान सीएम नायब सैनी ने ई–क्षतिपूर्ति पोर्टल व दयालु योजना के कुछ पात्र लोगों को राशि भेंट कर बाकी हजारों लोगों के खाते में बटन दबा कर राशि डाली।

अपने विधायकों की परेड करवाते

भिवानी में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कार्यक्रम की खास बात यह रही कि कांग्रेस को छोड़कर भाजपा में आई किरण चौधरी ने पहली दफा मुख्यमंत्री के साथ मंच सांझा किया। किरण जब मंच पर आई तो चौ. धर्मबीर सिंह सीएम के बराबर में बैठै थे। चौ. धर्मबीर सिंह ने किरण के लिए अपनी कुर्सी छोड़ी और अपनी जगह उन्हें सीएम के बराबर में बैठा दिया। इसके बाद वे अगली कुर्सी पर खुद बैठ गए। कुर्सी सांझा करने के बाद किरण और चौ. धर्मबीर की कुछ क्षण बात भी हुई। बतां दे कि चौ. धर्मबीर सिंह बंसीलाल परिवार के राजनीतिक धुरविरोधी माने जाते रहे हैं।

लेकिन अब एक पार्टी में आने के बाद माहौल बदला–बदला नजर आया। इससे पहले हवाई पट्टी पर भी पूर्व कैबिनेट मंत्री किरण अपनी बेटी पूर्व सांसद श्रुति चौधरी के साथ सीएम नायब सैनी का स्वागत करने पहुंची थी।

पेपर लीक मामले में पूरी तरह फेल हुई सरकार : भूपेंद्र हुड्डा

सोनीपत,21 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के सोनीपत में पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि पेपर लीक मामले में सरकार पूरी तरह फेल साबित हो चुकी है। सरकार युवाओं के साथ धोखा कर रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के परिणामों ने स्पष्ट कर दिया है कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बन रही है। वहीं उन्होंने कहा कि हॉर्स ट्रेडिंग न हो सके इसके चलते उन्होंने विधानसभा में फ्लोर टेस्ट नहीं कराया। वह सोनीपत सेक्टर–15 में कार्यकर्ता सम्मेलन के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकसभा की पांच सीट पर बड़ी जीत मिली है। अब हम जल्द होने वाले विधानसभा चुनाव में जीतकर सरकार बनाने जा रहे हैं।

युवाओं के साथ हो रहा धोखा

उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को विधानसभा चुनावों को लेकर जनता के बीच में रहने के लिए कहा गया है। लोकसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन किया है। सरकार की तरफ से लिए गए सभी पेपर लगातार लीक हो रहे हैं। इस मामले में सरकार फेल हो चुकी है। युवाओं के साथ बड़ा धोखा किया जा रहा है। जिससे युवा पूरी तरह से सरकार से नाराज है।

उन्होंने कहा कि विधानसभा में फ्लोर टेस्ट नहीं करवा रहे। इसके पीछे कारण है कि वहां हॉर्स ट्रेडिंग हो सकती है। यह किसी भी प्रदेश के लिए ठीक नहीं है। साथ ही हमने राज्यसभा में उम्मीदवार इसलिए नहीं उतार रहे कि हमारे पास 16 का आंकड़ा कम है।

किरण चौधरी और श्रुति चौधरी के पार्टी छोड़ने पर बोलते हुए कहा कि कांग्रेस मजबूत पार्टी है, यहां किसी के जाने से कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। हमारे साथ विधायक, पूर्व विधायक व कई बड़े नेता जुड़े हैं। वहीं प्रदेशाध्यक्ष उदयभान सिंह ने कहा कि प्रदेश और देश में भाजपा ने विकास के नाम पर भ्रष्टाचार के अलावा कुछ नहीं किया। विकास कार्यों के नाम पर बस भ्रष्टचार ही हुए है। वहीं उन्होंने जिला अध्यक्षों की नियुक्ति पर बोलते हुए कहा कि हमारा संगठन अभी अच्छा चल रहा है, इस पर भी जल्द ही विचार किया जाएगा।

सरेबाजार व्यक्ति पर जानलेवा हमला

नागौर,21 जून (एजेंसियां)। नागौर शहर के बाजारवाड़ा में गुरुवार शाम को एक व्यक्ति पर कुछ बदमाशों ने लाठी और सारियों से जानलेवा हमला कर दिया। बदमाश व्यक्ति के बेहोश होने तक उसके ऊपर लाठी–डंडे चलाते रहे। उसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पीड़ित व्यक्ति नागौर शहर के शारदा पुरम का रहने वाला नवीन सोनी है। ये सार घटनाक्रम पास ही लगे कैमरे में रिकार्ड हो गया।

वीडियो के अनुसार बाजार के रास्ते पर एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर नवीन और उसका साथी जा रहे थे। इस दौरान बदमाशों ने दोनों को ही मोटरसाइकिल से नीचे गिरा दिया। बदमाशों ने नवीन को लाठी और सरियों से पीटना शुरू कर दिया।

11 से 13 दिन पहले आएंगे सभी पर्व

23 जून से 5 जुलाई तक वर्जित रहेंगे सभी मांगलिक कार्य

13 दिन का ही होगा आषाढ़ कृष्ण पक्ष

विक्रम संवत 2081 में आषाढ़ कृष्ण पक्ष 13 दिनों का होगा। सामान्य रूप से प्रत्येक माह में दो पक्ष होते हैं। प्रत्येक पक्ष में 15 अथवा 14 तिथियों का मान रहता है, परंतु कभी देव योगवश तिथि गणित क्रिया द्वारा दो तिथियों का क्षय वश 13 रह जाती है। ऐसा इस वर्ष सूर्य और चंद्र की गति के कारण संयोग बन रहा है। इसी तरह जून के आखिरी सप्ताह में तिथियों के क्षय होने से आषाढ़ कृष्ण पक्ष 15 की बजाय 13 ही दिन का रहेगा। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि 23 जून से 5 जुलाई के बीच दो तिथियां क्षय होने से यह स्थिति बनेगी। दरअसल आषाढ़ कृष्ण प्रतिपदा और आषाढ़ कृष्ण चतुर्दशी तिथि का क्षय होगा। जब-जब ऐसा संयोग आता है देश-दुनिया में आपदा या अप्रत्याशित घटनाओं के होने की आशंका रहती है। लगभग 31 साल पहले वर्ष 1993 में भी आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष में भी ऐसी स्थिति बनी थी। तब 13 दिन का शुक्ल पक्ष था। सैंकड़ों वर्षों बाद 2024 का आने वाला आषाढ़ मास का कृष्ण पक्ष देश और दुनिया के लिए संकट का कारण बनने वाला है। 23 जून से 21 जुलाई तक आषाढ़ मास के दौरान कृष्ण पक्ष में द्वितीया तिथि और चतुर्थी तिथि के क्षय होने से यह पक्ष 13 दिनों की होगी और यह काल दुर्योग काल के रूप में होगा। यह संयोग शुभ नहीं माना जाता है। लिहाजा दुर्योग काल के 13 दिनों तक शुभ काम या कोई भी मांगलिक काम नहीं करना चाहिए।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि इस बार पर्व त्योहारों की तिथियों में कई बदलाव देखने को मिलेंगे। इसके चलते देवशयनी एकादशी 17 जुलाई से चातुर्मास की शुरुआत होगी और समापन 12 नवंबर को देवउठनी एकादशी के दिन होगा। इस बार चातुर्मास पूरे 118 दिनों तक रहेंगे। पिछले साल चातुर्मास 148 दिनों के थे। पिछले साल अधिकमास होने से दो श्रावण मास भी आए थे। इस कारण चातुर्मास चार माह की बजाय पांच माह तक चले थे। चातुर्मास के बाद आने वाले त्योहार भी पिछले साल के मुकाबले इस बार 11 से 12 दिन पहले आएंगे। ये दुर्लभ संयोग करीब 31 साल बाद देखने को मिल रहे हैं।

भारतीय पंचांग में हर पक्ष 15 दिन का होता है। लेकिन आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष में 15 के बजाय 13 दिन ही रहेंगे। इसे भारतीय शास्त्रों में विश्व घस्र पक्ष नाम दिया गया है। इन 13 दिनों को अशुभ माना जाता है। इस बार यह पक्ष 23 जून से शुरू होकर 5 जुलाई तक रहेगा। इस दौरान सभी तरह के मांगलिक कार्य वर्जित रहेंगे। हालांकि, बहुत जरूरी होने पर शुभ दिन और तिथि देखकर काम किया जा सकता है। द्वापर युग के महाभारत काल का संयोग एक बार फिर बन रहा है। इसके कारण आषाढ़ कृष्ण पक्ष सिर्फ 13 दिन का होगा। महाभारत के पहले 13 दिन का पक्ष निर्मित हुआ था। ज्योतिष शास्त्र में इसे दुर्योग काल माना जा रहा है। महाभारत काल का संयोग बनने के कारण प्रजा को नुकसान, रोग संक्रमण, महंगाई, प्राकृतिक आपदा, लड़ाई झगड़ा, विवाद बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

दैव योगवश

सामान्य रूप से प्रत्येक मास में दो पक्ष होते हैं। प्रत्येक पक्ष में 15 तिथियों का मान रहता है परंतु कभी दैव योगवश तिथि गणित क्रिया द्वारा तिथि क्षय वश तेरह रह जाती है। इस वर्ष ग्रह सूर्य और चंद्र की गति के कारण 13 दिन के पखवाड़े का संयोग बन रहा है। वेदों में लिखा है कि अनेक युग सहस्त्रयां दैवयोत्प्रजायते। त्रयोदश दिने पक्ष स्तदा संहरते जगत. इसका अर्थ है देव योग से कई एक युगों में तेरह दिन का पक्ष आता है। इस संयोग में प्रजा को नुकसान, रोग, मंहगाई व प्राकृतिक प्रकोप, झगड़ों का सामना करना पड़ सकता है।

11 से 13 दिन पहले आएंगे सभी पर्व

इस बार कृष्ण जन्माष्टमी 26 अगस्त को मनाई जाएगी जो पिछले साल सात सितंबर को थी। हरतालिका तीज व्रत 6 सितंबर को होगा जो पिछले साल 18 सितंबर को था। यानी 12 दिन पहले इस बार तीज मनाई जाएगी। इसी प्रकार सभी त्योहारों में 10 से 12 दिन पहले आने का अंतर रहेगा। जल-झूलनी एकादशी 14 सितंबर को मनाई जाएगी, जो पिछले साल 25 सितंबर को थी। अनंत चतुर्दशी 17 सितंबर को मनाई जाएगी, जो पिछले साल 28 सितंबर को थी। पितृ पक्ष की शुरुआत 18 सितंबर से होगी, पिछले साल 30 सितंबर से हुई थी। नवरात्र तीन अक्टूबर और दशहरा 12 अक्टूबर को मनाया जाएगा। दिवाली पिछले साल 12 नवंबर को आई थी। इस बार जल्दी आएगी।

नहीं होंगे मांगलिक कार्य, संपूर्ण विश्व के लिए हानिकारक

पक्षस्य मध्ये द्वितिथि पतेतां यदा भवेद्रौरव काल योगः। पक्षे विनष्टं सकलं विनष्ट मित्याहुराचार्यवराः समस्ताः।

एकपक्षे यदा यान्ति तिथियश्च त्रयोदश। त्रयस्तत्र क्षयं यान्ति वाजिनो मनुजा गजः।।

त्रयोदश दिने पक्षे तदा संहरेत जगत्। अपि वर्षे सहस्रेण कालयोग प्रकीर्तितः।।

द्वितियामारभ्य चतुर्दश्यन्तं तिथिद्वये ह्रासे। त्रयोदश दिनात्मकः पक्षोऽति दोषोवतो भवति।।

आषाढ़ कृष्ण पक्ष 13 दिन का है यह 13 दिन का पक्ष होने से पृथ्वी पर जनहानि युद्ध की संभावना होती है जिस वर्ष 13 दिन का पक्ष होता है वह वर्ष संपूर्ण विश्व के लिए हानिकारक होता है। विशेष कर द्वितीया तिथि से लेकर चतुर्दशी तिथि पर्यंत अगर दो तिथि का क्षय हो तो विशेष रूप से संपूर्ण विश्व के लिए हानिकारक होता है यह पक्ष मंगल कार्य हेतु भी उत्तम नहीं है। यह दुर्योग होता है। ज्योतिष शास्त्र में इसे अच्छा नहीं माना गया है। ऐसा दुर्योग होने से अतिवृष्टि, अनावृष्टि, राजसत्ता का परिवर्तन, विप्लव, वर्ग भेद आदि उपद्रव होने की संभावना पूरे साल बनी रहती है। प्रजा को नुकसान, रोग संक्रमण, महंगाई, प्राकृतिक आपदा, लड़ाई झगड़ा, विवाद, अग्नि कांड, भूकंप, गैस दुर्घटना, वायुयान दुर्घटना होने की संभावना। अचानक मौसमी बदलाव भी हो सकते हैं। बारिश और बर्फबारी होने की आशंका है।

हिंदू धर्म में प्रत्येक माह का विशेष महत्व है। इसी कड़ी में आषाढ़ माह भी धार्मिक दृष्टिकोण से शुभ फलदायी माना गया है। यह माह भगवान विष्णु को समर्पित है। मान्यता है कि आषाढ़ माह में भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा करने से उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है, साथ ही आर्थिक समस्याओं से छुटकारा भी मिलता है। इसके साथ ही इस माह में दान का भी विशेष महत्व है, जिससे परिवार में सुख-समृद्धि आती है। आपको यहां बताते हैं, आषाढ़ माह में किन वस्तुओं का दान करना चाहिए।

आषाढ़ माह में इन वस्तुओं का करना चाहिए दान, पितृ भी होंगे प्रसन्न

वस्त्र- आषाढ़ माह में वस्त्र का दान करना शुभ माना गया है। मान्यता है कि वस्त्रों के दान से पुण्य फल में वृद्धि होती है और दरिद्रता का नाश होता है। हालांकि वस्त्र दान करते समय इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि ये कहीं से कटे-फटे न हों।

अन्न-आषाढ़ मास में अन्न का दान करने से यश की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि अन्न दान से व्यक्ति के घर में अन्न का भंडार भरा रहता है और पैसों की भी कमी नहीं होती। साथ ही भगवान विष्णु का आशीर्वाद भी मिलता है।

काले तिल-आषाढ़ माह में काले तिल के दान से पितरों का आशीर्वाद मिलता है। साथ ही सभी मनोकामना भी पूर्ण होती है।

13 दिन का पखवाड़ा और प्रमुख घटनाएं

पंचांगों में स्पष्ट वर्णन मिलता है कि महाभारत सहित कई बड़े युद्ध ऐसे ही 13 दिन के पखवाड़े के संयोग में हुए हैं।

1937 में ऐसा ही संयोग में विनाशकारी भूकंप आया था तब बड़ी मात्रा में नुकसान हुआ था।

1962 में ऐसा संयोग हुआ तब भारत चीन युद्ध हुआ था। ज्योतिष का आंकलन है कि तब भी 13 दिन का पखवाड़ा था।

1999 में जब 13 दिन के पक्ष का संयोग बना तब कारगिल युद्ध हुआ था। 1979 व 2005 में भी अप्रिय घटनाएं हुई थी।

भूलकर भी न करें मांगलिक कार्य

यह मान्यता है कि महाभारत काल का ये दुर्योग काल शुभ नहीं है। इस काल में विनाश, आपदा और आपातकालीन जैसी परिस्थितियां उत्पन्न होती है। कलयुग में यह काल इस बार 100 साल के बाद फिर से बन रहा है। इस काल में लोगों को भूलकर भी कोई मांगलिक कार्य जैसे कि शादी, विवाह, गृह प्रवेश, निवेश या कीमती चीजों की खरीदारी नहीं करनी चाहिए।

भोजन करने के बाद धोते हैं थाली में हाथ?

अन्नपूर्णा देवी होंगी नाराज, घर में आएगी कंगाली खाते समय न करें ये 9 गलतियां

हम सभी प्रतिदिन भोजन करते हैं। कोई सोफे पर बैठकर हाथ में प्लेट लेकर खाता है तो कोई डाइनिंग टेबल पर तो कुछ लोग फर्श पर बैठकर आराम से भोजन करने का आनंद उठाते हैं। धार्मिक शास्त्रों में हर काम को करने का एक सही नियम बताया गया है और कुछ ऐसी चीजों को करना वर्जित बताया गया है जो आपको नुकसान पहुंचा सकता है। जीवन पर नेगेटिव असर डाल सकता है। क्या आप जानते हैं कि भोजन करने से संबंधित भी हिंदू धार्मिक शास्त्रों में कई महत्वपूर्ण नियम बताए गए हैं, जिनके बारे में शायद ही लोग जानते हैं या उन नियमों का पालन करते हैं।

भोजन करने के नियम और कौन सी गलतियां न करें

✻ हिंदू धर्म में अन्न को पूजनीय कहा गया है। अन्न का अनादर करने से अन्नपूर्णा देवी नाराज हो सकती हैं। आप पाप के भोगी बन सकते हैं। जो भोजन करने के नियमों का पालन करते हैं, वे तरक्की करते हैं। उनके घर बरकत होती है। देवी अन्नपूर्णा की कृपा सदा बरसती है। डॉ। गौरव कुमार दीक्षित कहते हैं कि हर किसी को भोजन करते समय अपने चेहरे को उत्तर या फिर पूर्व दिशा की तरफ करके बैठना चाहिए। कभी भी खाते समय दक्षिण दिशा की तरफ मुख करके न बैठें।

✻ कुछ लोगों की आदत होती है कि वे खाना खाते समय बार-बार पानी पीते रहते हैं। ऐसा बिल्कुल न करें। पानी पीना भी हो तो अपने दाहिने हाथ से पिएं। इससे सौभाग्य में वृद्धि होती है।

✻ कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो भोजन ग्रहण करने बाद थाली में ही अपना हाथ धोने लगते हैं। भोजन की थाली में हाथ धोना अशुभ माना जाता है। इससे अन्नपूर्णा देवी रूष्ट हो जाती हैं। आपके जीवन में कई तरह की कठिनाइयां आ सकती हैं।

✻ खाना शुरू करने से पहले आप एक निवाला जरूर निकाल दें। इस निवाले को भोजन करने के बाद में पक्षियों को खिला दें। माना जाता है कि ऐसा करने से हमेशा बरकत बनी रहती है।

✻ कई बार जब घर में अधिक लोग आते हैं तो भोजन एक साथ करते हैं। ऐसे में बिस्तर या फर्श पर खाते समय थाली के नीचे अख़बार रख देते हैं। ऐसा करने से आपका राहु ख़राब होता है। जीवन में कई तरह की परेशानियां आनी शुरू हो जाती हैं। दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

✻ लाल किताब के अनुसार, व्यक्ति की कुंडली में जो ग्रह कमज़ोर है, उस ग्रह से संबंधित चीजें ही खानी चाहिए।

✻ बिस्तर पर बैठकर खाने से धन-अन्न की कमी होने लगती है। ऐसे में बेड पर बैठकर कभी भी आपको भोजन नहीं करना चाहिए। खाना हमेशा किचन में बैठकर खाना चाहिए। इससे राहु शुभ फल देते हैं।

✻ भोजन करते समय बीच में ही लघुशंका या दीर्घशंका के लिए नहीं जाना चाहिए। खाना खाते समय कभी भी भोजन की निंदा न करें। ये ना बोलें कि खराब भोजन बना है, स्वाद नहीं आदि। भोजन को ईश्वर का प्रसाद समझकर ग्रहण करना चाहिए। ऐसा करने से सेहत सही बनी रहती है। माता अन्नपूर्णा की कृपा प्राप्त होती है।

✻ भोजन करने से पहले भोजन मंत्र को जरूर पढ़ें। मान्यता है कि इसके जाप से देवी-देवता और अन्न देवता की कृपा हमेशा घर और परिवार के ऊपर बनी रहती है।

ब्रह्मार्पणं ब्रह्महविर्ब्रह्माग्नौ ब्रह्मणा हुतम्।
ब्रह्मैव तेन गन्तव्यं ब्रह्मकर्म समाधिना।।
ॐ सह नाववतु।
सह नौ भुनक्तु।
सह वीर्यं करवावहै।
तेजस्विनावधीतमस्तु।
मा विद्विषावहै।।
ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः।।

सोने के कुएं के जल से स्नान करेंगे भगवान जगन्नाथ फिर 14 दिन तक रहेंगे बीमार, जानें क्या है मान्यता

विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर में भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और देवी सुभद्रा को प्रत्येक वर्ष सहस्त्रधारा स्नान करवाया जाता है। यह भगवान के प्रमुख अनुष्ठानों में से एक है। तीनों देवताओं को सहस्त्रधारा स्नान ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा को करवाया जाता है। इस वर्ष यह स्नान कल यानी शनिवार को होगा।

सोने के कुएं से लाया जाता है पानी

भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और देवी सुभद्रा को स्नान करवाने के लिए जल एक विशेष कुए में से लाया जाता है, जिसे सोने का कुआं कहा गया है। बताया जाता है कि यह कुआं करीब 4 से 5 फीट चौड़ा है और इसमें नीचे की ओर दीवारों पर पांड्य राजा इंद्रद्युम्न द्वारा सोने की ईंट लगवाई गई थी।

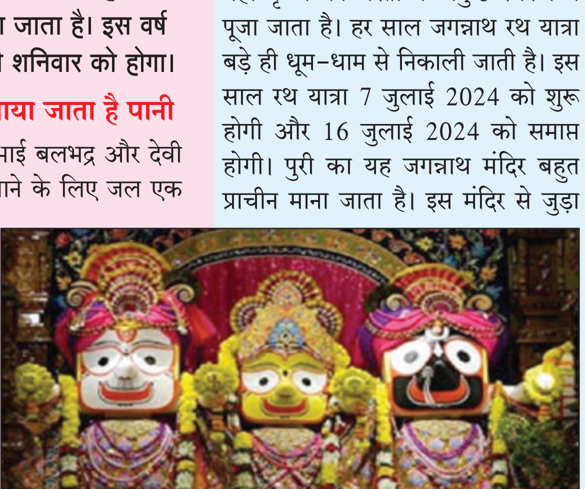

कुएं का ढक्कन लोहे और सीमेंट से बनाया गया है, जो करीब दो टन वजनी है। साल में सिर्फ एक बार ही कुएं को खोला जाता है। कुएं के ढक्कन पर एक छेद भी है, जिसमें से भक्त सोने की वस्तुएं डाल सकते हैं, इस कुएं में कितना सोना है, इसकी जांच आज तक नहीं की गई।

स्नान मंडप में लाए जाते हैं देवता

सहस्त्रधारा स्नान के लिए भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और देवी सुभद्रा को स्नान मंडप तक लाया जाता है और जगन्नाथ मंदिर के अंदर मौजूद कुएं के जल से इन्हें स्नान करवाया जाता है और कुए से लाए गए 108 घड़ों के जल से उन्हें स्नान करवाया जाता है।

पट बंद होते ही खत्म हो जाता है प्रसाद पढ़िए पुरी जगन्नाथ मंदिर के रहस्य

ओडिशा में स्थित जगन्नाथ मंदिर भगवान विष्णु के अवतार श्रीकृष्ण को समर्पित है। यहां कृष्ण को धरती के बैकुंठ स्वरूप में पूजा जाता है। हर साल जगन्नाथ रथ यात्रा बड़े ही धूम-धाम से निकाली जाती है। इस साल रथ यात्रा 7 जुलाई 2024 को शुरू होगी और 16 जुलाई 2024 को समाप्त होगी। पुरी का यह जगन्नाथ मंदिर बहुत प्राचीन माना जाता है। इस मंदिर से जुड़ा इतिहास बहुत अद्भुत है। मान्यता है कि जगन्नाथ मंदिर की मूर्तियों में आज भी भगवान कृष्ण का हृदय धड़कता है।

जगन्नाथ मंदिर से जुड़े रहस्य

जगन्नाथ मंदिर को वैष्णव परंपरा का सबसे बड़ा तीर्थ स्थल माना जाता है। इस स्थान पर देश-विदेश से हजारों श्रद्धालु आते हैं। इसे जगन्नाथ धाम के नाम से जाना जाता है। मंदिर से जुड़े कुछ रहस्य ऐसे हैं, जिन्हें आज तक कोई भी नहीं जान पाया है। आइए, पढ़ें उन रहस्यों के बारे में।

कभी कम नहीं पड़ता प्रसाद

इस मंदिर की रसोई भी बहुत अद्भुत है। यहां प्रसाद पकाने के लिए सात बर्तन एक-दूसरे के ऊपर रखे जाते हैं, लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि प्रसाद सबसे पहले सबसे ऊपर रखे बर्तन में पकता है। फिर नीचे एक-एक करके बर्तनों में रखा प्रसाद पकता रहता है। यह भी कहा जाता है कि यहां प्रतिदिन बनने वाले प्रसाद में कभी भी कमी नहीं आती है। हर दिन यहां लाखों लोग प्रसाद ग्रहण करते हैं। लेकिन जैसे ही मंदिर का दरवाजा बंद होता है, प्रसाद भी खत्म हो जाता है।

मंदिर की अदृश्य छाया

जगन्नाथ मंदिर के शीर्ष पर एक सुदर्शन चक्र है। कहा जाता है कि आप चाहे किसी भी दिशा में खड़े होकर इसे देखें, चक्र का मुंह आपकी ओर ही दिखेगा। इतना ही नहीं, मंदिर के शीर्ष की छाया हमेशा अदृश्य रहती है। उसे जमीन पर कोई नहीं देख पाता है।

विपरीत दिशा में लहराता है झंडा

जगन्नाथ मंदिर के शीर्ष पर स्थित झंडा हमेशा हवा की विपरीत दिशा में लहराता है। दिन में हवा समुद्र से जमीन की ओर और शाम को जमीन से समुद्र की ओर चलती है, लेकिन यहां यह प्रक्रिया उलट होती है।

बीमार पड़ जाते हैं भगवान जगन्नाथ

मान्यता है सहस्त्रधारा स्नान से दौरान भगवान जगन्नाथ ज्यादा स्नान करने के कारण बीमार पड़ जाते हैं, ऐसे में वे भक्तों को दर्शन नहीं देते और मंदिर के पट 14 दिनों तक बंद रहते हैं। इस दौरान भगवान का उपचार चलता है और उन्हें सादा भोजन ही दिया जाता है। आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि पर मंदिर के कपाट खोले जाते हैं। यह दिन नेत्र उत्सव के रूप में मनाया जाता है और इसके बाद रथयात्रा निकाली जाती है।

आगामी फिल्म सूबेदार की तैयारी में जुटे अनिल कपूर

जबरदस्त एक्शन करते आएंगे नजर

बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर ने घोषणा की है कि उन्होंने अपनी अगली फिल्म पर काम शुरू कर दिया है। अभिनेता सुबेदार पर काम कर रहे हैं। उन्होंने इस फिल्म पर काम रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी सीजन 3 के प्रीमियर से कुछ दिन पहले शुरू किया है। बिग बॉस ओटीटी 3 से अनिल बतौर होस्ट डेब्यू कर रहे हैं। अब अगले कुछ महीनों तक अनिल अपने दोनों परियोजनाओं पर काम करते रहेंगे।अनिल कपूर ने सुबेदार की तैयारी करते हुए इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर साझा की और इसकी इसकी घोषणा की। अभिनेता आत्मरक्षा का प्रशिक्षण लेते हुए नजर आ रहे हैं। तस्वीर में वे अपने ट्रेनर की गर्दन पकड़े हुए इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं। तस्वीर के साथ अभिनेता ने लिखा, अभी तो हाथ उठा ही कहां है, यह तो बस तैयारी है। उन्होंने यह भी बताया कि यह उनकी आगामी फिल्म सूबेदार की तैयारी के लिए है।वहीं फिल्म की कहानी के बारे में बात करें तो सुरेश त्रिवेणी द्वारा निर्देशित सूबेदार एक ऐसे व्यक्ति के बारे में है, जो कभी देश के लिए लड़ा था। अब उसका सामना दुश्मनों से है, जो उसके घर और परिवार को नष्ट करना चाहते हैं। अभी तक फिल्म के लिए अनिल कपूर के अलावा किसी अन्य अभिनेता की पुष्टि नहीं हुई है। यह फिल्म अबुंदंतिया एंटरटेनमेंट, ओपनिंग इमेज और अनिल कपूर फिल्म एंड कम्युनिकेशन नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित है। सूबेदार के निर्माता विक्रम मल्होत्रा, सुरेश त्रिवेणी और अनिल कपूर हैं। वहीं त्रिवेणी ने निर्देशक के रूप में कमान संभाली है। पटकथा त्रिवेणी और प्रज्वल चन्द्रशेखर ने मिलकर लिखी है। फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा होनी अभी बाकी है।वहीं बात करें बिग बॉस ओटीटी 3 के तो अनिल इसके जरिए होस्ट के तौर पर काम करने के लिए उत्साहित हैं। बिग बॉस ओटीटी 3 शो 21 जून से जियो सिनेमा पर स्ट्रीम होगा। यह शो हर रोज रात 9 बजे सिर्फ प्रीमियम यूजर्स के लिए उपलब्ध होगा। हालांकि प्रतियोगियों की पूरी सूची अभी तक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन ऐसा लग रहा है कि अंजलि अरोड़ा, शहजादा धामी, शोएब इब्राहिम, अंजुम फकीह, जेसन शाह, साई केतन राव, सना मकबूल, यूट्यूबर अरमान मलिक और सोनम खान इस सीजन में शो में भाग लेंगे। निर्माताओं ने अभी तक प्रतिभागियों की पुष्टि करने वाली आधिकारिक सूची जारी नहीं की है। 21 जून को शो के प्रीमियर से पहले इस सप्ताह के दौरान यह सूची जारी की जाएगी।

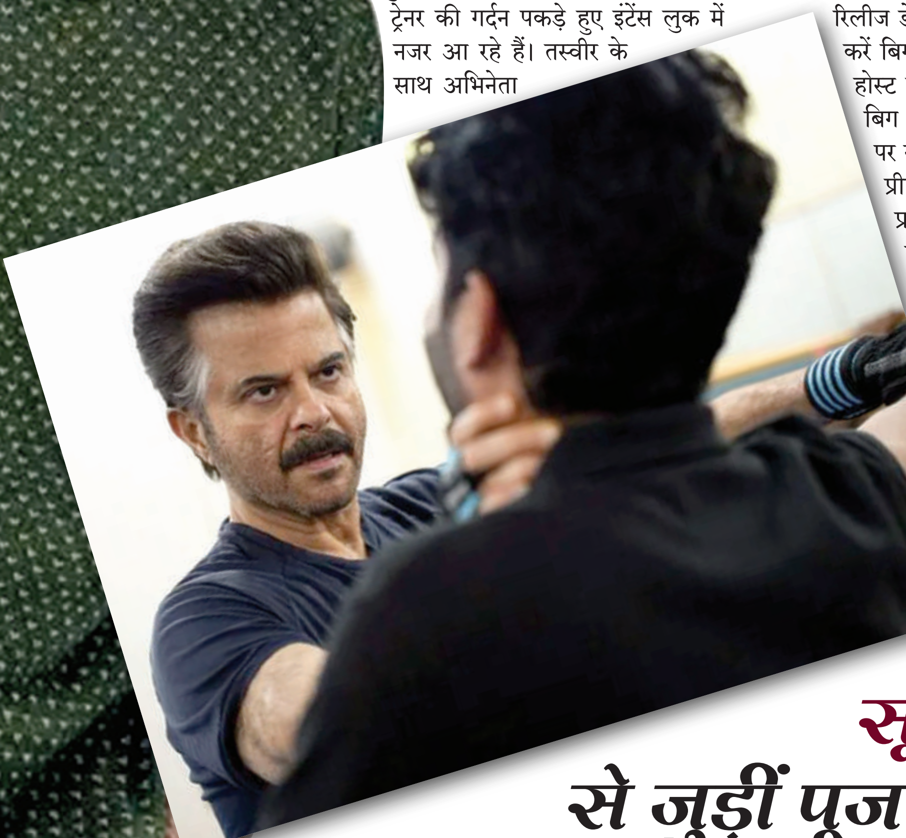

अक्षय कुमार की फिल्म खेल खेल में की नई रिलीज तारीख से उठा पर्दा

अक्षय कुमार आने वाले दिनों में कई बड़ी फिल्मों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे। खेल खेल में उनकी आने वाली चर्चित फिल्मों में शुमार है।यह फिल्म 6 सितंबर, 2024 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब निर्माताओं ने इस फिल्म की नई रिलीज तारीख का ऐलान कर दिया है।इस फिल्म को सिनेमाघरों में देखने के लिए आपको ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। खेल खेल में अब 15 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों का रुख करने वाली है।बॉक्स ऑफिस पर खेल खेल में का सामना जॉन अब्राहम की फिल्म वेदा से होगी।खेल खेल में भूषण कुमार के प्रोडक्शन हाउस टी-सीरीज के बैनर तले बन रही है, जो कॉमेडी, ड्रामा और इमोशंस से भरपूर होगी।मुदस्सर अजीज ने इस फिल्म का निर्देशन किया है।तापसी पन्नू, वाणी कपूर और फरदीन खान भी इस फिल्म का अहम हिस्सा हैं।इस साल स्वतंत्रता दिवस पर कॉमेडी से लेकर एक्शन और रोमांस का तड़का लगने वाला है। अब देखना दिलचस्प होगा कि किसकी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने में कामयाब होती है। अक्षय कुमार से लेकर जॉन अब्राहम अपनी बेहतरीन फिल्मों के साथ दर्शकों के सामने आने वाले हैं।

सूर्या 44 से जुड़ीं पूजा हेगड़े

अभिनेता जयराम ने भी कार्तिक की फिल्म के लिए कसी कमर

पूजा हेगड़े का स्वागत करते हुए कार्तिक सुब्बाराज ने एक्स पर लिखा, सूर्या 44 के लिए पूजा हेगड़े का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। फिल्म में आपका स्वागत है। पोस्टर में पूजा पारंपरिक पोशाक में नजर आ रही हैं। मुगामुडी और बीस्ट के बाद यह पूजा हेगड़े की तीसरी तमिल फिल्म है। इस बीच, मलयालम अभिनेता जयराम का एक पोस्ट के साथ स्वागत किया गया जिसमें लिखा था, एक व्यक्ति जो बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं, जो अपनी परफॉर्मेंस में जान डाल देते हैं। जयराम आपका सूर्या 44 की टीम में स्वागत है।

पोस्टर में जयराम चश्मा लगाए बेहद गंभीर नजर आ रहे हैं। पूजा और जयराम के सूर्या 44 से जुड़ने की खबर ने फैंस के उत्साह को और ज्यादा बढ़ा दिया है। कार्तिक ने घोषणा की कि सूर्या 44 का पहला शेड्यूल पोर्ट ब्लेयर, अंडमान में शुरू हो रहा है। इससे पहले आज, जयराम और मुख्य अभिनेता सूर्या को पोर्ट ब्लेयर हवाई अड्डे

अभिनेत्री पूजा हेगड़े के पास एक रोमांचक नया प्रोजेक्ट है। अभिनेत्री को निर्देशक कार्तिक सुब्बाराज की नई फिल्म सूर्या 44 के लिए चुना गया है। एक्स पर जाते हुए, कार्तिक ने पारंपरिक सोने के आभूषणों के साथ साड़ी पहने पूजा की तस्वीर साझा करके इसकी आधिकारिक घोषणा की। आगामी फिल्म में पूजा अभिनेता सूर्या के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी।मुख्य अभिनेत्री

पर देखा गया, जिससे पुष्टि हुई कि जयराम पहले शेड्यूल का हिस्सा होंगे और फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। सूर्या भी इस शेड्यूल में शामिल हो रहे हैं। अभी तक सूर्या 44 शीर्षक से मशहूर फिल्म में संतोष नारायणन का संगीत और श्रेयस कृष्ण की सिनेमैटोग्राफी देखने को मिलेगी।

शॉर्ट ड्रेस पहन अनन्या पांडे ने गिराईं हुस्न की बिजलियां

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे हमेशा अपने स्टनिंग लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों मे वायरल होने लगती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान समर लुक शेयर किया है, जिसमें उनका कूल लुक फैंस के बीच कहर ढा रहा है।एक्ट्रेस अनन्या पांडे आए दिन अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर चर्चाओं में रहती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं।इन तस्वीरों में उनका हॉट समर लुक फैंस के बीचकाफी ज्यादा ट्रेंड कर रहा है। अनन्या पांडे ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान शॉर्ट ड्रेस पहनी हुई है।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस अनन्या पांडे कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक किलर लुक में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।अनन्या पांडे जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। फैंस भी उनकी फोटोज की तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं।एक्ट्रेस की इन फोटोज पर भी लोग कॉमेंट्स करते हुए हॉट, ब्यूटिफुल, अमेजिंग, सो ग्लैमरस, बेहद खूबसूरत, एलिगेंट लुक लिख रहे हैं।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने हाई हील्स, ओपन हेयर और लाइट मेकअप कर के अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।अनन्या पांडे सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा एक्टिव रहती हैं।

विजय वर्मा स्टारर मटका किंग की शूटिंग शुरू

जारी हुआ नया पोस्टर

इन दिनों विजय वर्मा स्टारर क्राइम थ्रिलर मटका किंग की काफी चर्चा है। फैंस इस सीरीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच मेकर्स ने एक बड़ा अपडेट जारी किया है। मेकर्स ने एक्टर का नया पोस्टर शेयर करते हुए बताया कि सीरीज की शूटिंग शुरू हो चुकी है।पोस्टर में विजय 90 के दशक के अवतार में नजर आ रहे हैं। उन्होंने व्हाइट शर्ट पहनी हुई है, और ताश के साथ खेलते हुए दिख रहे हैं।पोस्टर को शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, शर्त लगाने के लिए तैयार! मटका किंग जल्द ही, लेकिन अभी शूटिंग शुरू।मटका किंग की कहानी 1960 के दशक की है, जिसमें एक कपास व्यापारी मटका नामक एक नया जुआ खेल शुरू करता है। यह खेल शहर में तूफान मचा देता है। यह खेल पहले सिर्फ अमीरों और अभिजात वर्ग के लिए आरक्षित था, लेकिन अब हर वर्ग के लोग जुड़ जाते हैं।इस सीरीज में कृतिका कामरा, सई ताम्हणकर, गुलशन ग्रोवर और सिद्धार्थ जाधव जैसे कलाकार शामिल हैं।रॉय कपूर फिल्म्स के बैनर तले सिद्धार्थ रॉय कपूर और नागराज मंजुले के साथ गार्गी कुलकर्णी, आशीष आर्यन और अश्विनी सिद्वानी द्वारा निर्मित इस सीरीज का निर्देशन नागराज ने किया है और मंजुले के साथ अभय कोरानने ने इसे लिखा है।इस सीरीज को प्राइम वीडियो पर रिलीज किया जाएगा।वर्कफ्रंट की बात करें तो विजय को पिछली बार स्ट्रीमिंग मिस्ट्री थ्रिलर फिल्म मर्डर मुबारक में देखा गया था। इसमें पंकज त्रिपाठी और सारा अली खान लीड रोल में थे। वह जल्द ही फिल्म सूर्या43 और उल जलूल इश्क में नजर आएंगे।

ऑडियो सीरीज एंटरटेनमेंट का एक बेहतरीन जरिया है: नायरा बनर्जी

सोशल मीडिया पर मशहूर एक्ट्रेस नायरा एम. बनर्जी अपने रिलेशनशिप स्टेटस को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। इस बीच वह एक्टर निशांत मलकानी के साथ ऑडियो सीरीज इंस्टा एम्पायर को लेकर चर्चाओं में है। एक्ट्रेस ने ऑडियो सीरीज में काम करने का अपना एक्सपीरियंस शेयर किया।नायरा का मानना है कि ऑडियो सीरीज में काम करने से एक्टर के विजुअलाइजेशन स्किल्स में सुधार होता है। उन्होंने ऑडियो स्टोरीटेलिंग को थेरेप्यूटिक एंटरटेनमेंट बताया।ऑडियो सीरीज इंस्टा एम्पायर को लेकर उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विजुअल के बिना, एक्टर्स को ऑडियो फॉर्मेट में कहानी सुनाते समय इमोशन्स को जाहिर करने के लिए अपनी इमेजिनेशन को बढ़ाना चाहिए।एक्ट्रेस ने कहा, इमेजिनेशन को बढ़ाने से मन में इमेज बनाने की क्षमता मजबूत होती है। एक्टर का काम किसी किरदार को जीवंत करना होता है। ऑडियो सीरीज के फॉर्मेट से किरदार को बखूबी और बारीकी से पेश करने के लिए ज्यादा स्पेस मिलता है। लिस्नर्स के लिए, ऑडियो सीरीज एंटरटेनमेंट का एक बेहतरीन जरिया है जो थेरेप्यूटिक है, क्योंकि वे आपको अपने दिमाग में कहानी की पिक्चर बनाने देते हैं।ऑडियो स्टोरीटेलिंग भारतीय संस्कृति का हिस्सा है, कई घरों में आज भी माता-पिता या दादा-दादी बच्चों को सोते समय कहानी सुनाते हैं, यह एक परंपरा है। इस परंपरा ने हमारे मन में ऑडियो स्टोरीटेलिंग के प्रति प्यार को बनाए रखा है।उन्होंने आगे बताया कि जहां विजुअल एंटरटेनमेंट की अपनी जगह है, वहीं ऑडियो एंटरटेनमेंट ज्यादा दिलचस्प है, जो टाइम, लोकेशन, एक्सेस या एक्टिविटी की परवाह किए बिना हमारी लाइफ में फिट हो जाता है।उन्होंने कहा, फिल्मों या टीवी शो से अलग, ऑडियो सीरीज का आनंद कभी भी और कहीं भी लिया जा सकता है।अपने नए ऑडियो शो के बारे में नायरा ने कहा, इंस्टा एम्पायर एक यूनीक प्रोजेक्ट है जो मेरे द्वारा पहले किए गए किसी भी काम से अलग है। इसकी स्क्रिप्ट में भरपूर ड्रामा, रोमांस और ट्विस्ट है। मैंने इस ऑडियो सीरीज में लीड रोल अनिका का किरदार निभाया है। वहीं, निशांत मलकानी नक्श की भूमिका में हैं।उन्होंने कहा, निशांत और मैं इस प्रोजेक्ट के लिए एक बार फिर साथ आए हैं, यह बेहद रोमांचक है।इस सीरीज का निर्माण पॉकेट एफएम द्वारा किया गया है।

योग में कोई भेदभाव नहीं, इसका नियमित अभ्यास करें : योगी

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को राजभवन प्रांगण, लखनऊ में 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' के अवसर पर आयोजित सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए।

लखनऊ, 21 जून (एजेंसियां)।
10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को राजभवन प्रांगण में आयोजित सामूहिक योगाभ्यास समारोह में सम्मिलित हुए और योगाभ्यास किया। उनके साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने भी योगाभ्यास में हिस्सा लिया। इस अवसर पर सीएम योगी ने कहा कि योग मानवता के अनुकूल है, जो देश, समाज, काल परिस्थितियों से बाधित होकर के भी संपूर्ण मानवता के कल्याण के मार्ग को प्रशस्त करता है। इस कार्य के साथ यदि हम जुड़ते हैं और संपूर्ण मानवता को जोड़ते हैं तो यह पूर्वजों और विरासत के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धा कही जाती है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, हम सभी के लिए भारत की इसी परंपरा के प्रति, इसी श्रद्धा को व्यक्त करने का एक माध्यम बना है। कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने श्रीनगर में आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के योगाभ्यास कार्यक्रम के दौरान उनकी बातों को भी सुना। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान के साथ हुई और फिर राजभवन गीत का भी प्रस्तुतिकरण किया गया। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री को तुलसी का पौधा देकर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर प्रांगण में बड़ी संख्या में उपस्थित योग साधकों व प्रशिक्षकगणों ने पूरे उत्साह से सामूहिक योगाभ्यास में किया।

कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने कहा कि यह हम सबका सौभाग्य है कि योग दिवस के अवसर पर हम अपनी विरासत का स्मरण करते हुए भारत की ऋषि परंपरा के प्रति श्रद्धा व्यक्त कर रहे हैं।

ये अवसर हमें देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने प्रदान किया है, जिनके विजन और प्रयासों का परिणाम है कि आज दुनिया के लगभग पौने दो सौ देश अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के साथ जुड़कर भारत की इस विरासत के साथ खुद को जोड़कर के हमारी संस्कृति और परंपरा को गौरवान्वित करने का प्रयास करेंगे। अपनी परंपरा और पूर्वजों व विरासत के प्रति इससे बड़ा सम्मान और कोई नहीं हो सकता।

सीएम योगी ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि योग एक संपूर्ण विधा है जो हमें शारीरिक और मानसिक रूप से एकजुट करता है। भारत की ऋषि परंपरा को देखें तो उन लोगों के पास कितनी दूरदर्शिता थी, किस तरह उन्होंने समाज को जोड़ा, धर्म को योग के साथ जोड़ने का एक अभिनव प्रयास इस रूप में हुआ। जब हम धर्म की बात करते हैं तो धर्म के दो हित सामने दिखते हैं। एक है इस लोक में विकास के लिए, खुशी और खुशहाली के लिए, ईज ऑफ लिविंग के लिए कार्य करना। और दूसरा है कि जन्म के बाद मोक्ष की प्राप्ति हो। यानी धर्म के दो हित भारत की ऋषि परंपरा ने हम सबको बताए हैं।

योग भी हम सबको उसी परंपरा के साथ जोड़ने का काम करता है। भारतीय मनीषा भी इसी बात को कहती है कि शरीर माध्यम खलु धर्म साधनम्, अर्थात सभी कार्य तभी पूर्ण हो सकते हैं जब आपका शरीर साथ हो। काया स्वस्थ है तो मन स्वयं ही स्वस्थ हो जाएगा। योग में हर किसी के लिए अलग-अलग योग विधाएं हैं। बालक हों, युवा हों, अधेड़ हों या फिर बुजुर्ग हों, सभी योग का अभ्यास करके खुद को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रख सकते हैं।

सीएम योगी ने योग दिवस की थीम पर कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस जिस थीम 'योग सबके लिए' के साथ पूरी दुनिया में आयोजित हो रहा है, इसका अर्थ है कि इसमें कोई भेद नहीं है। इसमें जाति का भेद नहीं है, क्षेत्र का, भाषा का, काल का, देश का भेद नहीं है। मेरी अपील है कि योग को नियमित अभ्यास का हिस्सा बनाएं।

एक समय आपको स्वयं अहसास होगा कि जो भी समय आपने योग के लिए समर्पित किया है वो आपके स्वस्थ और दीर्घ जीवन के लिए, आपके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अति उत्तम रहा है। यदि नियमित दिनचर्या के साथ इसको आगे बढ़ाएंगे तो इसका हमें भरपूर लाभ प्राप्त होगा। इस अवसर पर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल,मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, प्रमुख सचिव आयुष लीना जौहरी और योग साधक व प्रशिक्षकगण उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रदेश के अलग-अलग जिलों में लोगों ने पार्कों और खुले स्थानों पर एकत्र होकर योग किया और निरोगी होने का संकल्प लिया। इस मौके पर जिला प्रशासन की तरफ से भी योग शिविर लगाए गए थे। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने भी योग दिवस पर जनता के साथ योग किया और सभी को स्वस्थ रहने का संदेश दिया। लखनऊ में राजभवन, हाईकोर्ट, रेजीडेंसी और झंडी पार्क लालबाग में योग दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इसी तरह शहर के अलग-अलग पार्कों में लोग एकत्र हुए और योगासन कर स्वस्थ रहने का संदेश दिया।

अयोध्या और प्रयागराज में बनेगा वीवीआईपी गेस्ट हाउस

लखनऊ, 21 जून (एजेंसियां)।
धर्मनगरी अयोध्या और तीर्थराज प्रयाग में राज्य सरकार अतिथि गृहों के निर्माण कराने जा रही है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दोनों अतिथि गृहों के निर्माण स्थल, ले-आउट, सुविधाओं और साज-सज्जा आदि के संबंध में प्रस्तुतीकरण का अवलोकन किया।

राज्य संपत्ति विभाग के अधिकारियों के साथ हुई इस बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीरामजन्मभूमि मंदिर स्थापना के बाद अयोध्या में माननीय राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल, सहित देश-दुनिया से अनेक विशिष्ट-अति विशिष्ट अतिथियों का आगमन हो रहा है। इनके प्रवास के लिए सुरक्षा व सुविधा के

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर अयोध्या व प्रयागराज अतिथिगृह विषयक प्रस्तुतीकरण की समीक्षा करते हुए।

उत्कृष्ट मानकों के साथ गेस्ट हाउस की आवश्यकता है। इसी प्रकार प्रयागराज में गणमान्य जनों के बेहतर आतिथ्य के लिए एक सर्वसुविधायुक्त अतिथि गृह बनाया जाना आवश्यक है। इसके लिए प्रक्रिया यथाशीघ्र प्रारंभ कर दी जाए।

अयोध्या में प्रस्तावित अतिथि गृह के संबंध में चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में सरयू नदी के किनारे पर्यटन विभाग की भूमि अतिथि गृह के लिए उपयुक्त होगी। यहां करीब साढ़े तीन एकड़ के क्षेत्र में अतिथि गृह बनाया जा सकता है। भवन की वास्तुकला में वैष्णव परंपरा की झलक होनी चाहिए। भवन की ऊंचाई तय करते समय इसका ध्यान रखें कि किसी भी दशा में यह श्रीरामजन्मभूमि मन्दिर से ऊंचा न हो।

वहीं, प्रयागराज में लगभग 10300 वर्ग मीटर एरिया में प्रस्तावित अतिथि गृह महर्षि दयानंद मार्ग पर होगा। यहां कॉन्फ्रेंस हॉल, डायनिंग हॉल, कैंटीन आदि की उपलब्धता होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अति विशिष्ट अतिथियों के आगमन को ध्यान में रखते हुए दोनों अतिथि गृहों में पार्किंग की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि अतिथि गृहों में ओडीओपी ब्लॉक भी हो ताकि आगंतुक गण प्रदेश की विविधतापूर्ण शिल्पकला से परिचय कर सकें।

भाजपा का साथ देने वाले 7 सपा विधायकों का भविष्य अधर में

लखनऊ, 21 जून (एजेंसियां)।
फरवरी में हुए राज्यसभा चुनावों के दौरान भाजपा ने समाजवादी पार्टी के 7 विधायकों से क्रॉस वोटिंग कराकर अपने सभी प्रत्याशी जितवा दिए थे। क्रॉस वोटिंग पर तो किसी भी तरह की कोई कार्रवाई का प्रावधान नहीं होता है और न ही कोई व्हिप जारी होता है।

इसके चलते उन विधायकों के खिलाफ सपा ने कोई कार्रवाई नहीं की थी। भाजपा के साथ आए इन सपा विधायकों को अब काम पूरा हो जाने के बाद भाजपा भी भाव नहीं दे रही है, वहीं अखिलेश यादव इन विधायकों की मुश्किलें बढ़ा सकते हैं। समाजवादी पार्टी का कहना है कि पार्टी इन सभी विधायकों के खिलाफ विधानसभा स्पीकर के समक्ष शिकायत दर्ज कराएगी और उनकी सदस्यता रद्द कराई जाएगी। सपा का कहना है कि इन विधायकों की स्थिति खराब है क्योंकि ये फायदे के लिए भाजपा में गए थे लेकिन भाजपा ने वो फायदा नहीं हुआ, और लोकसभा चुनाव के बाद बदले समीकरणों के बीच अब भाजपा द्वारा भी इन विधायकों को महत्व नहीं दिया जा रहा है।

अगर अभी इन विधायकों की सदस्यता जाती है तो फिर उन्हें बड़ा नुकसान हो सकता है, क्योंकि अभी राज्य में विधानसभा चुनाव हुए महज दो साल ही हुए हैं और तीन साल का कार्यकाल बाकी है। खास बात यह है कि इनमें से किसी भी विधायक को भाजपा ने लोकसभा के लिए टिकट नहीं दिया था। अब अगर सदस्यता जाती है, तो फिर वे किसी भी सदन के सदस्य नहीं रहेंगे। संकट यह भी होगा कि अगर भाजपा से इन लोगों को उपचुनाव में टिकट नहीं मिला तो इनके राजनीतिक भविष्य पर भी खतरा हो सकता है।

गौरतलब है कि सपा के बागी विधायक मनोज पांडेय पार्टी के चीफ व्हिप थे, और वह रायबरेली की ऊंचाहार सीट से विधानसभा के सदस्य हैं।

रायबरेली सीट पर भाजपा को कांग्रेस नेता राहुल गांधी से करारी हार का सामना करना पड़ा है। इसके अलावा पूजा पाल से लेकर लेकर राकेश पांडेय, विनोद चतुर्वेदी, आशुतोष वर्मा, और अभय सिंह भी लोकसभा की अपनी क्षेत्रीय सीटों पर भाजपा को कुछ फायदा नहीं पहुंचा पाए थे। चुनाव नतीजों के बाद से भाजपा इन विधायकों से दूरी बनाए हुए हैं, जबकि इनके खिलाफ अब सपा बड़ा एक्शन ले सकती है।

जमीन अधिग्रहण के विरोध में टंकी पर चढ़ गए किसान

लखीमपुर खीरी, 21 जून (एजेंसियां)।
लखीमपुर खीरी के गांव राजा-पुर के कई किसान शहर में बिलोवी हाल के पास पानी की टंकी पर चढ़ गए। किसान आवास विकास द्वारा जमीन अधिग्रहण करने से आक्रोशित हैं। उन्होंने आवास विकास परिषद पर जबरन जमीन कब्जाने का आरोप लगाया। किसान जमीन अधिग्रहण को निरस्त करने की मांग कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि करीब दो वर्षों से जिला मुख्यालय और लखनऊ के अधिकारियों के चक्कर काट रहे हैं। सुनवाई न होने पर गांव के 20 से अधिक किसान शुक्रवार को सुबह करीब आठ बजे टंकी पर चढ़ गए। 30 से 40 किसान टंकी के नीचे बैठे रहे। इनमें महिलाएं भी शामिल थी। इसकी जानकारी मिलते ही प्रशासन में खलबली मच गई। योग कार्यक्रम को बीच में छोड़कर अफसर मौके पर पहुंच गए।

किसानों के टंकी पर चढ़ने के एक घंटे के बाद एडीएम और एसडीएम मौके पर पहुंचे। दोनों अफसरों ने किसानों को समझने का प्रयास किया। किसानों को पानी की टंकी से उतरकर कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन करने को कहा गया। लेकिन किसानों का कहना है कि वे कहीं नहीं जाएंगे। किसानों को टंकी से नीचे उतारने की कोशिश नाकाम हो गई।

मुरादाबाद को विकसित करने के लिए सरकार ने खींचा खाका

सक्रिय आर्थिक केंद्र के रूप में विकसित होगी पीतल नगरी

लखनऊ, 21 जून (एजेंसियां)।
प्रदेश के प्रत्येक जिले को आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प को पूरा करने में जुटी योगी सरकार पीतल नगरी के नाम से मशहूर मुरादाबाद के लिए महायोजना 2031 लेकर आई है।

इसके अंतर्गत जहां एक तरफ शहर का विस्तार और विकास सुनिश्चित किया जाना है, वहीं इसकी पहचान और ओडीओपी में शामिल पीतल हैंडीक्राफ्ट के निर्माण और निर्यात उद्योग को भी बढ़ाने का कार्य किया जाएगा। सीएम योगी आदित्यनाथ की मंशा है कि मुरादाबाद को वाइब्रेंट इकोनॉमिक हब के रूप में विकसित किया जाए। यहां पीतल उद्योग से जुड़े आर्टिजन के लिए हस्तशिल्प ग्राम बनाने के साथ ही मेगा एमएसएमई पार्क के निर्माण का प्रस्ताव भी है। यही नहीं औद्योगिक और लॉजिस्टिक पार्क के जरिए मुरादाबाद के औद्योगिक विकास को गति देने की तैयारी है। हाल ही में मुख्यमंत्री के सामने अधिकारियों ने मुरादाबाद महायोजना 2031 को प्रस्तुत किया है।

महायोजना में इस बात का उल्लेख है कि वर्तमान में 13,14,914 की आबादी वाले शहर की जनसंख्या 2031 में तकरीबन 16,66,404 हो जाएगी। इसे ध्यान में रखते हुए मुरादाबाद की भावी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सुदृढ़ आर्थिक आधार का निर्माण, सामाजिक-सांस्कृतिक एवं भौतिक इन्फ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं का विकास किया जाना है। साथ ही साथ नगर के पर्यावरण का संरक्षण करते हुए सतत और नियोजित विकास को बढ़ावा देना है। इसमें ट्रैफिक प्लान को सुदृढ़ करने पर भी बल दिया जाएगा।

ट्रैफिक डीकंजेशन के लिए 60 मीटर चौड़े रिंग रोड का प्रावधान है। वहीं विकास क्षेत्र से बाहर एसईजेड को नगर के अंदर मौजूद औद्योगिक क्षेत्र से जोड़ने के लिए 36 मीटर चौड़े औद्योगिक गलियारे का भी विकास किया जाएगा।

मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत रिपोर्ट में मुरादाबाद में हस्तशिल्प ग्राम, मेगा एमएसएमई क्लस्टर, इंडस्ट्रियल लॉजिस्टिक पार्क, नॉलेज सिटी व मेडीसिटी के साथ ही 55 एकड़ में उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय के निर्माण की बात भी कही गई है। इसके अलावा औद्योगिक आवश्यकताओं के लिए कौशल विकास केंद्र, निर्यातकों व निवेशकों की सुविधा के लिए ऑडिटोरियम और कन्वेंशन सेंटर, 1200 हेक्टेयर में मेगा टाउनशिप 'शिवालिक' और 130 हेक्टेयर में औद्योगिक व मिश्रित तथा 50 हेक्टेयर में आवासीय आत्याधुनिक टाउनशिप का भी प्रस्ताव है।

इसके साथ ही स्पोर्ट्स सिटी, आयुष पार्क, शुगरकेन प्रोसेसिंग क्लस्टर, कैटल कॉलोनी, मत्स्य मंडी और ट्रांसपोर्ट नगर का भी प्रस्ताव है। महायोजना 2031 के लिए मुरादाबाद में वर्तमान में 18017 करोड़ रुपए की शॉर्ट टर्म, 13027 करोड़ रुपए की मीडियम टर्म और 10749 करोड़ रुपए की लॉन्ग टर्म परियोजनाएं संचालित हैं।

मुरादाबाद पीतल नगरी के रूप में विख्यात है और यहां के पीतल उत्पादों पर बने डिजाइन संस्कृति, विरासत, इतिहास और विविधता को विश्वभर में प्रदर्शित करते हैं। इन वस्तुओं को सजाने के लिए उपयोग किये जाने वाले पैटर्न और डिजाइन विभिन्न स्रोतों से प्रेरित होते हैं, जिनमें हिन्दू देवी-देवताओं से लेकर मुगल काल की पेंटिंग तक शाम हैं। यहां से विश्व भर में पीतल के उत्पाद निर्यात किये जाते हैं।

चिराग-सात्विक पर ओलंपिक में पदक जीतने का दबाव, बोले- हम इसे सकारात्मक रूप से ले रहे हैं

नई दिल्ली, 21 जून (एजेंसियां)।

ओलंपिक में पदक के प्रबल दावेदार सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने कहा कि उन पर अपेक्षाओं का दबाव है लेकिन वे इसे झेलने के लिए तैयार हैं क्योंकि वह इसे सकारात्मक रूप से देख रहे हैं। पेरिस ओलंपिक खेल शुरू होने में अब कुछ दिन ही बचे हैं और भारतीय बैडमिंटन की स्टार जोड़ी ने स्वीकार किया कि उनसे काफी उम्मीदें की जा रही हैं।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर दिनेश कार्तिक के साथ एक कार्यक्रम में बात करते हुए सात्विक ने कहा कि वे देश का गौरव बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सात्विक ने कहा,''हम ओलंपिक में भारतीय के ध्वज को ऊंचा रखने की अपनी जिम्मेदारी को समझते हैं। हम इसे हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।''

चिराग दबाव को लेकर चिंतित नहीं है क्योंकि वह अपना लक्ष्य हासिल करने के लिए सकारात्मक बने रहना चाहते हैं। उन्होंने कहा, दबाव है लेकिन हम इसे सकारात्मक रूप से देख रहे हैं। चिराग ने टोक्यो ओलंपिक से जुड़ी यादों पर भी बात की जो उनका पहला ओलंपिक भी था।

उन्होंने कहा, टोक्यो ओलंपिक में भाग लेना और यह अहसास होना कि हम दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शामिल हैं, शानदार अनुभव था। ओलंपिक गांव में घूमते समय मुझे लगा कि दुनिया के चोटी के खिलाड़ी भी आम इंसानों जैसे ही हैं लेकिन वह अपने क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ हैं। सात्विक ने खुलासा किया कि तोक्यो ओलंपिक के दौरान वह प्रत्येक मैच से पहले नीरज चोपड़ा से हाथ जरूर मिलाते थे जिन्होंने इन खेलों की भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था। सात्विक ने कहा, नीरज हमेशा हमारा हौसला बढ़ाने के लिए वहां मौजूद रहते थे। वह सभी को बधाई देते थे। मैं उन्हें अपने लिए भाग्यशाली मानता था और इसलिए हमेशा प्रत्येक में से पहले उनके साथ हाथ मिलाता था। मैं उनसे कहता भैया मैच है।

न्यूज़ ब्रीफ

अधिक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को सही नहीं मानते एम्ब्रोज

ब्रिजटाउन । वेस्टइंडीज के दिग्गज तेज गेंदबाज रहे कर्टली एम्ब्रोज ने कहा है कि आजकल जिस प्रकार काफी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला जा रहा है वह ठीक नहीं है। एम्ब्रोज के अनुसार इससे खेल पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा, 'अब खेल का व्यवसायीकरण हो गया है। इतना ज्यादा क्रिकेट इसी कारण खेला जा रहा है। एक श्रृंखला के बाद दूसरी श्रृंखला और इस बीच फ्रेंचाइजी क्रिकेट अलग चलता रहता है। यह रोमांचक है पर इतना ज्यादा क्रिकेट चिंता का विषय है, इससे खिलाड़ियों की फिटनेस प्रभावित हो रही है। एम्ब्रोज ने सीमित ओवरों की क्रिकेट भी काफी खेली है पर उनका मानना है कि लीजैंड टेस्ट क्रिकेट से ही निकलते हैं। उन्होंने कहा, 'मैने हमेशा टेस्ट क्रिकेट को वरीयता दी है। मैने वनडे और चार दिवसीय क्रिकेट भी खेला है लेकिन मेरे लिए वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं है। टेस्ट क्रिकेट ही असली क्रिकेट है। अपने करियर के अंत में आप लीजैंड तभी कहलाएंगे जब आपने टेस्ट क्रिकेट में अच्छा किया हो। वहीं इस पूव तेज गेंदबाज ने भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर सराहना करते हुए कहा है कि उन्हें अपने एक्शन में कोई बदलाव नहीं करना चाहिये। बुमराह के लिए ये राहत की बात है क्योंकि इससे पहले कई क्रिकेटरों का कहना था कि उन्हें अपने एक्शन को ठीक करना चाहिये क्योंकि इससे चोटिल होने का खतरा है। वहीं एम्ब्रोज के अनुसार कि अपने गैर पारंपरिक गेंदबाजी एक्शन में बुमराह कोई भी बदलाव करे। उनका मानना है कि हर तेज गेंदबाज को चोटिल होने का खतरा उठाना ही पड़ा है। इसमें एक्शन से कुछ फर्क नहीं पड़ता है।

कोटा बदलने की मंजूरी के बाद श्रेयसी सिंह भारतीय निशानेबाजी टीम में शामिल

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएफएसएफ) से मंजूरी मिलने के बाद अनुभवी ट्रैप निशानेबाज श्रेयसी सिंह को पेरिस ओलंपिक के लिए 21 सदस्यीय भारतीय निशानेबाजी टीम में शामिल किया गया। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने आईएसएसएफ से मंजूरी मिलने के बाद यह घोषणा की। भारतीय संघ ने निशानेबाजी की विश्व संस्था से कोटा बदलने का आग्रह किया था। मनु भाकर एयर पिस्टल और स्पोर्ट्स पिस्टल दोनों में शीर्ष पर रही थी इसलिए उनका एक कोटा स्थान महिला ट्रैप निशानेबाजी में बदल दिया गया जिससे श्रेयसी को टीम में जगह मिल गई। श्रेयसी सक्रिय राजनीति में भी शामिल हैं और बिहार के जमुई विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। यह 32 वर्षीय निशानेबाज राजेश्वरी कुमारी के साथ महिला ट्रैप स्पर्धा में भाग लेंगी। एनआरएआई के महासचिव के. सुल्तान सिंह ने कहा, हमने आईएसएसएफ से 10 मीटर एयर पिस्टल महिला वर्ग में एक कोटा स्थान बदलकर ट्रैप महिला वर्ग में करने का अनुरोध किया था जिसे मंजूर कर लिया गया है। इसलिए श्रेयसी सिंह को टीम में शामिल कर दिया गया।

एमबापे की वापसी का इंतजार कर रहे प्रशंसक

पेरिस । फ्रांस के प्रशंसक अपने स्टार फुटबॉलर किलियन एमबापे की खेल में वापसी का इंतजार कर रहे हैं। एमबापे नाक में लगी चोट के बाद से ही मैदान से दूर हैं। वहीं उनके प्रशंसक जानना चाहते हैं कि उनका ये पसंदीदा खिलाड़ी यूरोपीय चैम्पियनशिप से कितने और समय तक बाहर रहेगा। वहीं एमबापे के दो साथी खिलाड़ियों ने कहा है कि एमबापे अब पहले से बेहतर हैं और शीघ्र वापसी करेंगे। जिससे उनके प्रशंसकों को थोड़ी राहत मिली है। एमबापे के दो साथी खिलाड़ियों मिडफील्डर एड्रियन रबियोट ने कहा, ''नाक में फ्रेक्चर दुनिया का अंत नहीं है। किलियन जल्द ही हमारे साथ खेलते हुए दिखेंगे।'' वहीं विलियम सलीबा ने कहा कि उन्होंने एमबापे से बात की जो अब पहले से बेहतर महसूस कर रहे हैं। फ्रांस के ऑस्ट्रिया के खिलाफ हुए ग्रुप डी मुकाबले में एमबापे प्रतिद्वंदी टीम के डिफेंडर केविन डान्सो से टकरा गये थे जिससे उनकी नाक में फ्रेक्चर हो गया था। फ्रांसीसी प्रशंसकों को उम्मीद है कि एमबापे यूरो 2024 के आगे के हिस्से में खेलेंगे क्योंकि ऑस्ट्रिया पर जीत से फ्रांस के 29 जून से शुरू होने वाले नॉकआउट चरण में पहुंचने की पूरी संभावनाएं हैं।वहीं टीम के एक खिलाड़ी रैबियोट ने कहा कि वह नहीं जानते कि एमबापे कब तक बाहर रहेंगे पर कहा कि उसके बिना मैच में उतरना कठिन रहेगा ।

रोमांचक मुकाबले में आखिरी ओवर में दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को सात रन हराया

ग्रॉस आइलेट, 21 जून (एजेंसियां)।

क्विंटन डिकॉक (65) और डेविड मिलर (43) रनों की शानदार पारियों और उसके बाद गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने शुक्रवार को टी-20 विश्वकप के सुपर आठ ग्रुप दो के मुकाबले के आखिरी ओवर में इंग्लैंड को सात रन से हरा दिया।

164 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। इंग्लैंड ने दूसरे ओवर में 15 के स्कोर पर अपना पहला विकट फिल सॉल्ट (11) के रूप में गवां दिया। उसके बाद 11वें ओवर में 61 स्कोर पहुंचने तक इंग्लैंड के तीन और बल्लेबाज आउट हो गये। कप्तान जॉस बटलर (17), जॉनी बेयरस्टो (16) मोईन अली (9) रन बनाकर आउट हुए। ऐसे सकंट के समय हैरी ब्रूक और लियम लिविंगस्टन ने इंग्लैंड की पारी को संभाला। दोनों के बीच पांचवें विकेट के लिए 78 रनों की साझेदारी हुई। 18वें ओवर में कगिसो रबाडा ने लियम लिविंगस्टन को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा।

लिविंगस्टन ने 17 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाते हुए 33 रनों की पारी खेली। हैरी ब्रूक ने 37 गेंदों में सात चौकों की मदद से (51) रन बनाये। उन्हें एनरिच नॉर्टे ने 20वें ओवर की पहली गेंद पर आउट किया। यह मैच का टर्निंग प्वांइट साबित हुआ। इसके साथ ही इंग्लैंड के मैच जीतने की संभावनाएं धूमिल हो गई। सैम करन 10 रन बनाकर नाबाद रहे। इंग्लैंड 20 ओवर में छह विकेट पर 156 रन ही बना सका और सात रन से मुकाबला हार गया।

दक्षिण अफ्रीका की ओर से कगिसो रबाडा और केशव महाराज ने दो-दो विकेट लिये। ऑटनील बार्टमैन और एनरिच नॉर्टे ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले क्विंटन डिकॉक (65) और डेविड मिलर (43) रनों की पारियों के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को जीत के लिए 164 रनों का लक्ष्य दिया था। डैरेन सैमी नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में इंग्लैंड के कप्तान जॉस बटलर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है। बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिये 86 रन जोड़े। 10वें ओवर में मोईन अली ने रीजा हेंड्रिक्स (19) को आउट कर इंग्लैंड को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद तो दक्षिण अफ्रीका की पारी लड़खड़ा गई। 12वें में जोफ्रा आर्चर ने क्विंटन डिकॉक को आउट कर दक्षिण अफ्रीका को दूसरा झटका दिया। डिकॉक ने 38 गेंदों में चार चौके और चार छक्के लगाते हुए (65) रनों की पारी खेली। 14वें ओवर में जॉस बटलर ने हाइनरिक क्लासन (8) को रनआउट किया। इसके बाद डेविड मिलर एक छोर थामे रहे। कप्तान एडन मारक्रम (1) और मार्को यानसन (शून्य) पर आउट हुये। 20वें ओवर में जोफ्रा आर्चर ने डेविड मिलर को ब्रूक के हाथों कैच आउट कराया। मिलर ने 28 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाते हुए 43 रनों की पारी खेली। ट्रिस्टन स्टब्स (12) और केशव महाराज (5) रन बनाकर नाबाद रहे। दक्षिण अफ्रीका ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 163 का स्कोर खड़ा किया। इंग्लैंड की ओर से जोफ्रा आर्चर ने तीन विकेट लिये मोईन अली और आदिल रशीद को एक-एक विकेट मिला।

सोशल मीडिया से गोपनीयता हुई प्रभावित : ब्रेट ली

क्राइस्टचर्च, 21 जून (एजेंसियां) ।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने कहा कि सोशल मीडिया के आने के बाद मोबाइल कैमरा सबसे अच्छी और सबसे खराब चीज बन गयी है। ली ने कहा कि साल 2000 के दशक की शुरुआत में जब फोन आए थे, लोग आपके साथ एक फोटो लेते थे। एक ऑटोग्राफ और एक तस्वीर होती थी। साल 2015 और 2020 के मध्य में अब क्या होता है कि खिलाड़ी हमेशा शो में रहते हैं।

कोई भी जो किसी लीग में खेल रहे हैं, वे हमेशा शो में रहते हैं, वे डिनर के लिए बाहर जाते हैं। ली ने कहा कि फोन कैमरा की अच्छी बात यह है कि आप अपने परिवार और दोस्तों के साथ खूबसूरत यादें कैद कर सकते हैं पर इससे हमारी गोपनीयता प्रभावित हुई है। अगर आप अपने परिवार, अपने प्रियजनों, दोस्तों के साथ डिनर कर रहे हैं अचानक ही कोई एक तस्वीर ले लेता है और यह तुरंत पूरी दुनिया में फैल जाती है। अब, आपको भी इससे निपटने और इसे स्वीकार करने में सक्षम होना होगा।

वहीं पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर माइकल बेवन ने कहा कि सोशल मीडिया युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है। बेवन ने कहा कि युवा पीढ़ी सोशल मीडिया का अधिक उपयोग करती है इससे उनके करियर पर प्रभाव पड़ेगा। उन्हें यह निर्णय लेना होगा कि वे टिप्पणियां पढ़ना चाहते हैं या कितना पोस्ट करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मैं कल्पना कर सकता हूं कि आधुनिक समय के कुछ खिलाड़ियों के लिए यह आसान नहीं रहेगा। दूसरी ओर न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर रॉस टेलर ने टेलर ने कहा कि आजकल सोशल मीडिया के कारण सभी की नजरें खिलाड़ियों पर रहती हैं इसलिए सभी बातों का ध्यान रखना जरुरी है। टेलर सोशल मीडिया से हो रही इस निगरानी को गलत भी नहीं मानते।

कमिंस टी20 विश्वकप में हैट्रिक लगाने वाले दूसरे ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज बने

नॉर्थ साउंड, 21 जून (एजेंसियां) ।

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने बांग्लादेश के खिलाफ टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर आठ मुकाबले में हैट्रिक लेने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। कमिंस ने इस मैच में लगातार तीन गेंदों पर विकेट लेकर बांग्लादेश की बल्लेबाजी को ढ़हा दिया।

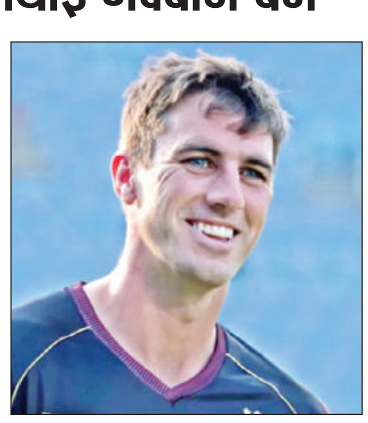

कमिंस ने तीसरे ओवर की पांचवीं गेंद पर महमूदुल्लाह को क्लीन बोल्ड कर दिया। इसके बाद अगली गेंद पर मेहदी हसन को एडम जम्पा के हाथों कैच कराया। इसके बाद अगले ही ओवर की पहली ही गेंद पर कमिंस ने तौहीद हृदय को पेवेलियन भेजकर अपनी हैट्रिक पूरी की। यह पारी का 20वां ओवर था। कमिंस ने इस मैच में 4 ओवर में 29 रन देकर तीन विकेट लिए। यह टी20 विश्वकप इतिहास में सातवीं बार है जब किसी गेंदबाज ने इस प्रकार से हैट्रिक लगायी है। विश्वकप में पहली हैट्रिक ऑस्ट्रेलिया के ही ब्रेट ली के नाम है। ब्रेट ली ने भी ये हैट्रिक साल 2007 में बांग्लादेश के खिलाफ लगायी थी। इस प्रकार कमिंस टी20 विश्वकप में हैट्रिक लगाने वाले दूसरे ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज हैं।

टी20 विश्व कप इतिहास में केवल पांच टीमों के गेंदबाज के नाम ही हैट्रिक हैं। इनमें से दो-दो गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया और आयरलैंड के हैं। ऑस्ट्रेलिया की ओर से ब्रेट ली के बाद ये कारनामा कमिंस ने किया है। जबकि आयरलैंड की ओर से कर्टिस कैम्फर और जोशुआ लिटिल ने हैट्रिक लगायी है। इसके अलावा श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा, दक्षिण अफ्रीका के कैगिसो रबाडा और यूएई के कार्तिक मयप्पन ने भी हैट्रिक लगायी है।

भारतीय कप्तान ने सूर्या-हार्दिक को दिया अफगानिस्तान पर जीत का श्रेय

ब्रिजटाउन, 21 जून (एजेंसियां) ।

भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 विश्व कप में सुपर-8 मुकाबले में अफगानिस्तान पर 47 रनों की जीत दर्ज करने के बाद सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पांड्या के बीच 60 रनों की साझेदारी को श्रेय दिया।

दोनों बल्लेबाजों ने 11वें ओवर में मध्यक्रम में मिलकर पांचवें विकेट के लिए महत्वपूर्ण साझेदारी की और टीम को 150 रनों के पार पहुंचाया।

सूर्यकुमार ने 28 गेंदों पर तीन छक्कों और पांच चौकों की मदद से 53 रनों की पारी खेली, जबकि हार्दिक पांड्या ने 32 रन बनाए, जिससे भारत ने 20 ओवर में 181/8 का स्कोर बनाया।

रोहित ने मैच के बाद कहा, मुझे लगता है कि हर कोई जो मैदान पर आकर अपना काम कर रहा है, वह हमारे लिए महत्वपूर्ण है और हम इस पर ध्यान देते हैं। इसलिए हम इस बारे में बात करते रहते हैं कि अगर हर कोई अपनी भूमिका निभा सकता है, तो हम अपने लिए एक अच्छा मंच तैयार कर सकते हैं।

उस समय सूर्या और हार्दिक की साझेदारी हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण थी क्योंकि हम लगातार विकेट खो रहे थे। इसलिए हमें किसी ऐसे खिलाड़ी की जरूरत थी जो क्रीज पर रहे। सूर्या ने हार्दिक पांड्या के साथ मिलकर ऐसा किया और अंत में यह एक शानदार साझेदारी रही।

182 रनों का पीछा करते हुए, जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह ने तीन-तीन विकेट चटकाए और अफगानिस्तान को 20 ओवरों में 134 रनों पर समेट दिया।

बुमराह ने अपने चार ओवरों में 3-7 के शानदार आंकड़े के साथ वापसी की और रहमानुल्लाह गुरबाज (11), हजरतुल्लाह जजई (2) और नजीबुल्लाह जादरान (19) के महत्वपूर्ण विकेट लिए।

रोहित ने कहा कि बुमराह अपनी भूमिका को अच्छी तरह समझते हैं और हमेशा चुनौती लेने के लिए तैयार रहते हैं।

कप्तान ने कहा, हम उसकी क्लास जानते हैं। हम जानते हैं कि वह हमारे लिए क्या कर सकता है और हमारे लिए यह भी महत्वपूर्ण है कि हम उसका समझदारी से इस्तेमाल करें।

भारत ने अपने स्पिन आक्रमण को मजबूत करने के लिए कुलदीप यादव को अपनी प्लेइंग 11 में शामिल किया और इस कदम से टीम को फायदा भी मिला। रोहित ने भी इस तथ्य को स्वीकार किया और कहा कि वे परिस्थितियों के अनुसार बदलाव करेंगे।

गत चैम्पियन इटली को हराकर स्पेन यूरो 2024 के नॉकआउट में, इंग्लैंड-डेनमार्क का मैच 1-1 से ड्रॉ रहा

गेलसेनकिरचेन, 21 जून (एजेंसियां) ।

तीन बार की यूरोपीय चैम्पियन स्पेन ने मौजूदा चैम्पियन इटली को 1-0 से हराकर यूरो फुटबॉल चैम्पियनशिप 2024 के नॉकआउट चरण में प्रवेश कर लिया। रिकार्डो कालाफियोरी के 55वें मिनट में किए गए आत्मघाती गोल से स्पेन को जीत तोहफे में मिली। स्पेन ने हालांकि पूरे मैच में शानदार प्रदर्शन किया। इटली के कोच लूसियानो स्पालेत्ती ने हार के बाद कहा, वे जीत के हकदार थे। हम मैच में कभी थे ही नहीं। प्रदर्शन में काफी अंतर था। स्पेन पिछले तीन विश्व कप से जल्दी बाहर होता आया है। वहीं पिछली यूरो चैम्पियनशिप में उसे इटली ने सेमीफाइनल में पेनल्टी शूटआउट में हराया था। दो मुकाबले रहे थे ड्रॉ ग्रुप सी के मैच में इंग्लैंड ने डेनमार्क से 1-1 से ड्रॉ खेला। इंग्लैंड की ओर से कप्तान हैरी केन ने 18वें मिनट में बेहतरीन गोल दागा। इसके बाद डेनमार्क की ओर से मोर्तेन जुलमंड ने 34वें मिनट में गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। वहीं सर्बिया और स्लोवेनिया का मैच भी 1-1 से ड्रॉ रहा। स्लोवेनिया की ओर से जान कार्निचनिक ने 69वें मिनट में गोल दाग अपनी टीम को 1-0 से आगे कर दिया था। इसके बाद 90+5वें मिनट यानी इंजरी टाइम में सर्बिया के लुका जोविच ने गोल दाग स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। स्कॉटलैंड से 1-1 से मुकाबला रहा बराबर जेरदान शकीरी, यह फुटबाल की दुनिया का वह नाम जिसने स्विटजरलैंड को बड़े मंच पर प्रतिष्ठा दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। शकीरी ने यही काम स्कॉटलैंड के खिलाफ भी किया। जब सभी कह रहे थे कि यह 32 वर्षीय फुटबॉलर चुक गया है, तभी उन्होंने ऐसा चमत्कारी गोल कर स्विटजरलैंड को बराबरी दिलाई, जिसने पूरी दुनिया का ध्यान उनकी ओर खींच लिया। बॉक्स के बाहर, लगभग 20 मीटर की दूरी से उन्होंने ऐसा लेफ्ट फुटर जड़ा कि गेंद की गोलकीपर एंगस गन को छकाते हुए गोल के शीर्ष कोने में समा गई।

इस गोल की बदौलत स्विटजरलैंड ने स्कॉटलैंड से 1-1 से ड्रॉ खेला। ग्रुप ए में उसके चार अंक हो गए हैं। वह शीर्ष पर मौजूद मेजबान जर्मनी से पीछे है। इससे पहले जर्मनी ने जमाल मुसियाला और इल्के गुंडोगन के गोल की बदौलत हंगरी को 2-0 से हराया। जर्मनी इस जीत के साथ नॉकआउट दौर में प्रवेश करने वाली पहली टीम बन गई थी।

स्थानापन्न खिलाड़ी जोविच ने सर्बिया को हार से बचाया, इंजरी समय में दागा गोल मैच ड्रॉ पर समाप्त

म्यूनिख । अपने पहले मैच में डेनमार्क से ड्रॉ खेलने वाली स्लोवेनिया की टीम अपना अंतिम ग्रुप मैच इंग्लैंड के खिलाफ खेलेगी, जबकि इसी दिन सर्बिया की भिड़ंत डेनमार्क से होगी। स्थानापन्न खिलाड़ी लुका जोविच के इंजरी टाइम में दागे गोल की बदौलत सर्बिया ने यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो 2024) में स्लोवेनिया को 1-1 से बराबरी पर रोका दिया। इसके साथ ही स्लोवेनिया की टीम यूरोपीय चैंपियनशिप में पहली जीत दर्ज करने से भी महरूम रह गई। सर्बिया को अपने पहले मैच में इंग्लैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। जेन कार्निकनिक ने 69वें मिनट में स्लोवेनिया को बढ़त दिलाई और ऐसा लग रहा था कि टीम ऐतिहासिक जीत दर्ज करने में सफल रहेगी लेकिन जोविच ने इंजरी टाइम में गोल दागकर स्कोर 1-1 कर दिया। जोविच के गोल से सर्बिया के दर्शक खुशी से झूम उठे लेकिन उन्होंने मैदान पर चीजें भी फेंकनी शुरू कर दी। गोल होने के बाद खेल शुरू होते ही रेफरी ने मैच खत्म होने का इशारा करने वाली सीटी बजा दी जिसके बाद स्लोवेनिया के खिलाड़ियों के चेहरों पर निराशा साफ देखी जा सकती थी। अपने पहले मैच में डेनमार्क से ड्रॉ खेलने वाली स्लोवेनिया की टीम अपना अंतिम ग्रुप मैच इंग्लैंड के खिलाफ खेलेगी, जबकि इसी दिन सर्बिया की भिड़ंत डेनमार्क से होगी।

संपादकीय

रेल हादसों के सबक

बीते दिनों पश्चिम बंगाल में जो रेल दुर्घटना हुई थी, उसमें 10 लोगों को अपनी जिंदगी खोनी पड़ी। कंचनजंगा एक्सप्रेस ट्रेन सियालदाह जाने वाली थी, लेकिन मालगाड़ी ने पीछे से टक्कर मारी और बहुत कुछ ध्वस्त हो गया। पीछे की दो बोगियां मलबा बन गईं। कुछ बोगियां पटरी से नीचे उतर कर पलट गईं। घायलों की संख्या भी 50-60 बताई गई थी। हम उनके स्वस्थ होने और अपने-अपने घर लौटने की दुआ करते हैं। दुर्घटना कोई भी हो, विध्वंस होती है। बीते साल ओडिशा के बालासोर में इतनी भयानक दुर्घटना हुई थी कि प्रधानमंत्री मोदी घटनास्थल पर गए थे। रेल मंत्री का तो यह फर्ज बनता है। उसकी तुलना में इस बार मृतकों की संख्या बहुत कम है। बालासोर हादसे के बाद यही त्रासदी सामने आई है। दुर्घटना की शुरुआती रपटें इसे 'मानवीय चूक' करार दे रही हैं। संभव है कि ऐसा ही हो, लेकिन रेलवे सुरक्षा आयुक्त की सम्यक जांच के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकता है कि टक्कर का बुनियादी कारण क्या था? जांच में यह तथ्य भी विचाराधीन होना चाहिए कि मालगाड़ी का लोको पायलट लगातार चार रातों से सोया नहीं था। यह भी अमानवीय नौकरी है। नियम अधिकतम दो रात लगातार ड्यूटी करने की अनुमति देते हैं। यह भी अमानवीय नियम है। वैकल्पिक लोको पायलटों की व्यवस्था होनी चाहिए। यह कैसे होगा, क्योंकि रेलवे में बीते 10 सालों से करीब तीन लाख पद खाली पड़े हैं। उनमें 21 फीसदी लोको पायलट के पद हैं। उन्हें कब भरा जाएगा? वे तो स्वीकृत और अधिकृत पद हैं, फिर सरकार को इन पदों को भरने में क्या दिक्कत रही है? खुद रेलवे बोर्ड का मानना है कि लोको पायलट की लगातार कई घंटों, दिनों की नौकरी भी बड़े हादसों का बुनियादी कारण है। 'कवच' एक ऑटोमैटिक रेल सुरक्षा सिस्टम है, जिसे स्वदेशी तौर पर ही विकसित किया गया है। सवाल है कि बालासोर रेल हादसे के बाद एक भी रूट किलोमीटर 'कवच' प्रणाली स्थापित क्यों नहीं की जा सकी? इसका जवाब रेल मंत्री देंगे अथवा जांच के बाद कोई यथार्थ सामने आएगा! अभी तक 1465 रूट किमी और 139 रेल इंजनों पर ही 'कवच' स्थापित किया गया है। यह स्थिति फरवरी, 2024 की है और दक्षिण मध्य रेलवे में ही यह व्यवस्था की गई है। बताया जाता है कि कई हजार रूट किमी पर 'कवच' प्रणाली के लिए टेंडर दे दिए गए हैं। वे कब तक इस सुरक्षा प्रणाली को स्थापित कर देंगे, ताकि कोई भी अमूल्य जिंदगी गंवानी न पड़े? 'कवच' ही सुरक्षा की 100 फीसदी गारंटीशुदा व्यवस्था नहीं है। सिग्नल और इंटरलोकिंग सरीखी तकनीकी समस्याएं हैं, जिनके कारण रेलवे टकराव होते हैं और त्रासद हादसे सामने आते हैं। सिग्नल खराब होने की स्थिति में लोको पायलट्स को ट्रेन कैसे चलानी है, इसका पर्याप्त प्रशिक्षण पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोको स्टाफ को आज तक नहीं दिया गया है। ऑल इंडिया रनिंग लोको स्टाफ एसोसिएशन के उपाध्यक्ष एसएस ठाकुर का बयान गौरतलब है कि सिग्नल फेल होने पर जिस वैकल्पिक फॉर्म टीए-912 के जरिए ट्रेनें चलाई जाती हैं, उससे जुड़ा एक नियम यह भी है कि तब तक आगे वाली ट्रेन अगला स्टेशन पार न कर ले, तब तक दूसरी ट्रेन को पिछले स्टेशन से आगे नहीं बढ़ाते हैं। इस बार यह नियम नहीं माना गया, तो गलती से हादसा हो गया। हालांकि बालासोर दुर्घटना के बाद कुछ प्रयास किए गए थे, ताकि ये विसंगतियां कम की जा सकें। सवाल यह भी पूछा जाना चाहिए कि भारतीय रेल की व्यापकता को अपेक्षाकृत सुरक्षित करने के मद्देनजर क्या 'कवच' प्रणाली को कुछ शीघ्रता से स्थापित नहीं किया जा सकता? सवाल यह भी है कि क्या 'वंदे भारत' सरीखी ट्रेन के आकर्षक आधुनिकीकरण पर राजनीतिक और नीतिगत फोकस अधिक है, लिहाजा 'कवच' जैसी प्राथमिकताएं पीछे छूट जाती हैं? क्या रेलवे की सुरक्षा से ऐसे समझौते किए जा सकते हैं? सवाल यह भी वाजिब है कि राष्ट्रीय रेल सुरक्षा कोष में 75 फीसदी फंडिंग कम क्यों की गई? सुरक्षा कोष के पैसे रेल अधिकारी क्यों खर्च कर रहे हैं? रेल हादसे होते हैं, तो ऐसे सवाल भी उठाए जाते हैं।

> दुर्घटना कोई भी हो, विध्वंस होती है। बीते साल ओडिशा के बालासोर में इतनी भयानक दुर्घटना हुई थी कि प्रधानमंत्री मोदी घटनास्थल पर गए थे। रेल मंत्री का तो यह फर्ज बनता है। उसकी तुलना में इस बार मृतकों की संख्या बहुत कम है। बालासोर हादसे के बाद यही त्रासदी सामने आई है। दुर्घटना की शुरुआती रपटें इसे 'मानवीय चूक' करार दे रही हैं। संभव है कि ऐसा ही हो, लेकिन रेलवे सुरक्षा आयुक्त की सम्यक जांच के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकता है कि टक्कर का बुनियादी कारण क्या था? जांच में यह तथ्य भी विचाराधीन होना चाहिए कि मालगाड़ी का लोको पायलट लगातार चार रातों से सोया नहीं था। यह भी अमानवीय नौकरी है। नियम अधिकतम दो रात लगातार ड्यूटी करने की अनुमति देते हैं। यह भी अमानवीय नियम है। वैकल्पिक लोको पायलटों की व्यवस्था होनी चाहिए। यह कैसे होगा, क्योंकि रेलवे में बीते 10 सालों से करीब तीन लाख पद खाली पड़े हैं। उनमें 21 फीसदी लोको पायलट के पद हैं। उन्हें कब भरा जाएगा? वे तो स्वीकृत और अधिकृत पद हैं, फिर सरकार को इन पदों को भरने में क्या दिक्कत रही है? खुद रेलवे बोर्ड का मानना है कि लोको पायलट की लगातार कई घंटों, दिनों की नौकरी भी बड़े हादसों का बुनियादी कारण है।

नेट हो या नीट, सब जगह है चीट

प्रौद्योगिकी से नियंत्रण पा सकते हैं घोटालों पर

डॉ. मोतीलाल गुप्ता 'आदित्य'

पिछले लंबे समय से राज्यों और राष्ट्रीय स्तर पर भर्तियों और दाखिलों के लिए होने वाली परीक्षाओं में गड़बड़ी और पेपर लीक की घटनाएं लगातार सामने रही हैं। पेपर लीक और भर्ती में आदि में होने वाली साजिशें और घोटालों को लेकर हर बार जांच होती है, सरकारी आदेश या अदालत के आदेश से ये परीक्षाएं पुनः आयोजित करवाई जाती हैं। जहां जो भी विपक्ष होता है हर बार राजनीतिक चश्मे से हल्ला गुल्ला मचाता है, लेकिन यह सिलसिला कभी खत्म नहीं होता।

अब जब से अनेक महत्वपूर्ण पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पात्रता परीक्षा और राष्ट्रीय स्तर की नौकरियों के लिए भर्ती परीक्षाएं आयोजित होने लगी हैं, वहां मोटी मलाई के चलते माफिया और अधिक तैयारी के साथ सक्रिय हैं। लगभग सभी परीक्षाओं में हर बार कहीं न कहीं पेपर लीक या नकल कराने, परीक्षा की उत्तर पुस्तिका में बाद में उत्तर भर देने जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं। इसमें हर बार किसी न किसी स्तर पर ऊपर से नीचे तक घोटालेबाज शामिल पाए जाते हैं।

प्रतियोगी परीक्षाओं से पहले की स्थिति तो और भी भयावह थी। ऐसे अनेक राज्य हैं जहां सरकारी नौकरियों में भर्तियां पूरी तरह जाति, मजहब या फिर रिश्वत के आधार पर ही की जाती थीं। उत्तर प्रदेश, हरियाणा, बिहार, बंगाल में किस प्रकार एक ही जाति और मजहब के लोगों को भर्ती किया गया, इसके उदाहरण चौंकाने वाले हैं। ऐसा भी सुनने में आता था कि कई बार राज्यों में अलग-अलग क्षेत्रों के बड़े नेता अपने हिस्से की नौकरियां को बांटकर अपने लोगों को देते थे या बेच देते थे।

आगे चलकर जब मीडिया और सोशल मीडिया अधिक प्रभावित हुआ तो कई नेता भी इसकी पकड़ में आए। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला इसके कारण जेल गए। कई जगह नियुक्तियां रद्द की गईं। पूर्व रेल मंत्री और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और उसके परिवारजनों द्वारा रेलवे में नौकरी के बदले जमीन के मामले की जांच अभी चल ही रही है। यही नहीं वर्तमान नीट परीक्षा के घोटाले के तार भी अब तेजस्वी यादव तक पहुंच गए हैं।

अगर केंद्रीय स्तर की बात करें तो ऐसी घटनाएं न के बराबर ही होती रही हैं। संघ लोक सेवा आयोग कर्मचारी चयन आयोग रेलवे भर्ती बोर्ड बैंकिंग सेवा भर्ती बोर्ड आदि में ऐसी शिकायतें प्रायः: सुनने में नहीं आती। इसका अर्थ यह भी नहीं कि वहां किसी प्रकार का कोई घपला न होता हो। लेकिन पिछले 20-25 वर्ष में कोचिंग कक्षाओं आदि के माध्यम से इस प्रकार के बड़े-बड़े माफिया खड़े हो गए हैं, जो कहीं से भी किसी को भी खरीद कर रिश्वत देकर पेपर लीक से लेकर, विशेष केंद्रों पर नकल करवाने आदि अपराधों को अंजाम देते हैं। सरकार कोई भी हो, हर राज्य में ऐसा हो रहा है। पिछले दिनों राजस्थान में पुलिस भर्ती में एक घोटाला पकड़ में आया था, जहां रिश्वत के माध्यम से घोटाला करके नौकरी में आए सब इंस्पेक्टर जो पुलिस प्रशिक्षण पा रहे थे, वे पकड़े गए और उन्हें नौकरी से हटाया गया।

यहां हम उन मामलों की चर्चा कर रहे हैं, जो प्रकाश में आए, जिनकी जांच हुई। परीक्षाएं रद्द हुई और पुनः परीक्षाएं आयोजित की गईं और अपराधी पकड़े गए। इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं कि जो मामले प्रकाश में नहीं आए, वहां घोटाले नहीं हुए होंगे। यदि ऐसा होता तो माफिया दोबारा कोशिश नहीं करते। हर बार जिस दल की सरकार में पेपर लीक होता है विपक्षी दल उन पर आरोप लगाने लगते हैं। आवश्यकता तो इस बात की है कि ऐसे मामलों के कारणों और निदानों और पीपल लिक और इसमें हो रही घोटाले की रोकथाम पर विचार किया जाए।

जब इस प्रकार की बड़े पैमाने पर परीक्षाएं होती हैं और डॉक्टर, इंजीनियर जैसी उच्च शिक्षा के दाखिले के लिए अथवा कॉलेज के प्राध्यापकों आदि के लिए पात्रता दाखिले की परीक्षाएं आदि होती हैं तो इनमें बहुत बड़े पैसे की रिश्वत मिलती है, इसलिए संगठित माफिया किसी भी स्तर पर परीक्षा आयोजित किए जाने वाले स्कूलों के अध्यापकों, प्राचार्य और कर्मचारियों से लेकर किसी भी स्तर पर कुछ भी करने को तैयार होते हैं। भारी पैसे के लालच में आकर वे ऐसे अपराधों मैं शामिल हो जाते हैं। ऐसी भी अनेक मामले हैं कि जो अपराधी एक बार इन परीक्षाओं के घोटाले में पकड़ा गया गिरफ्तार हुआ वही आगे चलकर भी ऐसे अपराधों में शामिल पाया गया। इसका मतलब उन्हें पुलिस, प्रशासन, न्यायपालिका और किसी सजा का कोई भय ही नहीं है। रिश्वत में मिली करोड़ अर्बन की काली कमाई को वे सजा से बचने के लिए इस्तेमाल कर लेते हैं और फिर इसी अपराध में लग जाते हैं।

अगर पेपर लीक मामले की बात करें तो सामने आता है कि परीक्षा एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा यह प्रश्न पत्र छापने वाली एजेंसियों से शुरू होकर पैकिंग करने वालों, फिर परिवहन द्वारा इसे हजारों परीक्षा केदो तक पहुंचाने और फिर वहां केंद्र में कार्यरत परीक्षा से जुड़े स्कूल प्रबंधन और अधिकारियों आदि के बीच से होकर गुजरता है । इनमें ऐसे भी अनेक परीक्षा केंद्र होते हैं जो बहुत ही दूरस्थ और ग्रामीण अंचल में होते हैं। अब ऐसे हजारों केंद्रों तक प्रश्न पत्र के पहुंचने में कहां कौन अधिकारी कर्मचारी या परिवहन से जुड़ा कोई व्यक्ति गड़बड़ करेगा, इसे पकड़ पाना काफी हद तक असंभव सा लगता है।

> जब इस प्रकार की बड़े पैमाने पर परीक्षाएं होती हैं और डॉक्टर, इंजीनियर जैसी उच्च शिक्षा के दाखिले के लिए अथवा कॉलेज के प्राध्यापकों आदि के लिए पात्रता दाखिले की परीक्षाएं आदि होती हैं तो इनमें बहुत बड़े पैसे की रिश्वत मिलती है, इसलिए संगठित माफिया किसी भी स्तर पर परीक्षा आयोजित किए जाने वाले स्कूलों के अध्यापकों, प्राचार्य और कर्मचारियों से लेकर किसी भी स्तर पर कुछ भी करने को तैयार होते हैं।

फिर शक्तिशाली नकल माफिया के हाथ भी पुलिस से लंबे हैं। नकल करवाने या खाली उत्तर पुस्तिका लेकर उसमें जवाब भरने आदि के लिए वे दूरस्थ विद्यालयों आदि में स्थित परीक्षा केंद्रों को चुनते हैं। ऐसे विद्यालयों में प्राचार्य, शिक्षकों और कर्मचारी आदि को मोटी रकम का लालच देकर नकल माफिया द्वारा परीक्षा घोटालों के लिए तैयार कर लिया जाता है। परीक्षा माफिया के एजेंट महानगरों से लेकर हर जगह ऐसे लोगों को इस प्रकार के परीक्षा केंद्रों में लाने के लिए परीक्षा फॉर्म भरवाते हैं ताकि उन्हें वही केंद्र मिल सके। जैसा कि इस बार गोधरा केंद्र पर हुआ। हालांकि यहाँ पुलिस को पहले से भनक लगने के कारण अपराधी पकड़े गए और घोटाला नहीं हो सका।

सबसे पहले तो परीक्षा केंद्र बनाते समय इस प्रकार के उपाय किए जाएं कि परीक्षा केंद्र दूरस्थ स्थानों के बजाए ऐसे स्थानों पर हों जो शहरों के अंदर या उसके आसपास हों जहां तीव्रता से पहुंचा जा सके और वहां सीसीटीवी कैमरे आदि से और प्रत्यक्ष रूप से भी निगरानी की जा सके। उत्तर प्रदेश सरकार ने अभी इस प्रकार के कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। इस प्रकार के उपायों पर विचार किया जा सकता है कि प्रश्न-पत्र परीक्षा के समय ही नेशनल टेस्टिंग एजेंसी से सीधे परीक्षार्थी के पास पहुंचे और परीक्षा का समय समाप्त होते ही नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के पास पहुंच जाएँ, और उसमें किसी प्रकार का हेरफेर संभव न हो सके।

हो सकता है कुछ वर्ष पूर्व तक यह संभव न हो लेकिन आज के सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में यह कठिन नहीं लगता। सभी परीक्षा केंद्रों पर तीव्र गति इंटरनेट की सुविधा हो और एनडीए की वेबसाइट पर लॉग इन करके परीक्षार्थी अपना टेस्ट दें और समय समाप्त होती ही वह लॉक हो जाए। वहाँ पर भी सभी परीक्षार्थियों के लिए प्रश्नों का क्रम एक जैसा न होकर परीक्षार्थियों के लिए अलग-अलग तरह के कई सेट बनाए जाएं ताकि यदि किसी तरह किसी परीक्षार्थी तक कोई उत्तर पत्र पहुंच भी जाए तो सबकी प्रश्नों का अलग-अलग क्रम होने के कारण वह संभव न हो सके।

परीक्षा आयोजन एजेंसी के अधिकारियों से परीक्षार्थी तक पहुंचने के दौरान प्रश्नपत्र लीक होने को और बाद में प्रश्नों के उत्तर हल करवाने या खाली उत्तर पुस्तिका में उत्तर भरने का समय ही ना हो। इस पर पूरी तरह रोकथाम लग सकती है। ऐसे में अनेक परीक्षाओं में उत्तर पुस्तिकाओं को जांचने का काम भी कंप्यूटर प्रणालियों के माध्यम से किया जा सकता है।

भ्रष्टाचार की अधिक संभावना वही होती है जहां मानवीय हस्तक्षेप होता है। जहां मानवीय हस्तक्षेप न्यूनतम या शून्य होगा तो भ्रष्टाचार भी शून्य हो जाएगा। लेकिन ऐसी स्थितियों में मूल परीक्षार्थी की जगह किसी दूसरे व्यक्ति को बिठाकर घोटाला किया जा सकता है जैसा की विभिन्न परीक्षाओं में होता है। इसके लिए भी प्रौद्योगिकी मदद से कोई रास्ता निकाला जा सकता है।

मुझे लगता है कि राज्यों के स्तर पर और राष्ट्रीय स्तर पर प्रौद्योगिकी की मदद से इस प्रकार परीक्षाओं को आयोजित करवाए जाने पर विचार किया जाना चाहिए। यहां परीक्षा एजेंसी के अध्यक्ष के कंप्यूटर के माध्यम से परीक्षार्थी तक और परीक्षार्थी के कंप्यूटर से सीधे परीक्षा एजेंसी की वेबसाइट/प्रणाली पर उत्तर जाकर लॉक हो जाएगा तो गड़बड़ की कोई संभावना ही नहीं बचेगी। यदि उत्तर ऑब्जेक्टिव किस्म के होंगे तो उनकी जांच भी कंप्यूटर प्रणाली कर सकेगी। देशभर में आए दिन परीक्षाओं के प्रश्न पत्र लीक होने पर रोकथाम लगाने का का ही नहीं इन परीक्षाओं पर होने वाले खर्च को रोकने का यह एक सशक्त माध्यम हो सकता है।

कुछ अलग

घिसी-पिटी क्रांति का इंतजार

आज क्रांति कर देने और देश में बदलाव ले आने की बातें इतनी घिसी पिटी हो गई हैं कि अगवानी करने वाले नारे भोथरे होकर शर्मिंदा हो गए। 'इन्कलाब जिंदाबाद' एक बहुत पुराना, सान चढ़ा, खरा नारा है, अब आसमान की ओर हाथ हिला-हिला कर चिल्लाओ, तो स्वर जिंदाबाद नहीं 'जिंदाबाघ' निकलता है। वक्त बीत जाता है, नारे वहीं खड़े मिलते हैं कि जैसे सडक़ों के बाहर पड़े कूड़े के डम्प, आपके आवागमन को सरपट बना देने वाली अधूरी सडक़ें या अधर में ही छोड़ दिए गए अधबने पुल। लगता है कि, इन्कलाब का जिंदाबाद कह कर उसका दम भरने वाले लोगों को कोई जिंदाबाघ निगल गया है। सदियों से फैले हुए गरीबी, बेकारी और भुखमरी के अंधेरों में उसकी हिंस्र आंखें डरावनी चमक दिखाती हैं और ईमानदारी का जय-जयकार करते हुए हर कदम, हर पल भ्रष्टाचार की तश्तरी आपकी टूटी हुई मेज पर सजा देती है। बदलाव क्या होता है और कैसे आता है? हमने कई बार नैतिकता के अलम्बरदारों को अपना बड़ा बूढ़ा समझ पूछा है। लेकिन जिससे भी पूछा, उसने जब अपनी अलम्बरदारी का लबादा उतार कर अपना असली रूप दिखाया, तो लगा लक्कड़बग्घे अपनी छीलती हुई मुस्कराहट के साथ हमें वही रास्ता दिखा रहे हैं। वह दुलरा कर हमें सत्य, सन्मार्ग, चरित्र और महानता की कन्दीलों के सामने खड़ा कर देते हैं और स्वयं अपने द्वारा बनाई चोर गलियों का राह पकड़ सफलता के किसी पहाड़ को अपनी जेब में डाल लेते हैं। त्याग और बलिदान का उपदेश झाडऩे लगते हैं। इन उपदेशों को झेलते हुए इस देश की भारी भीड़ को पौन सदी हो गई। आज भी बदलाव के सपनों को साकार करने कि लिए वे लोग उन मतदान केन्द्रों के बाहर जुटते हैं जो दुनिया के इस सबसे बड़े लोकतंत्र से सबसे पुराने लोकतंत्र तक फैला है। कोरोना के भय और प्रकोप में जुटते हैं, मौत के सायों को मुंह चिढ़ा कर जुटते हैं। मार्गदर्शकों ने उन्हें समझाया था कि लोकतंत्र में मतपत्र ही तुम्हारा सबसे बड़ा हथियार है। अब मतपेटियों की जगह ईवीएम मशीनें आ गई हैं, वोट पर्ची की जगह ईवीएम पर अंकित नाम या चुनाव चिन्ह पर तुम्हारी अंगुली आ गई। तुमने तो उम्मीदवार का नाम और चुनाव चिन्ह सही चुना, अंगुली भी सही टिकाई, फिर क्यों बाजी हारा। उम्मीदवार तुम्हारे वोट को फर्जी करार देता है। यही पराजित उद्गार हर स्थान से उभरता है, चाहे वह दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र हो या सबसे पुराना लोकतंत्र। तुम चाहे उन्हें अपने भाषणों से जंगल के युवराजों की भेड़-बकरियां कहते रहे, लेकिन बदलाव की इच्छा रखने वालों ने तो सही जगह अंगुली रखी। परिणामों ने पांसा पलट दिया। बाजी उलट दी। वोटरों ने तो जंगल नकारे, अपनी मेहनत के निरंतर शोषण के, बढ़ती भूख की टीस के, महामारी का डर दिखा कर मौत बेचते हुए व्यापारियों के। उन्होंने गद्दियों पर कब्जावर नेताओं को 'आया राम से गया राम' बना दिया। लोकतंत्र में वोटर की समझ तो काम कर गई। कुर्सी को पैतृक विरासत समझ पोषण करने वाले लोग विदा के अंधेरों में गुम हो गए। अब क्या उम्मीद करें 'हमारी गद्दी लाओ, देश बचाओ' की भावुक अपील से पहले करोड़ लोगों के भूखे पेट अपनी रोजी और रोजगार पा सकेंगे। जंगल के युवराजों का डर दिखाने वाले मसीहा भ्रष्टाचार और नौकरशाही के जंगल तंत्र को विदा दे सकेंगे। लेकिन जो इन प्राचीरों से उतर कर आया वह 'राम' नहीं 'श्याम' था, आया राम नहीं, गया राम था। कुर्सी पर जमने के लिए अपेक्षित निर्णय में बहुमत के लिए उन्हें अपने धुरविरोधियों से भी गठजोड़ करना पड़ा तो क्या हानि? प्रश्न तो सत्ता बदलाव का है, उसे हो जाने दो। क्रांति के नारे को फिर हवाओं में से पकड़ लेंगे।

देश दुनिया से

महिलाओं को एकता के सूत्र में पिरोता है योग

> भारतीय संस्कृति में नारी के आदर को महत्व दिया गया है। लगभग सभी धर्मों में नारी सशक्तिकरण का उदाहरण देखने को मिलता है। वैदिक साहित्य में नारी को अत्यंत गरिमामयी स्थान प्रदान किया गया है। धर्म ग्रन्थ वेद महिलाओं को परिवार की सम्राज्ञी कहते हैं। महिलाएं देश की शासिका बनने का अधिकार रखती हैं। वेदों में स्त्री यज्ञीय है अर्थात यज्ञ समान पूजनीय है। वेदों में नारी को ज्ञान देने वाली, सुख-समृद्धि लाने वाली, विशेष तेज वाली, देवी, विदुषी, सरस्वती, इन्द्राणी, उषा (जो सबको जगाती है) इत्यादि अनेक आदर सूचक नाम दिए गए। वेदों में स्त्रियों पर किसी प्रकार का प्रतिबन्ध नहीं है। उसे सदा विजयिनी कहा गया है। प्रत्येक वर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 की थीम/प्रसंग है – महिला सशक्तिकरण के लिए योग। इस वर्ष योग दिवस, महिलाओं के समग्र कल्याण व समग्र विकास की भावना के साथ मनाया जा रहा है।

नारी राष्ट्र का अभिमान है। नारी राष्ट्र के विकास की नींव है। नारी सृष्टि की सुंदरता का अनमोल उपहार है। संस्कृत में एक श्लोक है- यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवताः। अर्थात, नारी की पूजा जहां होती है, वहां देवता निवास करते हैं। भारतीय संस्कृति में नारी के आदर को महत्व दिया गया है। लगभग सभी धर्मों में नारी सशक्तिकरण का उदाहरण देखने को मिलता है। वैदिक साहित्य में नारी को अत्यंत गरिमामयी स्थान प्रदान किया गया है। धर्म ग्रन्थ वेद महिलाओं को परिवार की सम्राज्ञी कहते हैं। महिलाएं देश की शासिका बनने का अधिकार रखती हैं। वेदों में स्त्री यज्ञीय है अर्थात यज्ञ समान पूजनीय है। वेदों में नारी को ज्ञान देने वाली, सुख-समृद्धि लाने वाली, विशेष तेज वाली, देवी, विदुषी, सरस्वती, इन्द्राणी, उषा (जो सबको जगाती है) इत्यादि अनेक आदर सूचक नाम दिए गए । वेदों में स्त्रियों पर किसी प्रकार का प्रतिबन्ध नहीं है। उसे सदा विजयिनी कहा गया है। प्रत्येक वर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 की थीम/प्रसंग है – महिला सशक्तिकरण के लिए योग। इस वर्ष योग दिवस, महिलाओं के समग्र कल्याण व समग्र विकास की भावना के साथ मनाया जा रहा है। महिला सशक्तिकरण के लिए योग एक अद्भुत माध्यम है। योगासन करने से शारीरिक शक्ति, लचीलापन और सहनशक्ति बढ़ती है, जिससे महिलाएं जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए सक्षम होती हैं। योग तनाव, चिंता और अवसाद को कम करने में मदद करता है, जिससे महिलाओं का मन शांत और एकाग्र होता है। योगाभ्यास से आत्मविश्वास बढ़ता है। योगाभ्यास से महिलाएं अपनी क्षमताओं पर विश्वास करने लगती हैं। योगाभ्यास से आत्म-सम्मान बढ़ता है और महिलाएं खुद को स्वीकार करने लगती हैं। योग सकारात्मक सोच को बढ़ावा देता है, जिससे महिलाएं जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना सकारात्मक रूप से कर पाती हैं। योगाभ्यास से आत्मरक्षा की क्षमता विकसित होती है, जिससे महिलाएं खुद को सुरक्षित रख पाती हैं। योग नेतृत्व कौशल विकसित करने में मदद करता है। महिलाओं में शक्ति का संचार करने के लिए निम्नलिखित योगासन इस प्रकार हैं- 1. सूर्य नमस्कार- यह आसन पूरे शरीर को सक्रिय करता है और ऊर्जा प्रदान करता है। 2. वृक्षासन- यह आसन एकाग्रता और संतुलन बढ़ाने में मदद करता है। 3. भुजंगासन- यह आसन रीढ़ की हड्डी को मजबूत करता है और छाती को खोलता है। 4. वीरासन- यह आसन पैरों और घुटनों को मजबूत करता है। 5. अधोमुख श्वानासन- यह आसन पूरे शरीर को खींचता है और तनाव कम करता है। 6. शवासन- यह आसन शरीर और मन को शांत करता है। सरकार और कई गैर-सरकारी संगठन महिलाओं के लिए योग शिविर और कार्यक्रम आयोजित करते हैं। इन शिविरों में महिलाओं को योगासन, प्राणायाम, ध्यान और योग दर्शन सिखाया जाता है। यह महिलाओं को शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से मजबूत बनाता है। यदि आप एक सशक्त महिला

बनना चाहती हैं, तो योग को अपने जीवन का हिस्सा जरूर बनाएं। आज के समय में, योग महिला सशक्तिकरण के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण बनकर उभरा है। योग महिलाओं को शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त बनाता है। योग, रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाता है, जिससे महिलाएं बीमारियों से लड़ने में सक्षम होती हैं। योगासन से शारीरिक संतुलन बेहतर होता है। योग करने से शरीर का वजन नियंत्रित रहता है, जिससे मोटापे और मधुमेह जैसी बीमारियों का खतरा कम होता है। योग आत्म-नियंत्रण की क्षमता को विकसित करता है, जिससे महिलाएं अपने आवेगों पर नियंत्रण रख पाती हैं। योग आंतरिक शांति प्रदान करता है, जिससे महिलाएं जीवन में आने वाले उतार-चढ़ाव का सामना शांतचित्त होकर कर पाती हैं। योग महिलाओं को सामाजिक रूप से भी सशक्त बनाता है। योग महिलाओं को एक साथ लाता है। योग सामुदायिक भावना को बढ़ावा देता है। योग महिला सशक्तिकरण के लिए एक बहुआयामी उपकरण है। अतएव यह महिलाओं को शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाता है। भारतीय महिलाएं, खासकर शहरी क्षेत्रों में, स्वास्थ्य और फिटनेस को लेकर अधिक जागरूक हो रही हैं। योग विभिन्न प्रकार के आसनों और प्राणायाम के माध्यम से महिलाओं को शारीरिक रूप से स्वस्थ रखने में मदद करता है। ध्यान और प्राणायाम के माध्यम से महिलाएं अपने मानसिक स्वास्थ्य में सुधार कर सकती हैं। यह अवसाद, चिंता और अनिद्रा जैसी समस्याओं से निपटने में प्रभावी है। योगाभ्यास के दौरान आत्म-स्वीकृति और आत्म-सम्मान की भावना प्रबल होती है, जो महिलाओं को सामाजिक और व्यक्तिगत चुनौतियों का सामना करने के लिए मजबूत बनाती है। भारतीय समाज में योग का एक गहरा सांस्कृतिक महत्व है। यह एक ऐसी परंपरा है जो पीढ़ियों से चली आ रही है और महिलाओं में इसे लेकर एक विशेष स्थान है। आजकल, योग शिक्षा और प्रशिक्षण केंद्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है। कई महिलाएं योग शिक्षिका बनकर न केवल अपने जीवन को सुधार रही हैं, बल्कि समाज में भी योगदान दे रही हैं। योग केवल शारीरिक अभ्यास नहीं है। यह एक जीवनशैली है जो समग्र विकास को प्रोत्साहित करती है। भारतीय महिलाएं योग के माध्यम से एक संतुलित और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की दिशा में अग्रसर हो रही हैं। यह उन्हें स्वस्थ खान-पान, नियमित व्यायाम, और सकारात्मक सोच की ओर प्रेरित करता है। योग का अभ्यास आत्म-साक्षात्कार और आंतरिक शांति की ओर ले जाता है, जिससे व्यक्ति जीवन में अधिक संतुलित और संतुष्ट महसूस करता है। योग, आयुर्वेद का हिस्सा है। आयुर्वेद विज्ञान एक प्राचीन चिकित्सा प्रणाली है जो प्राकृतिक उपचार पद्धतियों और जीवन शैली पर आधारित है। यह शरीर, मन, और आत्मा के बीच संतुलन बनाए रखने पर जोर देती है। आयुर्वेद में तीन मुख्य दोष (वात, पित्त, कफ) होते हैं, जो शरीर की जैविक ऊर्जाएं हैं। स्वस्थ जीवन के लिए इन दोषों का संतुलन अत्यंत महत्वपूर्ण है। आयुर्वेदिक चिकित्सा में हर्बल औषधियाँ, पंचकर्म (शुद्धिकरण प्रक्रियाएँ), और आहार संबंधी सिफारिशें शामिल हैं।

आप का नजरिया

फैसलों के जज्बात

पिछले चुनावों के बाद और उपचुनावों से पहले हिमाचल मंत्रिमंडल ने कुछ महत्त्वपूर्ण फैसले लेकर सरकार की मंशा और नए अवतरण के साक्ष्य पेश कर दिए हैं। हिमाचल की संरचना में सुक्खू सरकार के प्रभाव और आशय की बुनियाद पर लिए गए निर्णयों में अधिसूचनाओं की रंगत, कई नए पोस्टर बना रही है। खासतौर पर देहरा के संदर्भ में आए फैसलों की चकाचौंध में जज्बात और उमंगों की बरसात की सूचना है। देहरा के कानों में सरकार कह रही है कि वहां लोक निर्माण विभाग का अधीक्षण अभियंता और पुलिस अधीक्षक कार्यालय खुलेगा। कांगड़ा के इस भूखंड पर उपचुनाव का महाभारत यह सुने बिना नहीं रहेगा कि सरकार की इबारत में दो बड़े दफ्तरों का आकार क्या होगा। हिमाचल मंत्रिमंडल पुलिस भर्ती आयु सीमा में एक साल की छूट देकर बाधित प्रक्रिया को वांछित संरक्षण दे रहा है। इसी छूट के तहत 1226 पदों पर भर्ती होनी है। सरकार मेडिकल शिक्षा को सुदृढ़ करते हुए मेडिकल कालेजों में प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर तथा सहायक प्रोफेसर के 22 पद भरने जा रही है। इसी संदर्भ में टांडा मेडिकल कालेज में आपातकालीन चिकित्सा अधिकारियों के आठ पद स्वीकृत करने के अलावा ट्रॉमा सेंटरों को सुदृढ़ करने के लिए भी उपयुक्त नियुक्तियां की जा रही हैं। सरकार अपने लिए व्यस्तता के जो मार्ग चुन रही है, उनमें दो उप समितियों पर भरोसा करना होगा। एक उप समिति पर्यटन प्रोत्साहन के लिए दिशा निर्देश तय करेगी, जबकि दूसरी प्रदेश के संसाधनों में इजाफा करने के लिए अपनी सिफारिशें पेश करेगी। उद्योग मंत्री हर्षवर्धन और उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री की अध्यक्षता में उप समितियां सरकार के मंत्रियों के दायित्व को खंगाल रही हैं। पहले भी पूर्व सरकारों ने इसी तरह की कई मंत्रिमंडलीय उपसमितियों का गठन किया, लेकिन सिफारिशें समय के साथ गुम हो जाती हैं। सबसे अधिक माथापच्ची स्थानांतरण नीति को लेकर होती आई है और कमोबेश हर सरकार ने इसे लेकर कोई न कोई समिति बनाई है। ऐसे में पुनः स्थानांतरण नीति की वकालत में वर्तमान सरकार का पैगाम अभी खामोश है। संसाधन सृजन उपसमिति की शब्दावली में कितना दम है, यह हिमाचल की उम्मीदों का सागर बनती है या उधार की पनाह में प्रदेश सिर्फ कागजी वादों की कुछ रेखाएं और खींच देगा। यह इसलिए कि धूमल सरकार ने पंडित सुखराम को लगभग ऐसी ही समिति के तहत एक खाका बनाने को कहा था। खाका बना भी, लेकिन अमल में फरियादी हिमाचल केवल बजट के घाटों से उबरने के लिए लगातार बढ़ते ऋण बोझ की किस्तें गिनता रहा। ऐसे में संसाधन सृजन के साथ-साथ सरकार की फिजूलखर्ची रोकने के इंतजाम अगर पुख्ता होते हैं, तो ही हम आर्थिक जंजाल से बाहर निकल पाएंगे। आरंभ में सुक्खू सरकार ने कुछ संस्थानों को डिनोटिफाई करके किफायत का चश्मा पहना था, लेकिन जनता की ख्वाहिशों में अब चार चांद लगाने की सियासी मजबूरी सामने आ रही है। यही जल्दबाजी अब देहरा की जमीं पर चांदी उगाने को आतुर है, तो इसे हक की लड़ाई कहें या सत्ता की ईमानदार पेशकश मानें, क्योंकि विपक्ष चुनाव की हसरतों में मीन मेख निकालता रहेगा।

स्टेनली लाइफस्टाइल्स का आईपीओ ओपन हुआ : 25 जून तक बोली लगा सकेंगे रिटेल निवेशक, मिनिमम इन्वेस्टमेंट 14,760

मुंबई,21 जून (एजेंसियां)।

स्टेनली लाइफस्टाइल्स लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफर यानी आईपीओ पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन हो गया है। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 25 जून तक बोली लगा सकते हैं। 28 जून को कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे। स्टेनली लाइफस्टाइल्स लिमिटेड इस आईपीओ के जरिए टोटल 537.02 करोड़ जुटाना चाहती है। इसके लिए कंपनी 200 करोड़ के 5,420,054 नए शेयर इश्यू कर रही है। वहीं, कंपनी के मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल यानी ओएफएस के जरिए 337.02 करोड़ के 9,133,454 शेयर बेच रहे हैं।

मैक्सिमम 520 शेयर के लिए बिडिंग कर सकते हैं रिटेल निवेशक - स्टेनली लाइफस्टाइल्स लिमिटेड ने इस इश्यू का प्राइस बैंड 351-369 तय किया है। रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 40 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 369 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं, तो इसके लिए 14,760 इन्वेस्ट करने होंगे। वहीं, मैक्सिमम 13 लॉट यानी 520 शेयर्स के लिए रिटेल निवेशक अप्लाय कर सकते हैं। इसके लिए निवेशकों को अपर प्राइज बैंड के हिसाब से 191,880 इन्वेस्ट करने होंगे।

ग्रे मार्केट में स्टेनली लाइफस्टाइल्स का प्रीमियम 40.65 प्रतिशत - आईपीओ ओपन होने के पहले कंपनी का शेयर ग्रे मार्केट में 40.65 प्रतिशत यानी 150 प्रति शेयर के प्रीमियम पर पहुंच गया है। ऐसे में अपर प्राइस बैंड 369 के हिसाब से इसकी लिस्टिंग 519 पर हो सकती है। हालांकि, इससे केवल अनुमान लगाया जा सकता है, शेयर की लिस्टिंग की प्राइस ग्रे मार्केट की प्राइस से काफी अलग होती है।

इश्यू का 35 प्रतिशत हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व - कंपनी के इश्यू का 50 प्रतिशत हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए रिजर्व रखा गया है। इसके अलावा करीब 35 प्रतिशत हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स और बाकी का 15 प्रतिशत हिस्सा नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व है। लक्जरी फर्नीचर को डिजाइन और मैन्युफैक्चरर करती है कंपनी स्टेनली लाइफस्टाइल्स लिमिटेड सुपर-प्रीमियम, लक्जरी और अल्ट्रा-लक्जरी फर्नीचर को डिजाइन और मैन्युफैक्चरर करती है। कंपनी की स्थापना 2007 में हुई थी।

न्यूज़ ब्रीफ

आम जनता पर जारी है महंगाई की मार हरी सब्जियों के बाद दाल की कीमतों में लगी आग

नई दिल्ली। जून का महीना सुनते ही सबसे पहले मन में बारिश का ख्याल आता है। बारिश, मानसून ये अभी कई राज्यों से कोसो दूर है। हां, लेकिन बात अगर महंगाई की हो तो आम जनता पर इसका प्रकोप जारी है। जून के महीने में प्याज, हरी सब्जियों, आलू, टमाटर के दाम में बढ़ोतरी हुई। इसके बाद दाल की कीमतों में आई तेजी ने आम जनता पर डबल अटैक किया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में दाल की कीमतों में 1 1 फीसदी का इजाफा हुआ है। वहीं, तूर और उड़द के दाम 3 प्रतिशत बढ़ गए हैं। प्याज की कीमतों में भी 67 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। जून में सबसे महंगा टमाटर हुआ है। लगातार टमाटर की कीमतों में तेजी आ रही है। आइए, हम आपको बताएंगे कि राजधानी दिल्ली में सब्जियों और दालों की कीमतों में कितना इजाफा हुआ है। कितनी महंगी हो गई दाल दाल की कीमतों में लगातार तेजी देखने को मिली है। मिनिस्ट्री और कंज्यूमर अफेयर ने दाल की कीमतों को लेकर आंकड़ें जारी किये हैं। इन आंकड़ों के अनुसार 31 मई को चने दाल की कीमत 86.12 रुपये प्रतिकिलोग्राम थी। अब 19 जून तक इनकी कीमतों में 2.13 फीसदी का इजाफा के साथ इनके दाम 87.96 रुपये हो गया। अगर बात तूर यानी अरहर दाल की करें तो 31 मई को इसका भाव 157.2 रुपये प्रति किलो था , जो 19 जून तक 4.07 रुपये बढ़कर 161.27 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया। जून में मूंग की दाल की कीमतों में मामूली तेजी देखने को मिली है। 31 मई को इनके दाम 118.32 रुपये थे जो 19 जून तक 119.04 रुपये हो गए। उड़द दाल की कीमतों में भी ज्यादा तेजी नहीं आई है। 31 मई को उड़द दाल 125.79 रुपये प्रति किलो थी जो 19 जून तक 126.69 रुपये प्रति किलो हो गई थी। मसूर की दाल में भी मामूली तेजी आई है। 19 जून को इसकी कीमत 94.12 रुपये प्रति किलोग्राम थी जो 31 मई को 93.9 रुपये प्रति किलो थी। आसमान छू रहा है आलू इस महीने आलू की कीमतों में लगभग 8 फीसदी से ज्यादा का इजाफा हुआ है। 31 मई को आलू 29.82 रुपये प्रति किलो के भाव से बिक रहा था जो जून में चढ़कर 32.23 रुपये प्रति किलो हो गया। वर्तमान में राजधानी दिल्ली में आलू की कीमत 30 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। बढ़ गए प्याज के भाव राजधानी दिल्ली में प्याज की कीमतों में 67 फीसदी का इजाफा हुआ है। वहीं, अगर देश के अन्य राज्यों की बात करें तो इसमें करीब 18 फीसदी की तेजी आई। मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 31 मई को तक प्याज के दाम 30 रुपये प्रति किलोग्राम थे, जो 19 जून तक 50 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गए।

हुरुन इंडिया फ्यूचर यूनिकॉर्न से रिकॉर्ड 25 भारतीय स्टार्टअप बाहर, 38 नई कंपनियों को मिली जगह

नई दिल्ली। हुरुन इंडिया फ्यूचर यूनिकॉर्न सूची-2024 में रिकॉर्ड 25 भारतीय स्टार्टअप बाहर हो गए हैं। तब जब देश के फ्यूचर यूनिकॉर्न का कुल मूल्यांकन बढ़कर 58 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। ये सालाना आधार पर 1.8 फीसदी की वृद्धि को दर्शाता है। हालांकि 38 नए स्टार्टअप (फ्यूचर यूनिकॉर्न) इस सूची में पहली बार शामिल हुए हैं। एएसके प्राइवेट वेल्थ हुरुन इंडिया फ्यूचर यूनिकॉर्न सूची-2024 बृहस्पतिवार को जारी की गई। इसके मुताबिक फंडिंग विंटर, वित्तीय नियामकों की ओर से की गई कार्रवाई और उद्यमों की लाभप्रदता के प्रति पूर्वाग्रह की वजह से ये स्टार्टअप बाहर हुए हैं। 25 स्टार्टअप में पांच गजेल (50 करोड़ डॉलर से अधिक मूल्यांकन) और 20 चीता (20 करोड़ डॉलर से अधिक मूल्यांकन) भी शामिल हैं, जिनमें तीन से पांच साल में यूनिकॉर्न बनने की संभावना थी।

नौकरियों में उछाल, अप्रैल में ईपीएफओ के रिकॉर्ड 18.92 लाख नए सदस्य

नई दिल्ली। देश में नौकरियों में उछाल का संकेत मिल रहा है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने इस साल अप्रैल में 18.92 लाख नए सदस्य जोड़े। ईपीएफओ के अस्थायी पेरोल डेटा से पता चलता है कि इस साल मार्च के आंकड़े की तुलना में अप्रैल में 31.29 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पिछले साल के अप्रैल के मुकाबले इस साल अप्रैल में ईपीएफओ के सदस्यों की संख्या में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मंत्रालय ने कहा, सदस्यता में यह उछाल रोजगार के बढ़ते अवसरों, कर्मचारी लाभों के बारे में बढ़ती जागरूकता और ईपीएफओ के आउटरीच कार्यक्रमों की प्रभावशीलता के कारण है। डेटा से पता चलता है कि अप्रैल के दौरान लगभग 8.87 लाख नए सदस्यों ने संगठन में नामांकन कराया है। डेटा का एक उल्लेखनीय पहलू है कि इसमें 18-25 आयु वर्ग का प्रभुत्व है। ये कुल सदस्यों का 55.5 प्रतिशत है। यह संगठित कार्यबल में शामिल होने के लिए युवाओं के रुझान को दर्शाता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भारत में हुई ...

यह 2021 में 14 साल के उच्चतम स्तर 3.83 अरब स्विस फ्रैंक पर पहुंच गया था। गिरावट का मुख्य कारण बॉन्ड, प्रतिभूतियों और विभिन्न अन्य वित्तीय साधनों के माध्यम से रखे गए धन में तेज गिरावट है। आंकड़ों के अनुसार, इसके अलावा, ग्राहक जमा खातों में जमा राशि और भारत में अन्य बैंक शाखाओं के माध्यम से रखे गए धन में भी उल्लेखनीय गिरावट आई है।

स्विस नेशनल बैंक (एसएनबी) को बैंकों द्वारा बताए गए ये आधिकारिक आंकड़े हैं और ये स्विट्जरलैंड में भारतीयों द्वारा रखे गए काले धन की मात्रा का संकेत

नहीं देते हैं। इन आंकड़ों में वह धन नहीं शामिल है जो भारतीयों, एनआरआई या अन्य लोगों ने तीसरे देश की संस्थाओं के नाम पर स्विस बैंकों में रखा हो सकता है। एसएनबी द्वारा 2023 के अंत में स्विस बैंकों की कुल देनदारियों या उनके भारतीय ग्राहकों को बकाया राशियों के रूप में 103.98 करोड़ स्विस फ्रैंक बताए गए हैं।

इनमें ग्राहक जमा में 31 करोड़ स्विस फ्रैंक (2022 के अंत में 39.4 करोड़ स्विस फ्रैंक से कम), अन्य बैंकों के माध्यम से रखे गए 42.7 करोड़ स्विस फ्रैंक (111 करोड़ स्विस फ्रैंक से कम), न्यासों या ट्रस्टों के माध्यम से एक करोड़ स्विस फ्रैंक (2.4 करोड़ स्विस फ्रैंक से कम) और बॉन्ड, प्रतिभूतियों और विभिन्न अन्य वित्तीय साधनों के रूप में ग्राहकों को देय अन्य राशियों के रूप में 30.2 करोड़ स्विस फ्रैंक (189.6 करोड़ स्विस फ्रैंक से कम) शामिल हैं। एसएनबी के आंकड़ों के अनुसार, 2006 में कुल राशि लगभग 6.5 अरब स्विस फ्रैंक के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर थी। इसके बाद 2011, 2013, 2017, 2020 और 2021 सहित कुछ वर्षों को छोड़कर यह ज्यादातर नीचे की ओर ही रही है।

स्विस बैंकों में जमा भारतीयों और भारत की कंपनियों का पैसा साल 2023 के मुकाबले काफी घट गया है। बीते एक साल में इसमें 70 फीसदी की गिरावट आई है, जिसके बाद जमा रकम चार साल के निचले स्तर 1.04 अरब स्विस फ्रैंक (9,771 करोड़ रुपए) पर आ गई। स्विट्जरलैंड के केंद्रीय बैंक ने गुरुवार को यह डेटा जारी किया।

स्विट्जरलैंड के केंद्रीय बैंक द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, स्विस बैंकों में भारतीय ग्राहकों की कुल जमा में लगातार दूसरे वर्ष गिरावट दर्ज की गई है। 2021 में 14 साल के उच्चतम 3.83 अरब स्विस फ्रैंक (359 अरब रुपए) को छूने के बाद, यह गिरावट मुख्य रूप से बॉन्ड, प्रतिभूतियों और विभिन्न अन्य फाइनेंशियल इंस्ट्रूमेंट के माध्यम से रखी गए फंड में तेज गिरावट के कारण आई। इसके अलावा, भारत में ग्राहक जमा खातों और अन्य बैंक शाखाओं के माध्यम से रखी गई धनराशि में भी काफी गिरावट आई है।

स्विस नेशनल बैंक द्वारा 2023 के आखिर में स्विस बैंकों की कुल देनदारियों या उनके भारतीय ग्राहकों को बकाया राशियों के रूप में 103.98 करोड़ स्विस फ्रैंक यानी (9,771 करोड़ रुपए) बताए गए हैं। इनमें ग्राहक जमा में 39.4 करोड़ स्विस फ्रैंक (36.95 अरब रुपए) से कम होकर 31 करोड़ स्विस फ्रैंक (29 अरब रुपए), अन्य बैंकों के माध्यम से रखे गए 111 करोड़ स्विस फ्रैंक (102 अरब रुपए) से कम होकर 42.7 करोड़ स्विस फ्रैंक (40.05 अरब रुपए), न्यासों या ट्रस्टों के माध्यम से 2.4 करोड़ स्विस फ्रैंक (2.26 अरब रुपए) से कम होकर एक करोड़ स्विस फ्रैंक (93.8 करोड़ रुपए) और बॉन्ड, प्रतिभूतियों और विभिन्न अन्य वित्तीय साधनों के रूप में ग्राहकों को देय अन्य राशियों के रूप में 189.6 करोड़ स्विस फ्रैंक (178 अरब रुपए) से कम होकर 30.2 करोड़ स्विस फ्रैंक यानी 22.31 अरब रुपए हो गए हैं।

स्विस नेशनल बैंक के आंकड़ों के अनुसार, साल 2006 में कुल राशि लगभग 6.5 अरब स्विस फ्रैंक (609 अरब रुपए) के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर थी। इसके बाद 2011, 2013, 2017, 2020 और 2021 सहित कुछ वर्षों को छोड़कर यह ज्यादातर नीचे की ओर ही रही है। स्विस बैंक में जमा रुपयों के मामले में सबसे ऊपर यूनाइटेड किंगडम (ब्रिटेन) के नागरिकों का नाम है। इसके बाद अमेरिका और फ्रांस का नंबर आता है। टॉप 10 देशों में इन तीनों देशों के बाद वेस्ट इंडीज, जर्मनी, हांगकांग, सिंगापुर, लक्जमबर्ग और ग्वेर्नसे का नाम आता है। भारत साल 2022 की लिस्ट में 46वें नंबर पर था, लेकिन ताजी लिस्ट में वो 67वें रैंक पर आ चुका है, यानी कि दूसरे देशों के मुकाबले भारतीयों ने कहीं अधिक धन की निकासी की है। इस बीच, बांग्लादेश और पाकिस्तान के नागरिकों के भी धन में कमी आई है।

स्विट्जरलैंड और भारत के बीच कर मामलों में सूचनाओं का आदान-प्रदान 2018 से लागू है। इस प्रक्रिया के तहत साल 2018 से स्विस वित्तीय संस्थानों में खाता रखने वाले सभी भारतीय नागरिकों की विस्तृत वित्तीय जानकारी पहली बार सितंबर 2019 में भारतीय कर अधिकारियों को प्रदान की गई थी और इसका पालन हर साल किया जा रहा है। इसी क्रम में इस साल के आंकड़े जारी किए गए हैं।गौरतलब है कि स्विट्जरलैंड में पहले बैंक की स्थापना वर्ष 1713 में की गई थी। वर्तमान में स्विट्जरलैंड में करीब 400 से अधिक बैंक कार्य कर रहे हैं। इन बैंकों को स्विस फेडरल बैंकिंग एक्ट के गोपनीयता कानून के सेक्शन-47 के तहत बैंक अकाउंट खोलने का अधिकार है। हम जिसे स्विस बैंक कहकर बुलाते हैं, दरअसल वो यूबीएस है, जो 1998 में यूनियन बैंक ऑफ स्विट्जरलैंड और स्विस बैंक कॉरपोरेशन के मर्जर के बाद अस्तित्व में आया था। स्विस बैंक की गिनती दुनिया के टॉप-3 बैंकों में की जाती है।

पहले स्विस ...

माध्यम से सीएचएफ 3 मिलियन (सीएचएफ 2 मिलियन से ऊपर) जमा था। इसमें सबसे ज्यादा फंड सीएचएफ 2,002 मिलियन (सीएचएफ 1,665 मिलियन से ऊपर) बांड, सिक्योरिटी और अन्य फाइनेंशियल इंस्ट्रूमेंट्स के रूप में था।

स्विस नेशनल बैंक (एनएनबी) के मुताबिक, इसके पहले वर्ष 2006 में कुल जमा राशि 6.5 बिलियन स्विस फ्रैंक के साथ अपने रिकॉर्ड लेवल पर थी। इसके बाद वर्ष 2011, 2013, 2017, 2020 और 2021 में बढ़त की तरफ थी, लेकिन भारत में सख्ती होते ही स्विस बैंक से धड़ाधड़ पैसे निकलने लगे।

पूरी दुनिया ...

लाभों के बारे में दुनिया भर में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। यह उस प्राचीन भारतीय प्रथा को मान्यता देने का दिन है, जो मानसिक और शारीरिक कल्याण पर केंद्रित है। सितंबर 2014 में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए उन्होंने प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा था। प्रधानमंत्री मोदी ने योग के कल्याणकारी लाभों तथा स्वास्थ्य के प्रति इसके समग्र दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस उत्सव के लिए 21 जून को आदर्श तिथि बताया, क्योंकि यह कई संस्कृतियों में महत्व रखती है और उत्तरी गोलार्ध में ग्रीष्म संक्रांति का दिन है। इस प्रस्ताव ने गति पकड़ी और संयुक्त राष्ट्र ने दिसंबर 2014 में एक प्रस्ताव पारित कर आधिकारिक तौर पर 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित कर दिया। इस प्रस्ताव को रिकॉर्डतोड़ 175 सदस्य देशों ने समर्थन दिया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि योग ने लोगों को यह एहसास दिलाया है कि उनका कल्याण उनके आसपास की दुनिया के कल्याण से जुड़ा हुआ है। पूरी दुनिया योग की शक्ति को मानती है। विश्व योग को वैश्विक भलाई के लिए एक शक्तिशाली एजेंट के रूप में देखता है। यह लोगों को अतीत के बोझ को ढोए बिना वर्तमान में जीने में मदद करता है। दुनिया भर में योग करने वालों की संख्या हर दिन बढ़ रही है और यह दिनचर्या उनके दैनिक जीवन का हिस्सा बनती जा रही है। पीएम ने कहा, योग करने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। मैं जहां भी जाता हूं, शायद ही कोई (अंतरराष्ट्रीय) नेता हो जो मुझसे योग के लाभों के बारे में बात न करता हो।

पीएम मोदी ने तुर्कमेनिस्तान, सऊदी अरब, मंगोलिया और जर्मनी का उदाहरण देते हुए कहा, कई देशों में योग लोगों के दैनिक जीवन का हिस्सा बनता जा रहा है। ध्यान का यह प्राचीन रूप वहां तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि योग के वैश्विक प्रसार ने इसके बारे में धारणा में बदलाव किया है क्योंकि अधिक लोग इसके बारे में प्रामाणिक जानकारी प्राप्त करने के लिए भारत की यात्रा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम अब उत्तराखंड और केरल जैसे राज्यों में योग पर्यटन देख रहे हैं। लोग भारत आ रहे हैं क्योंकि उन्हें प्रामाणिक योग देखने को मिलता है।

डल झील के किनारे स्थित एसकेआईसीसी (शेर-ए-कश्मीर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र) के परिसर में पहले मुख्य समारोह का आयोजन होना तय था। लेकिन सुबह हुई तेज बारिश के चलते कार्यक्रम को एसकेआईसीसी के हॉल में शिफ्ट किया गया। ऐसे में कार्यक्रम करीब एक घंटे की देरी से शुरू हुआ। हालांकि समारोह के शुरू होने के साथ ही कुदरत भी मेहरबान हुई और बारिश रुकी। इसके बाद डल झील के किनारे उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री के साथ योग कर यादगार पलों के साक्षी बने।

प्रधानमंत्री ने कहा, लोग अब फिटनेस के लिए निजी योग प्रशिक्षकों को नियुक्त कर रहे हैं और कंपनियां अपने कर्मचारियों के लिए मन और शारीरिक फिटनेस कार्यक्रमों में योग को शामिल कर रही हैं। इसने आजीविका के नए रास्ते खोले हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि सेना से लेकर खेल जगत तक ने योग को अपनी दिनचर्या में शामिल कर लिया है। अंतरिक्ष यात्रियों और अंतरिक्ष परियोजनाओं पर काम करने वाले लोगों को भी योग का प्रशिक्षण दिया जाता है क्योंकि इससे उत्पादकता के साथ-साथ सहनशीलता भी बढ़ती है।

कई जेलों में कैदियों को भी योग सिखाया जाता है ताकि वे सकारात्मक चीजें सोच सकें। पीएम मोदी ने इस बात पर संतोष जताया कि जम्मू-कश्मीर के लोग भी योग को अपना रहे हैं जिससे केंद्र शासित प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र को मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, मैं कल से देख रहा हूं कि श्रीनगर और जम्मू-कश्मीर के बाकी हिस्सों में योग लोकप्रिय हो रहा है। यह बड़ी बात है कि 50,000 से 60,000 लोग योग से जुड़े हैं। इससे यहां अधिक पर्यटक आएंगे। इस वर्ष की थीम, स्वयं और समाज के लिए योग है। यह थीम व्यक्तिगत कल्याण और सामाजिक सद्भाव दोनों को बढ़ावा देने में योग की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देती है। 2015 से प्रधान मंत्री ने दिल्ली, चंडीगढ़, देहरादून, रांची, लखनऊ, मैसूर और यहां तक कि न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में कर्तव्य पथ सहित विभिन्न प्रतिष्ठित स्थानों पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोहों का नेतृत्व किया है।

एक करोड़ ...

व्यवस्था की जाएगी। जिस एजेंसी से पेपर प्रिंट कराया जाएगा, परीक्षा नियंत्रक वहां नियमित रूप से निरीक्षण करेंगे। वहां पर मोबाइल या स्मार्ट फोन ले जाने, तस्वीरें लेने, कैमरे से फोटोग्राफी करने

आदि की छूट नहीं मिलेगी। इस काम में लगे लोगों को बाहरी लोगों से मिलने-जुलने की भी मनाही होगी।

अब परीक्षाओं के केंद्रों के चयन के मानक भी कड़े किए जा रहे हैं। वही स्कूल-कॉलेजों और संस्थानों को परीक्षा केंद्र बनाया जाएगा, जिनके रिकॉर्ड अच्छे होंगे। केवल राजकीय माध्यमिक, डिग्री कॉलेज, विश्वविद्यालय, पॉलिटेक्निक, इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज अथवा साफ-सुथरे ट्रैक रिकॉर्ड वाले नामी और सुविधाओं वाले वित्त पोषित शैक्षिक संस्थान ही केंद्र बनाए जाएंगे। सभी केंद्रों के बाहर सीसीटीवी की व्यवस्था अनिवार्य रूप से होगी।

रिक्रूटिंग एजेंसियों के लिए भी कई कड़े मानक तय किए गए हैं। चार अलग-अलग एजेंसियों को रिक्रूटिंग की परीक्षा कराने की जिम्मेदारी दी जाएगी। इसके साथ ही सरकार यह भी तय करने जा रही है कि परीक्षाएं होम रीजन से बाहर हों। यानी परीक्षार्थी को अपनी परीक्षा के लिए अपने गृह मंडल से बाहर जाना होगा। दिव्यांगों और महिलाओं को इसमें रियायत दी जाएगी। पीसीएस समेत सभी परीक्षाएं एक चरण में ही होंगी, लेकिन अगर छात्रों की संख्या 4 लाख से ज्यादा हैं तो उन्हें दो चरणों में कराया जा सकता है।

हाईकोर्ट ने ...

वहीं केजरीवाल के वकील कहते रहे कि फैसले को शालीनता से मान लेना चाहिए। दोनों पक्षों के सुनने के बाद हाईकोर्ट ने कहा की याचिका पर सुनवाई होने तक ट्रायल कोर्ट के आदेश को प्रभावी नहीं माना जाएगा। यानी हाईकोर्ट का जब तक फैसला नहीं आ जाता तब तक केजरीवाल जेल में ही रहेंगे।

राउज एवेन्यू कोर्ट ने कल केजरीवाल को बेल दे दी थी। तब, ईडी की ओर से पेश वकील ने कहा था कि ईडी ने अपनी जांच हवा में नहीं की है। केजरीवाल के खिलाफ ईडी को पुख्ता सबूत मिले हैं। इसके अलावा बेल रिजेक्ट करने का मजबूत आधार यह है कि केजरीवाल ने अभी तक अपने मोबाइल का पासवर्ड नहीं दिया है। उन्हें केस में बेल नहीं मिलनी चाहिए। वहीं केजरीवाल के वकील ने मामले को कल्पना पर आधारित बनाया था। इसके बावजूद कोर्ट ने केजरीवाल को बेल देने का फैसला दिया था।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली शराब घोटाला के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 21 मार्च को अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया गया था। 1 अप्रैल को उन्हें तिहाड़ में डाला गया था। फिर 10 मई को उन्हें चुनावों के लिए 21 दिन जमानत मिली थी और 2 जून को फिर से तिहाड़ पहुंच गए थे। 19 जून को उनकी न्यायिक हिरासत को 3 जुलाई तक बढ़ा दिया गया था।

ईडी ने आरोप लगाया है कि शराब विक्रेताओं से प्राप्त रिश्वत का इस्तेमाल गोवा में आम आदमी पार्टी (आपा) के चुनावी अभियान के लिए किया गया था और पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक होने के नाते केजरीवाल व्यक्तिगत रूप से और अप्रत्यक्ष रूप से धन शोधन के अपराध के लिए उत्तरदायी हैं।

चुनाव आयोग ने ...

प्रदेश में विधानसभा चुनाव कराने की तैयारियों की घोषणा कर सकता है।

हरियाणा, झारखंड और महाराष्ट्र राज्यों में मौजूदा विधानसभाओं का कार्यकाल क्रमशः 3 नवंबर, 26 नवंबर 2024 और जनवरी 2025 को समाप्त होने जा रहा है। लिहाजा, इन विधानसभाओं के चुनाव कार्यकाल पूरा होने से पहले कराया जाना आवश्यक है।इसके अलावा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के बाद जम्मू कश्मीर की नवनिर्वाचित सरकार बनाने के लिए विधानसभा चुनाव भी कराए जाने हैं। आयोग ने कहा, हाल ही में सम्पन्न लोकसभा चुनावों में जम्मू-कश्मीर के लोगों की भारी भागीदारी को देखते हुए, आयोग ने 1 जुलाई 2024 को अर्हता तिथि के रूप में केंद्र शासित प्रदेश में मतदाता सूचियों को अद्यतन करने का भी निर्देश दिया है। संशोधन प्रक्रिया से पहले चुनाव निकाय 25 जून से 24 जुलाई तक जम्मू-कश्मीर और तीन राज्यों में संशोधन-पूर्व गतिविधियां चलाएगा। यह बताना उचित होगा कि पिछले साल सुप्रीम कोर्ट ने भारत के चुनाव आयोग को 30 सितंबर तक जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने का निर्देश दिया है।

गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। जम्मू-कश्मीर के लोग स्थानीय स्तर पर अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करते हैं, उनके माध्यम से आप समस्याओं के समाधान के तरीके खोजते हैं, इससे बेहतर क्या हो सकता है? इसलिए, अब विधानसभा चुनाव की तैयारियां भी शुरू हो गई हैं। वह समय दूर नहीं है जब आप अपने वोट से जम्मू-कश्मीर की नई सरकार चुनेंगे। वह दिन भी जल्द ही आएगा जब जम्मू-कश्मीर एक बार फिर एक राज्य के रूप में अपना भविष्य बेहतर बनाएगा।

जम्मू-कश्मीर में दस साल पहले 2014 में विधानसभा चुनाव हुए थे। इस चुनाव में किसी एक पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिल सका था। इसके बाद 2015 में पीडीपी-भाजपा ने गठबंधन कर प्रदेश सरकार बनाई थी। जून 2018 में भाजपा के समर्थन वापस ले लेने से सरकार गिर गई थी। तबसे जम्मू-कश्मीर में निर्वाचित सरकार नहीं है। 2019 में जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया गया। इसके साथ ही जम्मू कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बदल दिया गया।

फिर तमिलनाडु ....

निर्णय लिया। उन्होंने इसके लिए सत्तानाथान आयोग बनाया। यह राज्य के सभी वर्गों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को देख कर आरक्षण की सलाह देने के लिए

बनाया गया था। इस आयोग की रिपोर्ट के आधार पर ही करुणानिधि की सरकार ने राज्य में पिछड़े वर्ग का आरक्षण 25 प्रतिशत से 31 प्रतिशत, अनुसूचित जातियों और जनजातियों का आरक्षण 16 प्रतिशत से 18 प्रतिशत कर दिया। इसी के साथ राज्य में दिया जाने वाला आरक्षण 49 प्रतिशत पहुंच गया। इसने 50 प्रतिशत का आंकड़ा 1980 में पार किया जब तत्कालीन एआईएडीएमके सरकार के मुखिया एमजी रामचन्द्रन ने राज्य में पिछड़े वर्ग का आरक्षण 31 प्रतिशत से बढ़ा कर 50 प्रतिशत कर दिया। ऐसे में यह आरक्षण 68 प्रतिशत पहुंच गया।

यह आरक्षण लगातार ऐसे ही चलता रहा और इसमें मद्रास हाईकोर्ट के एक फैसले के बाद अनुसूचित जनजातियों के 1 प्रतिशत आरक्षण और जोड़ दिया गया और उन्हें अनुसूचित जातियों से अलग कर दिया गया। इस प्रकार राज्य का आरक्षण 69 प्रतिशत हो गया। इसमें दिक्कत इंदिरा साहनी निर्णय के बाद आना चालू हुई जब सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों के 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा तोड़ने पर रोक लगा दी। तमिलनाडु ने इसके खिलाफ कानूनी लड़ाई भी लड़ी। हालांकि, अदालतों ने उन्हें राहत देने इनकार कर दिया।

इसके बाद तमिलनाडु ने अपने 69 प्रतिशत आरक्षण के निर्णय को बचाने के लिए अपनी विधायी शक्तियों का सहारा लिया। 1993 में तत्कालीन एआईएडीएमके सरकार ने इसके लिए एक कानून पास करने का निर्णय लिया। तब जयललिता राज्य की मुख्यमंत्री थीं। उन्होंने 1993 में तमिलनाडु विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर इस आरक्षण को 69 प्रतिशत कर दिया और फिर इस पर तत्कालीन राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा की मंजूरी भी ले ली। इस 69 प्रतिशत आरक्षण को आगे कोर्ट में चुनौती ना दी जा सके, इसका भी उन्होंने प्रबंध कर दिया।

जयललिता ने इस 69 प्रतिशत आरक्षण वाले कानून को संविधान की नौवीं अनुसूची में डाल दिया। केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा संविधान की नौवीं अनुसूची में डाले जाने वाले कानूनों को तब तक कोर्ट में चुनौती नहीं दी जा सकती जब तक इससे संविधान के मूल ढांचे में बदलाव न हो रहा हो। ऐसे में तमिलनाडु का 69 प्रतिशत आरक्षण लगातार चल रहा है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ म्हारो भाग्यनगर

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 22 जून, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

अग्रवाल शिक्षा समिति में मनाया गया योग दिवस

हैदराबाद, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतवर्ष की सनातन सभ्यता सदैव ही योग को प्राथमिकता देती है। मानव के आध्यात्मिक विकास एवं स्वयं की शक्तियों को जागृत करने का योग अभ्यास अति उत्तम मार्ग है। अनुशासित और निरोगी जीवन के लिए योग के महत्व को विश्व ने भी स्वीकार किया है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शुक्रवार को अग्रवाल शिक्षा समिति ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने हेतु भव्य कार्यक्रम का अयोजन किया। जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक एवं मैनेजमेंट के पदाधिकारी उपस्थित थे। आज यहां समिति द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष प्रमोद केडिया, चेयरमैन ट्रस्ट बोर्ड डॉ श्याम सुंदर, मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. मोहन गुप्ता, मानद मंत्री सीए नवीन कुमार अग्रवाल, भगवती बाई मोंटेसरी स्कूल के कॉरेस्पोंडेंस शेष कुमार गोयल, समिति की एकेडमिक निदेशिका डॉ. सरोज जैन एवं संयुक्त एकेडमिक निदेशक डॉ. राजेश अग्रवाल भी उपस्थित थे। समिति द्वारा संचालित सभी शिक्षण संस्थाओं के प्राचार्य गण, डॉक्टर जी बाबू राव, डॉक्टर डाल पडाल, अमतुल हबीब, उमेश कुमार, प्रीति बाला, आराधना मोदानी, उप प्राचार्या एम रेणुका, पीजी संचालिका प्रोफेसर पल्लवी रंगानाथ, के एल माधुरी और मालती, शिक्षक गण, कर्मचारी गण और विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में उपस्थित रह कर अपना योगदान दिया। सोनम सिंह प्रमाणित योग गुरू ने योग अभ्यास करवाया। इस कार्यक्रम के आयोजन में शारीरिक शिक्षक सुनील शर्मा, आजम एवं स्टेनली का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योगासन करवाती हुई योगा मास्टर्स नेहा अग्रवाल। योग अभ्यास के अवसर पर उपस्थित अशोक फाउंडेशन संस्थापक पंकज कुमार अग्रवाल साथ में प्रियंका अग्रवाल, प्रखर अग्रवाल, मोहक अग्रवाल एवं अन्य।

भारतीय स्टेट बैंक में भव्य तरीके से मना अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

हैदराबाद, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय, हैदराबाद ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भव्य तरीके से मनाया। कार्यक्रम में सभी स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। योग सत्र रामकृष्ण मठ के योग गुरुओं के मार्गदर्शन में आयोजित किए गए।

इस अवसर पर बोलते हुए, सीजीएम राजेश कुमार ने कहा कि आयुष मंत्रालय के संचार के अनुसार इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 का विषय स्वयं और समाज के लिए योग है। योग का उद्देश्य स्वयं के साथ रहना है। आसन सिर्फ एक शारीरिक व्यायाम नहीं है बल्कि यह आपके अंदर राहत और शांति की भावना लाता है। यह हमें समभाव बनाए रखने में मदद करता है। आसनों का अभ्यास सांस को मुद्रा/गति के साथ संरेखित करके किया जाता है, जिससे शरीर, मन और सांस एकजुट होते हैं। योग का अभ्यास करने से व्यक्ति को नफरत, ईर्ष्या, लालच, क्रोध, निराशा जैसी नकारात्मक भावनाओं पर काबू पाने में मदद मिलती है और खुशी और प्यार को बढ़ावा देने में मदद मिलती है।

योग तनाव, चिंता, अवसाद और पुरानी बीमारियों जैसे विभिन्न स्वास्थ्य मुद्दों की रोकथाम और प्रबंधन में मदद करता है। योग अक्सर आंतरिक शांति और सद्भाव को बढ़ावा देने से जुड़ा होता है। योग का अभ्यास करके दुनिया भर के लोग एक स्वस्थ और खुशहाल समाज का विकास कर सकते हैं। स्टाफ के परिवार के सदस्यों के लाभ के लिए स्टाफ के आवासीय क्वार्टरों में योग सत्र आयोजित किए गए। एसबीआई लेडीज क्लब, हैदराबाद सर्कल ने एसबीआई एक्जीक्यूटिव एन्क्लेव में महिलाओं के लिए योग सत्र का आयोजन किया।

एसबीआई लेडीज़ क्लब की अध्यक्ष रश्मी सिन्हा ने बैंक की सभी महिलाओं को योग को जीवन शैली के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम बैंक के विभिन्न प्रशासनिक कार्यालयों और क्षेत्रीय कार्यालयों में आयोजित किए गए।

योग गुरु लिवंकर नेथिकर 10 वर्षों से रामकृष्ण मठ में प्रसिद्ध योग प्रशिक्षक हैं और उन्होंने 3000 से अधिक छात्रों को योग स्ट्रीम में प्रशिक्षित किया है। गुरुजी योग के माध्यम से तनाव प्रबंधन और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ योग का महत्व भी सिखाते हैं। योग गुरुओं ने योग के महत्व पर जोर देते हुए सभी स्टाफ सदस्यों को अपने मन और शरीर की समग्र भलाई के लिए प्रतिदिन योग का अभ्यास करने की सलाह दी। योग सत्र का सभी स्टाफ सदस्यों ने भरपूर आनंद लिया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में देबाशीष मित्रा, जीएम (एनडब्ल्यू-2), प्रकाश चंद्र बरोर, जीएम, जितेंद्र शर्मा (डीजीएम और सीडीओ), एलएचओ के वरिष्ठ प्रबंधन अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

विश्व को भारत का एक बहुमूल्य उपहार है योग : अरुण जैन

दक्षिण मध्य रेलवे ने मनाया 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

हैदराबाद, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दक्षिण मध्य रेलवे (दमरे) ने शुक्रवार को इंडोर स्टेडियम, रेलवे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, सिकंदराबाद में 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक दमरे इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। आर. धनंजयुलु, अपर महाप्रबंधक, पी. किशोर बाबू, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी, प्रमुख विभागाध्यक्षों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम की लाइव स्ट्रीमिंग दमरे के सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर भी प्रसारित की गई ताकि क्षेत्र के अन्य कर्मचारी और अधिकारी वर्चुअल मोड के माध्यम से कार्यक्रम देख सकें और भाग ले सकें। इस वर्ष की थीम स्वयं और समाज के लिए योग है और व्यक्तिगत कल्याण को बढ़ाने और बड़े पैमाने पर समाज को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

इस अवसर पर बोलते हुए दमरे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने कहा कि योग विश्व को राष्ट्र का एक उपहार है। उन्होंने कहा कि योग शरीर और मन की शक्ति को समन्वित करता है जिससे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य फिर से जीवंत हो जाता है। महाप्रबंधक ने कहा कि योग केवल एक दिन की गतिविधि नहीं बल्कि दैनिक अभ्यास होना चाहिए। उन्होंने कर्मचारियों को स्वास्थ्य में सुधार और आंतरिक शांति प्राप्त करने के लिए नियमित रूप से योग का अभ्यास जारी रखने की सलाह दी।

प्रसिद्ध योग शिक्षक और आर्ट ऑफ लिविंग सोसाइटी, हैदराबाद के राज्य समन्वयक मुरारी मोहन ने आसन, प्राणायाम, ध्यान और संकल्प आदि के साथ सत्र का संचालन किया, प्रतिभागियों को दैनिक जीवन में योग का अभ्यास करने की शपथ भी दिलाई गई।

मुरारी मोहन ने उपस्थित लोगों से तनाव मुक्त जीवन जीने के लिए प्रतिदिन योगाभ्यास करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि योग उन कर्मचारियों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है जो दबाव या तनावपूर्ण माहौल में काम कर रहे हैं।

कान्हा शांति वनम और हार्टफुलनेस संगठन द्वारा 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह का आयोजन शुक्रवार को हैदराबाद के रंगारेड्डी जिले के कान्हा गांव में किया गया। समारोह में मौजूद लोगों को योग के विभिन्न आसनों का प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर गोपाल बल्दवा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

तेलंगाना में आज हो सकती है भारी बारिश : मौसम विभाग

हैदराबाद, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के आदिलाबाद, कोमारामभीम आसिफाबाद, मंचेरियल, निर्मल, पेद्दापल्ली, जयशंकर भूपालपल्ली जिलों में अलग-अलग स्थानों पर शनिवार को भारी बारिश होने का अनुमान जताया गया है। मौसम विज्ञान केंद्र ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने यहां एक दैनिक रिपोर्ट में कहा है कि अगले पांच दिनों के दौरान राज्य के अलग-अलग हिस्सों में बिजली कड़कने और 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से धूल भरी हवाओं के चलने के साथ बारिश हो सकती है। राज्य में अगले सात दिनों के दौरान कुछ स्थानों या अलग-अलग हिस्सों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान है।

जामबाग मंडल के अंतर्गत खेल परिसर हिंदी नगर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर शुक्रवार को राकेश जयसवाल भाजपा पार्षद जामबाग मंडल ने योगाभ्यास में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में श्रीनिवास यादव, अमरसिंह, काजल, रघु, सविता देवी, रामकृष्ण उपस्थित रहे।

तेलंगाना में 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह में हजारों लोगों ने भाग लिया

हैदराबाद, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
दसवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर शुक्रवार को तेलंगाना में आयोजित समारोहों में महिलाओं और बच्चों समेत हजारों लोगों ने हिस्सा लिया।

इस मौके पर राज्य भर में विभिन्न संगठनों द्वारा योग सत्र आयोजित किए गए, जिसमें योग विशेषज्ञों ने लोगों से बेहतर मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए योग का अभ्यास करने का आग्रह किया। केंद्रीय खनन मंत्री जी किशन रेड्डी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. लक्ष्मण ने हैदराबाद के निजाम कॉलेज मैदान में एबीवी फाउंडेशन और निजाम कॉलेज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। केंद्रीय मंत्री और अधिकारियों ने योग सत्र के दौरान विभिन्न आसन भी किए। तेलंगाना, झारखंड के राज्यपाल और पुडुचेरी के उपराज्यपाल सी पी राधाकृष्णन ने रंगारेड्डी जिले के कान्हा गांव में कान्हा शांति वनम और हार्टफुलनेस संगठन द्वारा आयोजित योग दिवस समारोह में भाग लिया।

अग्र महिला मंच तेलंगाना का वार्षिकोत्सव सम्पन्न

हैदराबाद, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद स्थित अग्रवाल समाज के बैंकेट हाल में अग्र महिला मंच ने अपना वार्षिकोत्सव समारोह भव्य रूप से मनाया। मंच की अध्यक्षा दीपा गर्ग ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत सीमा गर्ग द्वारा समय पर आगमन के गेम से की गई। साथ ही अन्य ज्ञानवर्धक खेलों का भी समावेश रहा। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कंचन अग्रवाल सह मंत्राणी, अग्रवाल समाज के आगमन के साथ ही मुख्य कार्यक्रम आरंभ हुआ। महाराजा अग्रसेन जी को माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित किया गया। अध्यक्षा दीपा गर्ग ने स्वागत भाषण से उपस्थित सदस्यों एवं कंचन जी का सम्मान मोमेंटो व पुष्प गुच्छ भेंट कर किया। संगीता देवड़ा ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया। इसी कड़ी में कंचन जी ने महिलाओं को संबोधित करते हुए अपने हुनर को लेकर जिंदगी में आगे बढ़ने को प्रेरित किया। उन्होंने मंच के कार्यों की सराहना करते हुए समाज देश के लिए अपना योगदान देने पर विचार प्रस्तुत किए। मंत्राणी अंजू गोयल ने मंच के वार्षिक आय-व्यय का ब्योरा एवं कार्य कलापों को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण मोदी जी के पुनः प्रधान मंत्री बनने के उपलक्ष्य में मंच केपदाधिकारियों द्वारा एक लघु नाटिका का मंचन रहा, जिसे उपस्थित सदस्यों द्वारा सराहा गया। इस कार्यक्रम में मंच संचालन मधु गोयल ने किया।रजिस्ट्रेशन का कार्यभार अमिता बगेडिया और सरला जिंदल ने संभाला। तंबोलो गेम मंजू केजरीवाल, सीमा पंसारी द्वारा अन्य गेम्स में सुनीता अग्रवाल, प्रभावती अग्रवाल ने सहयोग दिया। इन सभी खेलों की विजेताओं ललिता टांटिया, सुमन गुप्ता, मोनिका गोयल, पायल मोर, प्रेम लोहिया, निर्मला गाडियां, ममता अग्रवाल, संतोष गर्ग, सीमा कानोडिया, सिंपल अग्रवाल को पुरस्कार प्रायोजक सीमा पंसारी एवं सपना अग्रवाल द्वारा प्रदान किए गए। कार्यक्रम के आरंभ में स्नैक्स, ठंडे पेय पदार्थ एवं मध्यान्ह में स्वादिष्ट भोजन का सभी ने आनंद लिया, नई सदस्यता भी ग्रहण की गई। अंत में शारदा गुप्ता के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन हुआ।

योग क्रांति की मशाल जलाओ, जीवन खुशहाल बनाओ : गंगाधर वानोडे

केंद्रीय हिंदी संस्थान हैदराबाद केंद्र में मनाया गया योग दिवस

हैदराबाद, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा के हैदराबाद केंद्र पर बहुउद्देशीय कक्ष में शुक्रवार को विश्व योग दिवस सभी शैक्षिक एवं प्रशासनिक सदस्यों द्वारा केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक प्रो. गंगाधर वानोडे के मार्गदर्शन में मनाया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय निदेशक प्रो. गंगाधर वानोडे ने सभी सदस्यों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि स्वस्थ्य शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। इसलिए दैनिक जीवन में योग का बड़ा ही महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने विश्व योग दिवस की संकल्पना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में 27 सितंबर, 2014 को योग दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा था। इस प्रस्ताव को 177 देशों का समर्थन प्राप्त हुआ था। तत्पश्चात यूएनओ के महासचिव द्वारा सर्वप्रथम 11 दिसंबर, 2014 को निणर्य लिया तथा घोषणा की कि 21 जून को विश्व योग दिवस मनाने की स्वीकृति प्रदान की जाती है।

2015 से प्रतिवर्ष 21 जून को विश्व योग दिवस का आयोजन किया जाता है। ताकि पूरे विश्व को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जा सके। भारत अपने योग और आयुर्वेद के ज्ञान के कारण ही विश्वगुरु कहलाता है।

आज हमें फिर से अपनी जड़ों और सांस्कृतिक परंपराओं की ओर लौटना होगा। क्षेत्रीय निदेशक प्रो. गंगाधर वानोडे ने कहा कि योग क्रांति की मशाल जलाओ, जीवन खुशहाल बनाओ। उसके पश्चात योग मंत्र के उच्चारण के साथ ही शैक्षणिक व प्रशासनिक सदस्यों द्वारा योगाभ्यास किया गया जिसमें प्राणायाम, सूर्यनमस्कार के साथ ही विभिन्न योग आसनों का अभ्यास किया गया तथा उसे दैनिक जीवन में अपनाने और नियमित अभ्यास की शपथ भी दिलाई गई तथा सभी ने आश्वत किया कि हम अपने दैनिक जीवन में योग को शामिल करेंगे।

इस अवसर पर सह-आयार्च डॉ. फत्ताराम नायक, अतिथि अध्यापक (अनु.) डॉ. पंकज सिंह यादव, कार्यालय अधीक्षक डॉ. एस राधा, डॉ. संदीप कुमार, सजग तिवारी, शेख मस्तान वली, ओम सेक्यूरिटी एजेंसी के संस्थापक वीर भद्रय्या, लक्ष्मण, एस. बसंत राव, इलेक्ट्रीशियन वसीम, सफाई कर्मचारी भानु तथा रमा आदि उपस्थित थे।

योग प्राचीन भारत की एक अमूल्य भेंट है : अमिताभ मुखर्जी

एनएमडीसी ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

हैदराबाद, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी ने 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस इस वर्ष की थीम स्वयं और समाज के लिए योग के अनुसरण में हर्षोल्लास के साथ मनाया। देशभर में फैली सभी परियोजनाओं में 500 से ज्यादा कर्मचारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों ने योग सत्र में भाग लिया, जो कि एनएमडीसी परिवार और उसके बाहर सुस्वास्थ्य, कल्याण और सद्भाव को बढ़ावा देने के एनएमडीसी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।हैदराबाद में एनएमडीसी मुख्यालय में समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें प्रमाणित प्रशिक्षक की देख-रेख में कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों ने योगासन किया। ऐसे ही सत्र देश भर में फैली एनएमडीसी की महत्वपूर्ण खनन परियोजनाओं और क्षेत्रीय कार्यालयों में आयोजित किए गए, जिसमें अधिक से अधिक प्रतिभागिता सुनिश्चित की गई।

इस अवसर पर बोलते हुए अमिताभ मुखर्जी, सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार) ने कहा, योग प्राचीन भारत की एक अमूल्य भेंट है। यह तन और मन, विचार और कार्यकलाप को जोड़ता है और प्रकृति और मनुष्य के बीच समरसता कायम करता है। योग केवल व्यायाम नहीं है, यह स्वयं को एवं आस-पास की दुनिया से एकाकार होने में मदद करता है। एनएमडीसी में हम विश्वास करते हैं कि एक स्वस्थ कार्यबल उत्पादक कार्यबल होता है, और आज का समारोह इस सूत्र के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

एनएमडीसी निरंतर ही स्वस्थ कार्यस्थल बनाने में अग्रणी रहा है, नियमित रूप से अपने कर्मचारियों के लिए फिटनेस कार्यक्रम और वर्कशॉप आयोजित करता आ रहा है। इस वर्ष के थीम को प्रोत्साहित करते हुए एनएमडीसी ने स्वस्थ संस्कृति को बढाबा देने के लिए अपनी परियोजनाओं और क्षेत्रीय कार्यालयों में कर्मचारियों और विद्यार्थियों के लिए विविध इन्टरएक्टिव प्रतियोंगिताओं का आयोजन किया। सीआईएसएफ कार्मिकों से जुडने के लिए बड़ी प्रचालन इकाईओं में योग शिविर का आयोजन किया गया। कर्मचारियों में समरसता और संतुलन बनाए रखने के लिए एनएमडीसी नियमित रूप से अपने कार्पोरेट कार्यालय में योग सत्र का आयोजन करता है। 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन एनएमडीसी के स्वस्थ और सामंजस्यपूर्ण कार्य वातावरण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिससे कि कर्मचारीगण और समुदाय एक संतुलित और संतुष्ट जीवन के लिए योग के फायदों को अपनाए।

भारतीय योग संस्थान का दसवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भारतीय योग संस्थान पब्लिक गार्डन में दसवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। भारतीय योग संस्थान द्वारा पूरे भारतवर्ष तथा जिन देशों में भारतीय योग संस्थान के केंद्र है सभी जगह पर 21 जून को क्षेत्रीय स्तर पर 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह को पूरे उल्लास के साथ बनाने का निर्णय लिया गया था, इसी क्रम में आज हैदराबाद पब्लिक गार्डन में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पूरे उत्साह के साथ मनाया गया, जिसमें 500 से अधिक व्यक्तियों ने भाग लिया, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे 90 वर्षीय बृजलाल तापड़िया, अन्य विशेष अतिथि में वीरामलू, सुधीर कुलकर्णी, एस चारी। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वल एवं सरस्वती वंदना के साथ हुई। उसके बाद योगाभ्यास करवाया गया। मंचीय कार्यक्रम प्रीति एवं नाग शेट्टी द्वारा किया गया। योगाभ्यास में पद्मासन, गहरे लम्बे श्वास, ओम ध्वनि व गायत्री मंत्र उच्चारण भावार्थ सहित, ग्रीवा चालन क्रिया, स्कन्द चालन क्रिया, कटी संचालन क्रिया, घुटना संचालन क्रिया, वेंकटेश्वर वरलु जिला 4 द्वारा करवाया गया, ताड़ासन, वृक्षासन अर्जुन नायक द्वारा करवाया गया, पादहस्तासन, अर्ध चक्रासन योगेंद्र द्वारा करवाया गया, त्रिकोणासन भाग 2, भद्रासन कृष्णा नाई द्वारा करवाया गया। वक्रासन, उष्ट्रासन जगन रेड्डी द्वारा करवाया गया।

शशकासन भाग 2, उत्तानमण्डुकासन, हास्यासन, मकरासन, भुजंगासन भी यादगिरी द्वारा करवाया गया। शलभासन, पवनमुक्तासन नरेंद्र सिंह वालिया द्वारा करवाया गया। सेतुबंधासन, अर्धहलासन व शवासन सत्यनारायण द्वारा करवाया गया। अनुलोम विलोम, कपालभाति शीतली व भ्रामरी प्राणायम, ध्यान एस चारी द्वारा करवाया गया। योग गीत चिंतामणि की टीम द्वारा गाया गया। सुधीर कुलकर्णी ने मुख्य अतिथि व अन्य अतिथियों का सम्मान किया। साथ ही उन्होंने नियमित योग साधना के लाभ बताया कि नियमित योग करने से शरीर में सभी धातु व तत्वों में सम अवस्था बनती है। शरीर के रोग ठीक होते हैं, सभी प्रणालियों सक्रिय बनती है, पाचन सुदृढ़ ,निष्कासन सहज तथा हड्डियां लचीली बनती है, प्राणायाम से प्राण का विचारण ठीक होने पर मन शांत व एकाग्र होता है, आयु दीर्घ होती है, ध्यान में अंतकरण शुद्ध होता है, सकारात्मक सोच बनने से पर-ोपकार के कार्यों में मन लगने लगता है, एक अच्छे समाज व राष्ट्र का निर्माण होता है। प्रतिदिन योगाभ्यास करने से शरीर आरोग्य बनता है मन शांत होता है जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण बनता है। मुख्य अतिथि बृजलाल तापड़िया ने बताया कि नियमित योग करने के साथ-साथ सही योग करना जरूरी है तभी लाभ प्राप्त होता है, विशेष अतिथि वी रामलु ने भी नियमित योग करने के फायदे बताएं, मधुसूदन द्वारा धन्यवाद दिया गया। अंत में प्रार्थना व शांति शांति पाठ किया गया एवं सभी को प्रसाद वितरण किया गया।

स्वस्थ रहने के लिए प्रतिदिन करें योग : पुरूषोत्तम लाला

श्री गायत्री संस्कृत वेद विद्यालय में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

हैदराबाद, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
गायत्री वेद फाउंडेशन द्वारा संचालित श्री गायत्री संस्कृत वेद विद्यालय मोईनाबाद में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर समस्त जन मानस को योग करने का संकल्प दिलाया गया।

विश्व योग दिवस के अवसर पर गायत्री वेद फाउंडेशन के अध्यक्ष पंडित पुरूषोत्तम लाला महाराज ने हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी योग-व्यायाम के साथ संस्कार एवं संस्कृति की विवेचना की। उन्होंने कहा कि योग के माध्याम से न केवल शरीर के अंगों बल्कि मन, मस्तिष्क और आत्मा में संतुलन बनाया जाता है। योग मनुष्य को स्वस्थ बनाता है और दीर्घायु प्रदान करता है।

इसी को बढ़ावा देने के लिए पहला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को पूरे विश्व में धूमधाम से मनाया गया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के दिन करोड़ों लोगों ने दुनिया भर योग किया, जो कि एक रिकॉर्ड था। यही कारण है कि योग से शारीरिक व्याधियों के अलावा मानसिक समस्याओं से भी

निजात पाई जा सकती है। 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रत्येक वर्ष 21 जून को विश्व योग दिवस के रूप में मान्यता दी और 21 जून 2015 को प्रथम अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। प्रथम बार विश्व योग दिवस के अवसर पर 192 देशों में योग का आयोजन किया गया जिसमें 47 मुस्लिम देश भी शामिल थे। इस अवसर पर दिल्ली में एक साथ 35985 लोगों ने योग का प्रदर्शन किया, जिसमें 84 देशों के प्रतिनिधि मौजूद थे और भारत ने दो विश्व रिकॉर्ड बनाकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स'में अपना नाम दर्ज करा लिया।

पहला रिकॉर्ड एक जगह पर सबसे अधिक लोगों के योग करने का बना, तो दूसरा एक साथ सबसे अधिक देशों के लोगों के योग करने का। वर्तमान में योग को शारीरिक, मानसिक व आत्मिक स्वास्थ्य व शांति के लिए बड़े पैमाने पर अपनाया जाता है। उन्होंने कहा कि योग शब्द की उत्पत्ति संस्कृति के युज (वाईयूजे) से हुई है, जिसका मतलब होता है आत्मा का सार्वभौमिक चेतना से मिलन। योग लगभग दस हजार साल से भी अधिक समय से अपनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि योग की प्रामाणिक पुस्तकों जैसे शिवसंहिता तथा गोरक्षशतक में योग के चार प्रकारों का वर्णन मिलता है। मंत्र योग, जिसके अंतर्गत वाचिक, मानसिक, उपांशु आर अणपा आते हैं। हठ योग, लय योग राजयोग के अंतर्गत ज्ञानयोग और कर्मयोग आते हैं।

व्यापक रूप से पतंजलि औपचारिक योग दर्शन के संस्थापक माने जाते हैं। पतंजलि के योग, बुद्धि नियंत्रण के लिए एक प्रणाली है, जिसे राजयोग के रूप में जाना जाता है। पतंजलि के अनुसार योग के 8 सूत्र बताए गए हैं। ये यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान, समाधि इत्यादि हैं। वैदिक संहिताओं के अनुसार तपस्वियों के बारे में प्राचीन काल से ही वेदों में इसका उल्लेख मिलता है। सिंधु घाटी सभ्यता में भी योग और समाधि को प्रदर्शित करती मूर्तियां प्राप्त हुईं। भगवद्गीता में योग के 3 प्रमुख प्रकार बताए गए हैं। वे कर्मयोग, भक्ति योग, ज्ञान योग हैं।

हिन्दू धर्म में साधु, संन्यासियों व योगियों द्वारा योग सभ्यता को शुरू से ही अपनाया गया था, परंतु आम लोगों में इस विधा का विस्तार हुए अभी ज्यादा समय नहीं बीता है। बावजूद इसके, योग की महिमा और महत्व को जानकर इसे स्वस्थ्य जीवनशैली हेतु बड़े पैमाने पर अपनाया जा रहा है, जिसका प्रमुख कारण है व्यस्त जीवन, तनावपूर्ण और अस्वस्थ दिनचर्या में इसके सकारात्मक प्रभाव पाने के लिए योग अभ्यास के दौरान आप श्वास, ध्यान, आसन आदि के जरिए स्वस्थ रहने की कला को सीखते हैं।

इस अवसर पर महासचिव पंडित विशेष शर्मा, एडवोकेट सुरेन्द्र सिंह चौधरी, सीए हरि गोविंद प्रसाद, एडवोकेट संजय अग्रवाल, प्रदीप रेड्डी, पंडित आशीष शर्मा, पंडित जगदीश शर्मा, अक्षय शर्मा, विद्यालय के प्रधान अध्यापक वेद मूर्ति आदित्य पाठक, अध्यापक वेद मूर्ति आकाश शुक्ला एवं समस्त विद्यार्थी गण उपस्थित रहे।

तमिलनाडु में जहरीली शराब से हुई 47 मौतों पर बवाल

विधानसभा के अंदर और बाहर जारी है भारी हंगामा

चेन्नई, 21 जून (एजेंसियां)।
तमिलनाडु के कल्लाकुरिची जिले में अवैध देसी शराब पीने से हुई मौतों के मामले से हड़कंप मचा हुआ है। अब तक 47 लोगों की मौत हो चुकी है। बीमार पड़े लोगों में 30 की हालत गंभीर है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में तो नाराजगी है ही, राजनीतिक गलियारे में भी बवाल मवा हुआ है। चेन्नई में तमिलनाडु विधानसभा के अंदर और बाहर एआईएडीएमके के कार्यकर्ताओं ने इस मुद्दे को लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे विधायकों को हटाने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

सीएम स्टालिन ने इस मुद्दे पर सदन को जानकारी दी। स्टालिन ने कहा कि

तमिलनाडु सरकार ने तुरंत कार्रवाई की है। इसके बाद भी एआईएडीएमके के सदस्य ड्रामा कर रहे हैं। वे विधानसभा के नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। इससे पहले सीएम स्टालिन ने मृतकों के परिवार को 10-10 लाख रुपए और इलाज करा रहे लोगों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक मदद देने का ऐलान किया था। मामले की जांच के लिए पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी गोकुलदास की मौजूदगी वाले एक सदस्यीय आयोग का गठन किया गया था। इसकी रिपोर्ट 3 महीने के भीतर प्रस्तुत की जाएगी।

प्रदर्शन को देखते हुए विधानसभा के परिसर में भारी पुलिस बल तैनात है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष एडप्पादी के पलानीस्वामी ने इस मामले पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की। उन्होंने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के इस्तीफे की मांग की। इससे पहले तमिलनाडु विधानसभा में शुक्रवार को एआईएडीएमके ने प्रश्नकाल के दौरान शराब कांड समेत कई मुद्दे उठाने की मांग की। उन्होंने जमकर हंगामा किया। इसके बाद एआईएडीएमके के सदस्यों को पूरे दिन के लिए सदन से निष्कासित कर दिया गया। हालांकि, कुछ देर बाद ही मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की अपील के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने फैसले को वापस ले लिया।

सरकार की तरफ से बताया गया कि इस मामले में 49 वर्षीय अवैध शराब विक्रेता के. कन्नुकुट्टी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके पास से जब्त की गई करीब 200 लीटर अवैध शराब की जांच में सामने आया कि उसमें घातक मेथनॉल मौजूद था। मामले में गिरफ्तार आरोपियों को 15 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। एआईएडीएमके के अधिवक्ताओं ने मद्रास उच्च न्यायालय से कल्लाकुरिचि मुद्दे पर याचिका दायर की है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने इस घटना की सीबी-सीआईडी जांच का आदेश दिया है। सरकार ने घटना के बाद कल्लाकुरिची के जिलाधिकारी श्रवण कुमार जातावथ का तबादला कर दिया, जबकि पुलिस अधीक्षक समय सिंह मीणा को निलंबित कर दिया है। नौ अन्य पुलिसकर्मियों को भी निलंबित कर दिया गया है, जिनमें कल्लाकुरिची जिले की मद्य निषेध शाखा के भी पुलिसकर्मी शामिल हैं।

भोजशाला के एएसआई सर्वे में हिंदू मंदिर और पाषाण चिह्न

जमीन के नीचे मिली श्रीकृष्ण की प्राचीन मूर्ति

जहां बनाई कमाल मौलाना मस्जिद, वहीं मूर्ति

धार (म.प्र.), 21 जून (एजेंसियां)।
मध्य प्रदेश के धार जिले में स्थित ऐतिहासिक धरोहर भोजशाला में इंदौर हाईकोर्ट के आदेश पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) पिछले तीन महीने से सर्वे कर रहा है। इस दौरान तकनीक से लेकर श्रमिकों की मेहनत से 25 फीट नीचे तक मिट्टी हटाकर प्राचीन अवशेषों और मूर्तियों को निकाला गया है। 20 जून 2024 यानी सर्वे के 91 दिन भी इस भोजशाला के सर्वे के दौरान काले पत्थर पर भगवान कृष्ण की डेढ़ फीट की मूर्ति मिली, साथ ही दो अन्य पुरा-वशेष भी मिले हैं। भोजशाला मुक्ति यज्ञ के पदाधिकारियों ने दावा किया है कि इन अवशेषों पर सनातन धर्म के प्रतीक हैं।

एएसआई ने भोजशाला के उत्तरी भाग में खुदाई की थी। इसी दौरान उन्हें भगवान श्रीकृष्ण की खड़े स्वरूप वाली प्रतिमा मिली। इसके अलावा एक पुरावशेष में सनातन धर्म को चिह्नित करने वाले प्रतीक चिह्न हैं जबकि दूसरे पुरावशेष में दाईं और बाईं तरफ यक्ष बने हुए हैं। इन्हें सारे प्रतीकों को एएसआई द्वारा चिह्नित कर लिया गया है। भोजशाला में भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति से पहले ऐसे पाषाणों के अवशेष मिले हैं जिसमें सूर्य के आठों पहर के चिन्ह बने हुए थे। यह अवशेष 1÷3.5 वर्ग फीट आकार का था

पिछले तीन महीनों से भोजशाला में एएसआई की टीम मेहनत कर रही है। यहां होली से लेकर मतदान वाले दिन भी सर्वे चला है। इस सर्वेक्षण के दौरान खुदाई में मूर्तियों का और शिलालेखों का मिलना लगातार जारी है। पूरे मामले पर 4 जुलाई को इंदौर हाईकोर्ट सुनवाई करेगा। उससे पहले एएसआई सर्वे में जुटाए सबूतों की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी करवाए तैयार है।

उल्लेखनीय है कि इस संबंध में हिंदू पक्ष ने याचिका दाखिल की है कि भोजशाला मां वाग्देवी का मंदिर है। वहीं मुस्लिम पक्ष इसे अपना मजहबी स्थल बताकर सर्वे के खिलाफ बोल रहा है। इस मामले में 11 मार्च को इंदौर हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद सर्वे की अनुमति दी थी। 22 मार्च से सर्वे शुरू हुआ, 1 अप्रैल को मुस्लिम पक्ष इसे रोकने सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, 29 अप्रैल को एए-सआई के आवेदन पर सर्वे की समयसीमा और बढ़ाई गई, अब 4 जुलाई को इंदौर हाईकोर्ट में सर्वे की अंतिम रिपोर्ट को पेश करना है।

भोजशाला विवाद बहुत पुराना विवाद है। हिंदू पक्ष का मत है कि ये माता सरस्वती का मंदिर है जिसकी स्थापना राजा भोज ने सन् 1000-1055 के मध्य कराई थी। सदियों पहले मुस्लिम आक्रांताओं ने इसकी पवित्रता भंग करते हुए यहां मौलाना कमालुद्दीन (जिस पर तमाम हिंदुओं को छल-कपट से मुस्लिम बनाने के आरोप हैं) की मजार बना दी थी जिसके बाद यहां मुस्लिमों का आना जाना शुरू हो गया और अब इसे नमाज के लिए प्रयोग में लाया जाता है। हालांकि हिंदू पक्ष का कहना है कि ये उनका मंदिर ही है क्योंकि आज भी इसके खंभों पर देवी-देवताओं के चित्र और संस्कृत में श्लोक लिखे साफ दिखते हैं। इसके अलावा दीवारों पर ऐसी नक्काशी है जिसमें भगवान विष्णु के कूर्मावतार के बारे में दो श्लोक हैं।

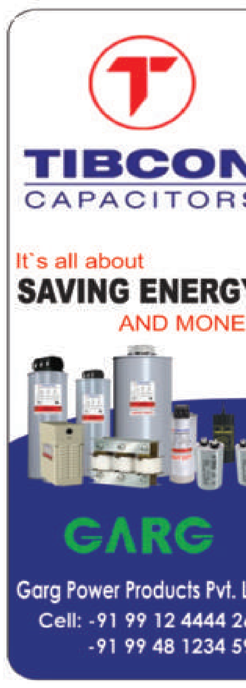

चेन्नूर के पूर्व विधायक बाल्का सुमन गिरफ्तार

मंचिरयाल, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
मंचिरयाल जिले के बीआरएस पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व विधायक बाल्का सुमन एक बार फिर चर्चा में हैं। शुक्रवार को हैदराबाद में बीआरएस विधायक पोचारम श्रीनिवास के घर के पास बाल्का सुमन द्वारा विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया गया। इसी क्रम में बीआरएस नेताओं ने पोचाराम के घर जाने की कोशिश की और पुलिस ने उन्हें रोक दिया। बाल्का सुमन की पुलिस से बहस हो गई। इसी क्रम में पुलिस ने बीआरएस नेताओं को रोका और इलाके में तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई। काफी देर तक बात न मानने पर पुलिस ने बाल्का सुमन समेत कई बीआरएस नेताओं को गिरफ्तार कर लिया। आज जब उन्हें जानकारी मिली कि पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी कांग्रेस पार्टी में शामिल हो रहे हैं तो वह उनके घर पहुंचे और बाल्का सुमन के नेतृत्व में आंदोलन शुरू कर दिया। पोचारम पहले ही सीएम रेवंत रेड्डी के घर पहुंच गए और कांग्रेस पार्टी का दुपट्टा लपेट लिया। लेकिन ऐसा लग रहा है कि इस बार घोषित होने वाले कैबिनेट में पोचरा को मंत्री पद दिया जाएगा।

हैदराबाद में कांग्रेस विधायक की पत्नी ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना में चोप्पाडांडी के कांग्रेस विधायक डॉ. मेदिपल्ली सत्यम की पत्नी रूपा देवी ने कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यहां बताया कि यह घटना गुरुवार रात सिकंदराबाद के अलवाल में पंचशिला कॉलोनी स्थित उनके आवास पर हुई। परिवार के सदस्यों द्वारा दरवाजा तोड़ने के बाद घटना का पता चला।

महिला के आत्महत्या करने के कारणों का समाचार लिखे तक पता नहीं चल पाया है। रूपा देवी विकाराबाद जिले में सरकारी शिक्षिका के रूप में कार्यरत थीं। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

पुलिस उन कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है जिनकी वजह से महिला को अपनी जान देने पर मजबूर होना पड़ा।

सीएम चंद्रबाबू और डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने विधायक के रूप में ली शपथ

अमरावती, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू, डिप्टी सीएम पवन कल्याण और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के अध्यक्ष वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने शुक्रवार को विधानसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली।

चंद्रबाबू नायडू ने सबसे पहले शपथ ली। उन्होंने कसम खाई थी कि जब तक सीएम बन कर नहीं लौटूंगा, विधानसभा में कदम नहीं रखूंगा। प्रोटेम स्पीकर जी. बुचैया चौधरी ने नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाई। चौथी बार मुख्यमंत्री बने नायडू का तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) और उसके सहयोगी जन सेना और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्यों ने जोरदार स्वागत किया। टीडीपी प्रमुख ने जन सेना नेता और अभिनेता पवन कल्याण को गले लगाया, जो पहली बार विधानसभा के लिए चुने गए हैं।

डिप्टी सीएम पवन कल्याण विधायक के रूप में शपथ लेने वाले दूसरे व्यक्ति थे। इसके बाद नायडू के बेटे नारा लोकेश सहित कई मंत्रियों ने शपथ ली, जो विधानसभा में नए चेहरे हैं। मंत्रियों के बाद जगन मोहन रेड्डी ने विधायक के रूप में शपथ ली। वाईएसआरसीपी प्रमुख को शपथ से पहले और बाद में हाथ जोड़कर चंद्रबाबू नायडू और सत्ता पक्ष का अभिवादन करते देखा गया। सत्र शुरू होने के समय जगन मोहन मौजूद नहीं थे। वे विधानसभा परिसर में पांच मिनट देर से पहुंचे। शपथ लेने के बाद वो सदन से बाहर चले गए। बताते चलें कि हाल ही में हुए चुनाव में टीडीपी-जन सेना-बीजेपी गठबंधन ने 175 सदस्यीय विधानसभा में 164 सीटें जीती हैं। पिछली विधानसभा में 151 सदस्यों वाली वाईएसआरसीपी सिर्फ 11 सीटों पर सिमट गई। गठबंधन ने 25 लोकसभा सीटों में से 21 पर भी जीत दर्ज की।

कार्टून कॉर्नर

शेयर मार्केट

बीएसई : 77,209.90
-269.03 -0.35% ↓
एनएसई :23,501.10
-65.90 (-0.28%)↓

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)
सोना : 74,930/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 92,757/-
(प्रति किलोग्राम)

बीआरएस को एक और झटका, पूर्व स्पीकर श्रीनिवास रेड्डी ने थामा कांग्रेस का हाथ

बेटा भास्कर रेड्डी भी बीआरएस छोड़ कांग्रेस में हुआ शामिल

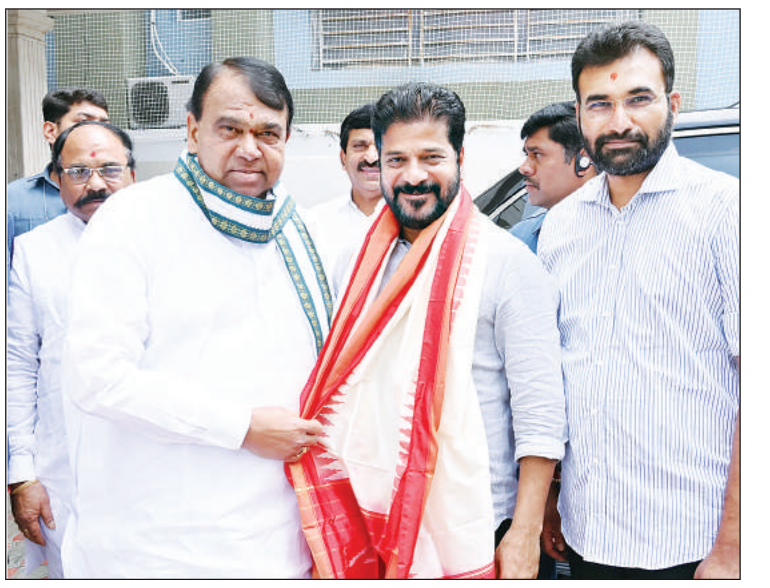

हैदराबाद, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को एक और झटका लगा है। बीआरएस के पांचवें विधायक भी शुक्रवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को बड़ा झटका देते हुए वरिष्ठ नेता और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी ने शुक्रवार को कांग्रेस पार्टी का दामन थाम लिया है। उनके साथ बेटे भास्कर रेड्डी ने भी कांग्रेस की सदस्यता ली।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने व्यक्तिगत तौर पर श्रीनिवास रेड्डी के घर जाकर उन्हें पार्टी में शामिल होने का निमंत्रण दिया। निजामाबाद जिले के बीआरएस विधायक और प्रमुख नेता श्रीनिवास रेड्डी ने निमंत्रण स्वीकार करते हुए रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में काम करने की इच्छा जताई। पूर्व अध्यक्ष ने मीडियाकर्मियों से बातचीत में कहा कि वे ऐसे नेतृत्व के साथ काम करने के लिए तैयार हैं जो काम करता है। उन्होंने पार्टी द्वारा कृषि, किसानों और सिंचाई परियोजनाओं के लिए किए गए कार्यों की सराहना की।

राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के साथ आए मुख्यमंत्री ने पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी और उनके बेटे का कांग्रेस में स्वागत किया। सीएम रेवंत रेड्डी ने पूर्व स्पीकर को भरोसा देते हुए कहा कि उन्हें कांग्रेस पार्टी में उचित स्थान दिया जाएगा। सीएम ने कृषि विकास और किसानों के कल्याण के लिए उनके प्रयासों की भी सराहना की। कांग्रेस सरकार के किसानों के कल्याण के लिए काम करने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वह इस संबंध में श्रीनिवास रेड्डी के सुझावों को ध्यान में रखेंगे। जब मुख्यमंत्री श्रीनिवास रेड्डी के घर के अंदर थे, तो कई बीआरएस नेता वहां उनसे मिलने का प्रयास कर रहे थे। लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। बाल्का सुमन समेत बीआरएस नेताओं को हिरासत में लिया गया। श्रीनिवास रेड्डी बीआरएस सरकार में 2018 से 2023 तक विधानसभा अध्यक्ष और 2014 से 2018 तक कृषि मंत्री रह चुके हैं। वरिष्ठ नेता ने संयुक्त आंध्र प्रदेश में तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) सरकार में दो बार मंत्री के रूप में कार्य किया।

2011 में तेलंगाना को अलग राज्य का दर्जा देने की मांग के समर्थन में वे टीडीपी छोड़कर टीआरएस (अब बीआरएस) में शामिल हो गए थे। उसी साल उपचुनाव में वे बांसवाड़ा निर्वाचन क्षेत्र से फिर से चुने गए। 2023 के चुनाव में श्रीनिवास रेड्डी ने लगातार पांचवीं बार बांसवाड़ा सीट पर अपना दबदबा बनाए रखा। इससे पहले वे 1994 और 1999 में टीडीपी के टिकट पर इसी निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए थे। श्रीनिवास रेड्डी राज्यसभा सदस्य के. केशव राव और पूर्व उपमुख्यमंत्री कादियम श्रीहरि के बाद बीआरएस छोड़ने वाले अब तीसरे नेता बन गए हैं। वह दिसंबर 2023 में कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद कांग्रेस में शामिल होने वाले चौथे बीआरएस विधायक हैं। बीआरएस ने 119 सदस्यीय विधानसभा में 39 सीटें जीती थीं। अब इसकी संख्या घटकर 34 रह गई है। हाल ही में सिकंदराबाद कैंटोनमेंट उपचुनाव में भी यह सत्तारूढ़ पार्टी से हार गई। पिछले महीने लोकसभा चुनाव में बीआरएस को मिली अपमानजनक हार के बाद श्रीनिवास रेड्डी पहले विधायक हैं जिन्होंने पार्टी बदली है। बीआरएस चुनाव में एक भी सीट नहीं जीत पाई।

नायडू ने दो साल सात महीने बाद विधानसभा में किया प्रवेश

विजयवाड़ा, 21 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
विधानसभा में तत्कालीन सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस पार्टी विधायकों द्वारा अपमानित किए जाने के बाद आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने अपनी प्रतिज्ञा के मुताबिक शुक्रवार को विधानसभा में प्रवेश किया।मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने विधानसभा के प्रवेश द्वार के सामने साष्टांग प्रणाम किया। उन्होंने आज दो साल सात महीने के बाद विधानसभा में प्रवेश किया। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा), जन सेना पार्टी (जेएसपी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायकों की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच श्री नायडू ने विधानसभा में प्रवेश किया। दिलचस्प बात यह है कि श्री नायडू ने प्रवेश द्वार के बदले निकास द्वार से विधानसभा में प्रवेश किया, जिसके माध्यम से अपमानित होने के बाद वह गुस्से में विधानसभा से बाहर चले गए थे। उल्लेखनीय है कि 19 नवंबर 2021 को वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के कुछ विधायकों द्वारा तत्कालीन मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी की उपस्थिति में विधानसभा में चंद्रबाबू नायडू और उनकी पत्नी के साथ दुर्व्यवहार किया गया था जिसके बाद वह गुस्से में तमतमाकर विधानसभा के निकास द्वार से बाहर चले आए थे।तेदेपा और वाईएसआरसीपी विधायकों के बीच में 19 नवंबर 2021 को विधानसभा में तीखी नोकझोंक भी हुई थी जब तेदेपा विपक्ष में थी तब उसके पास 23 विधायक थे, जिनमें से चार विधायक पार्टी छोड़कर वाईएसआरसीपी में शामिल हो गए। तब विपक्ष के नेता के रूप में श्री नायडू ने विधानसभा को कौरव सभा के रूप में वर्णित किया और प्रतिज्ञा की थी कि वे विधानसभा में तभी प्रवेश करेंगे जब यह गौरव सभा बन जाएगी।

DAILY शुभ लाभ Classifieds — FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, Army No.15169947F Hav BARNELA BALAMADDIETI, R/o.2-98, Vill:Thimmapuram, Po:Cherukucherla, Dist:Kurnool, Andhra Pradesh-518405 that my name is to be changed from **BARNELA BALAMADDIETI** to **BARNELA BALAMADDILETI** and my son name is to be changed from **YATHISH KUMAR** to **BARINELA YATHISH KUMAR** vide affidavit dt:21-6-2024 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Army No.485827, Rank: Washerman, Name:BALAIAH BAKKAYYA S/o. BAKKAYYA, R/o.H.No.38-16/75, Rohini Colony, Neredmet, Sainikpuri, Hyderabad - 500094 have changed my name from **BALAIAH BAKKAYYA** to **S.BALAIAH** vide affidavit dt:21-6-2024 before IV Spl Metropolitan Magistrate, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, Swapna Deepak Spouse of Army No.JC672982L Sub/Clk Deepak Kumar K.P Of Unit:Supply Depot ASC, Trimulgherry, Secunderabad have changed my name from **SWAPNA DEEPAK** to **SWAPNA K** vide affidavit dt:20-6-2024 before Mohd Hameed Khan, Advocate and Notary, Secunderabad.

A PROJECT BY
BASAI GROUP

hmda
Growing Global

TG RERA APPROVED

Telangana Real Estate Regulatory Authority (TG RERA) is granted certificate under section 5 to the following project.

Pushpa Residency-1 (Regn. No. P02200008353) | Pushpa Residency-2 (Regn. No. P02200008349)

PUSHPA RESIDENCY- 1

Quality Living Starts Here

Ready to occupy @ Thumkunta << SHAMIRPET

TYPICAL FLOOR PLAN

- 2 Bhk
- Parking 2 wheeler & 4 Wheeler
- 100% Vaastu

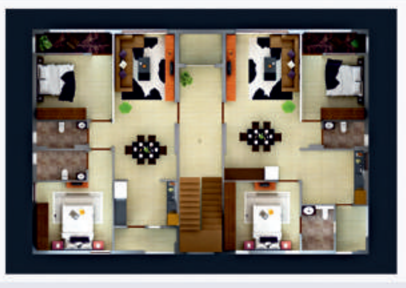

SCAN FOR SITE LOCATION

Everyone love to live in a beautiful & luxurious home where elders are happy & children grow up in a healthy environment. To experience the comfort of a spacious flat in a good neighbourhood, where fresh air & abundant water & the blissful silence of environment invites your family to live in comfort. Pushpa Residency is a prestigious project by Basai Group who have executed several successful projects. Their strength in the construction field can be gauged by the quality and dedication they bring to every project. we work hard to ensure customer satisfaction ... So why to wait now we provide you the luxurious flat in Thumkunta, Shamirpet .

FOR DETAILS

+91 77991 23471
94901 18708

Email : pushparesidency1@gmail.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.